RNI NO.: MAHHIM/2013/52540

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 12 ■ अंक 66 ■ नाशिक, रविवार 22 मार्च 2026 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्माण्डा की पूजा » पेज-8

होर्मुज : शक्ति और राजनीति का अखाड़ा पेज-4

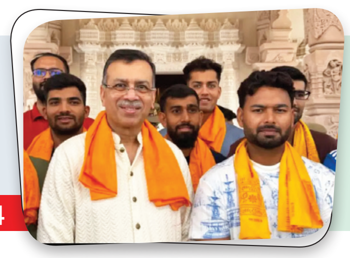

'लखनऊ सुपर जायंट्स' टीम ने की रामलला की विधिवत पूजा-अर्चना पेज-6

त्वचा को साफ और चमकदार बनाने का आसान घरेलू नुस्खा पेज-8

श्रुति हासन की लव लाइफ क्यों पटरी से उतरी? पेज-10

शांति नहीं, भीषण होगा रण

अमेरिका-इजराइल का नतांज न्यूक्लियर प्लांट पर हमला

महानगर नेटवर्क

तेहरान

अमेरिका और ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच ईरान ने कहा है कि वह युद्ध विराम के लिए राजी नहीं होगा। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने जापान की क्योडो न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा कि ईरान सीजफायर नहीं करना चाहता, बल्कि वह दुश्मनी को पूरी तरह से खत्म करना चाहता है। उनका यह बयान अमेरिकी-इजरायली हमले के 22वें दिन जारी रहने के बीच आया है। इस युद्ध में ईरान को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अब तक हजारों नागरिकों की जान जा चुकी है। ईरानी नौसेना और वायु सेना लगभग पूरी तरह बर्बाद हो चुके हैं। इसके बावजूद ईरान हार मानने को तैयार नहीं है। वहीं ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी नतांज पर शनिवार को हवाई हमला हुआ है।

ईरानी आधिकारिक समाचार एजेंसी मिज़ान के अनुसार इस हमले में कोई रेडिएशन रिसाव नहीं हुआ। नतांज ईरान का मुख्य यूरेनियम संवर्धन केंद्र है, जो तेहरान से लगभग 220 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। यह फैसिलिटी पहले भी कई बार निशाना बन चुकी है। ताजा हमला अमेरिका-इजरायल गठबंधन की ओर से किए गए हवाई अभियान का हिस्सा माना जा रहा है। ईरान ने इसे क्रूर हमला करार दिया है और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। अब्बास अराघची ने अमेरिका पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि अमेरिकी दावे और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर है। उन्होंने वियतनाम युद्ध का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि जैसे उस समय सच्चाई छिपाई गई थी, आज भी वही रणनीति अपनाई जा रही है। अराघची ने चेतावनी दी कि अगर ईरान के इंफ्रास्ट्रक्चर पर कोई हमला हुआ तो तेहरान बिना किसी संयम के करारा जवाब देगा। अराघची ने कहा कि अमेरिकी यह नहीं भूले हैं कि कैसे, जब वियतनाम में सैकड़ों अमेरिकी सैनिक मारे जा रहे थे और युद्ध का नतीजा पहले से ही साफ था, तब भी जनरल विलियम वेस्टमोलैंड को हवाई जहाज से घर वापस बुलाया गया था, ताकि वे सबको यह भरोसा दिला सकें कि युद्ध ठीक चल रहा है और अमेरिका जीत रहा है। अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट लिखा कि अमेरिकी सरकार कुछ कहती है और हकीकत कुछ और होती है। उन्होंने आगे लिखा कि ठीक उसी समय जब अमेरिकी अधिकारी दावा करते हैं कि ईरान की हवाई सुरक्षा खत्म हो चुकी है, एक एफ-35 विमान को निशाना बना दिया जाता है।

ईरान के खिलाफ 22 देश हुए एकजुट

ईरान की ओर से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने की 22 देशों ने मिलकर कड़ी निंदा की है। इनमें ज्यादातर यूरोपीय देश शामिल हैं, साथ ही संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और बहरीन जैसे खाड़ी देश भी हैं। बयान में कहा गया कि ईरान ने निहत्थे कमर्शियल जहाजों पर हमले किए, नागरिक बुनियादी ढांचे जैसे तेल व गैस को निशाना बनाया और ईरानी बलों की ओर से जलडमरूमध्य की वास्तविक बंदी कर दी गई है। इन देशों ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए ईरान से तत्काल अपनी धमकियां, माइंस बिछाना, ड्रोन और मिसाइल हमले व अन्य कार्रवाइयां बंद करने की मांग की है, जो जहाजों को रोक रही हैं।

पीएम मोदी से बातचीत में ईरानी राष्ट्रपति ने युद्ध रोकने की रख दी शर्त

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशियन की शनिवार को बातचीत हुई। इस बातचीत में पेजेशियन ने बताया कि यह युद्ध किस तरह से रुक सकता है। इसके लिए उन्होंने एक शर्त रखी कि अमेरिका-इजरायल आक्रामकता तुरंत रोकें और फिर भविष्य में दोबारा ऐसी आक्रामकता नहीं होगी, इसकी भी गारंटी होनी चाहिए। उन्होंने प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह BRICS से भी ईरान के खिलाफ आक्रामकता को रोकने में एक स्वतंत्र भूमिका निभाने का आह्वान किया। बातचीत में ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि यह हमला पहले ईरान ने नहीं किया था। भारत में ईरान के दूतावास के अनुसार ईरानी राष्ट्रपति ने विदेशी हस्तक्षेप के बिना शांति सुनिश्चित करने के लिए पश्चिम एशियाई देशों को शामिल करते हुए एक क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे का प्रस्ताव रखा। एक्स पर पोस्ट में कहा गया, "इस बातचीत के दौरान, पेजेशियन ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ अमेरिका और जायोनी शासन द्वारा ईरान के विरुद्ध जारी सैन्य आक्रामकता के संदर्भ में क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की।

गैस संकट के बीच होटल-रेस्टोरेंट्स को राहत

● कमर्शियल LPG का आवंटन 30 से बढ़कर 50% हुआ

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कमर्शियल एलपीजी (LPG) की आपूर्ति को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए इसका आवंटन 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक यह निर्णय 23 मार्च 2026 से लागू होगा और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर इस संबंध में जानकारी दी है।

पत्र में कहा गया है कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए अतिरिक्त 20 प्रतिशत एलपीजी आवंटित किया जा रहा है, जिससे कुल आपूर्ति प्री-क्राइसिस लेवल के 50 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह अतिरिक्त एलपीजी उन क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर दिया जाएगा, जहां इसकी मांग और आवश्यकता अधिक है। इनमें रेस्टोरेंट, ढाबे, होटल, इंडस्ट्रियल कैंटीन, फूड प्रोसेसिंग और डेयरी यूनिट्स शामिल हैं। इसके अलावा, राज्य सरकारों या स्थानीय निकायों द्वारा संचालित सब्सिडी वाले कैंटीन और आउटलेट्स, कम्युनिटी किचन, प्रवासी मजदूरों के लिए 5 किलो वाले सिलेंडर (FTL) भी इस प्राथमिकता सूची में शामिल हैं। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि एलपीजी के वितरण में किसी प्रकार की गड़बड़ी या डायवर्जन न हो, इसके लिए सख्त निगरानी सुनिश्चित की जाए। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति में अनिश्चितता बनी हुई है और कई क्षेत्रों में ईंधन की मांग बढ़ी है। केंद्र सरकार के इस फैसले से होटल, रेस्टोरेंट और फूड इंडस्ट्री को राहत मिलने की उम्मीद है, जो एलपीजी शॉर्टेज का सामना कर रहे हैं। साथ ही आम लोगों के लिए भी जरूरी सेवाओं की निरंतरता बनी रहेगी। सरकार ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध जैसे हालात के कारण ईंधन आपूर्ति बाधित हुई है। इसके बावजूद घरेलू एलपीजी और पीएनजी को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी जा रही है, साथ ही अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों को भी प्राथमिकता दी गई है। एलपीजी की मांग को संतुलित करने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। रिफाइनरियों में 38% उत्पादन बढ़ाया गया है, शहरी क्षेत्रों में सिलेंडर बुकिंग गैप 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन कर दिया गया है।

Short News एक नजर

किराए के घर में पांच शव मिलने से हड़कंप

कोच्चि। कोच्चि में एक किराए के घर में तीन बच्चों समेत पांच लोग मृत पाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार मृतकों में तिरुवनंतपुरम की दो महिलाएं और तीन बच्चे शामिल थे। पुलिस ने बताया कि ये दोनों महिलाएं और तीनों बच्चे बीते कुछ महीनों से वदुथला में एक किराए के घर में रह रहे थे और पास के एक निजी अस्पताल में इनका इलाज चल रहा था। पुलिस ने बताया कि दोनों महिलाओं की पहचान कनकलता और उनकी बेटी अश्वथी के रूप में हुई है। इस घटना में मृत पाए गए तीनों बच्चे अश्वथी के ही थे।

BJD ने 6 विधायकों को पार्टी से निकाला बाहर

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल ने हाल ही में राज्यसभा चुनावों में पार्टी के खिलाफ क्रॉस-वोटिंग करने वाले 6 विधायकों को पार्टी से निलंबित कर दिया है। यह फैसला बीजद की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने की। इन विधायकों पर एंटी-पार्टी एक्टिविटीज का आरोप लगा है, क्योंकि उन्होंने पार्टी के सामूहिक फैसले का उल्लंघन करते हुए विपक्षी उम्मीदवार के पक्ष में वोट दिया। बीजद के अनुशासन समिति ने शो-कॉज नोटिस के जवाबों की जांच के बाद यह कार्रवाई की।

अमेरिका ने पाक पर हमला किया तो दिल्ली, मुंबई पर गिराएंगे बम

इस्लामाबाद। मध्य पूर्व संकट के बीच पाकिस्तान के पूर्व वरिष्ठ राजनयिक अब्दुल बासित ने भारत पर हमले की धमकी दी है। अब्दुल बासित भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रह चुके हैं। उन्होंने एक टेलीविजन डिबेट में अमेरिका के हमले के जवाब में भारत पर हमले की गीदड़भभकी दी। उन्होंने कहा कि अगर सबसे बुरे हालात में अमेरिका हमला करता है, तो पाकिस्तान के पास भारत पर हमला करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। भले ही भारत इस युद्ध की पार्टी न हो। उनके इस बयान की सोशल मीडिया पर कड़ी निंदा की जा रही है। अब्दुल बासित ने कहा कि मान लीजिए, ईरान में हालात खराब हो जाते हैं।

ईद मुबारक

देशभर में शनिवार को ईद-उल-फितर धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर बधाइयां दीं। तस्वीर में ईद पर गले मिलते बच्चे-बच्चियां। इस मौके पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशवासियों को ईद की मुबारकबाद दी।

मथुरा में साधु की मौत पर हंगामा, पथराव

पुलिस की गाड़ियां तोड़ीं, आरोप- गो तस्करों ने ट्रक से कुचला

मथुरा। यूपी के मथुरा में शनिवार का दिन हंगामे भरा रहा। कंटेनर में गोवंश होने के शक में बाइक से पीछा कर रहे चंद्रशेखर उर्फ फरसे वाले बाबा को पीछे से आ रहे ट्रक ने कुचल दिया। इस दुर्घटना के बाद गोरक्षकों और कई हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए। दिल्ली-आगरा हाइवे जाम कर दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और रबर की गोलियां चलाईं। लोगों ने कई पुलिस अफसरों के वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा को टक्कर मारने वाले ट्रक ड्राइवर की भी इलाज के दौरान आगरा में मौत हो गई है। ड्राइवर खुर्शीद राजस्थान के अलवर का रहने वाला था। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि खुर्शीद के ऊपर कोई मामला दर्ज नहीं है। एसएसपी ने बताया कि आक्रोशित लोगों की ओर से लगाए गए आरोपों की अन्य पहलुओं से भी जांच हो रही है। दूसरी ओर पुलिस ने गोतस्करी के दावे को सिरे से नकार दिया है। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि जिस ट्रक का फरसे वाले बाबा पीछा कर रहे थे, उसमें किराने का सामान लदा मिला है। कोहरा अधिक होने के कारण पीछे से आ रहे ट्रक ने बाबा को टक्कर मार दी जिससे उनकी मौत हो गई। इस पूरे मामले में गोतस्करी जैसी कोई बात नहीं है।

बीजिंग-दिल्ली के बीच सीधी उड़ान भरेगा एयर चाइना

नई दिल्ली। चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने शनिवार को एक अहम घोषणा की। एयर चाइना बीजिंग और दिल्ली के बीच सीधी उड़ानें फिर शुरू करने जा रही है। यू जिंग ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि यह सिर्फ यात्रा नहीं बल्कि व्यापार, पर्यटन, विश्वास और एससीओ, ब्रिक्स जैसे मंचों पर लोगों के बीच सहयोग बढ़ाने का बड़ा कदम है। इस बहाली से दोनों देशों के नागरिकों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे समय और खर्च बचेगा। लोग बिना ट्रांजिट के आसानी से दोनों राजधानियों के बीच यात्रा कर सकेंगे, जो कोविड के बाद संबंधों के सामान्य होने का प्रतीक है। याद रहे कि साल 2020 में कोविड-19 महामारी और सीमा पर तनाव के कारण भारत-चीन के बीच सभी सीधी उड़ानें बंद कर दी गई थीं। लगभग 6 साल बाद अक्टूबर 2025 में इन उड़ानों की बहाली शुरू हुई।

पुलिसकर्मियों का आरोपियों के फोटो-वीडियो अपलोड करना चिंताजनक : एससी

■ यह निष्पक्ष सुनवाई के लिए खतरा ■ इससे आरोपी की इमेज खराब होती है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मोबाइल से शूट वीडियो-फोटो को तुरंत सोशल मीडिया पर अपलोड करने के ट्रेंड पर कड़ी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि इससे निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित होती है और आरोपियों के खिलाफ पहले ही माहौल बन जाता है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने शुक्रवार को एक याचिका पर सुनवाई की। इसमें कहा गया है कि पुलिस आरोपियों के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर डालकर लोगों के मन में पूर्वाग्रह पैदा कर रही है। याचिका हेमेंद्र पटेल ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने कहा कि पुलिस आरोपियों की हथकड़ी लगी, रस्सियों से बंधी या अपमानजनक स्थिति वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाल रही है। इससे व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचती है और जनता में पूर्वाग्रह बनता है। कोर्ट ने इस पर सहमति जताते हुए इसे गंभीर चिंता का विषय माना है। याचिकाकर्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी राज्यों को पुलिस मीडिया ब्रीफिंग के लिए गाइडलाइन बनाने को कहा जा चुका है, जिसमें सोशल मीडिया पोस्ट भी शामिल होंगे। आज हर मोबाइल फोन रखने वाला व्यक्ति खुद को मीडिया समझने लगा है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि यह स्थिति डिजिटल अरेस्ट जैसी बनती जा रही है। छोटे शहरों में लोग खुद को मीडियाकर्मी बताकर गाड़ियों पर स्टीकर लगाते हैं और इसका गलत इस्तेमाल करते हैं। सुनवाई में यह भी सामने आया कि कुछ लोग 'सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट' के स्टिकर लगाकर टोल टैक्स से बचने की कोशिश करते हैं।

मीरा-भायंदरवासियों का मेट्रो सपना जल्द होगा साकार

महानगर संवाददाता
मीरारोड

पिछले डेढ़ दशक से जिस मेट्रो सेवा का मीरा-भायंदरवासी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे,वह सपना अब साकार होने जा रहा है। "यात्रा में थोड़ी देरी स्वीकार है, लेकिन यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं," यह संदेश देते हुए परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने काशीगांव मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था, आपातकालीन प्रणाली, दुर्घटना नियंत्रण कक्ष और यात्री सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बताया कि सभी तकनीकी कार्य पूर्ण हो चुके हैं और आवश्यक सुरक्षा प्रमाणपत्र भी प्राप्त हो गए हैं। अब अप्रैल महीने में मेट्रो सेवा आम जनता के लिए शुरू की जाएगी। मंत्री सरनाईक ने कहा कि वर्ष 2009 के चुनावी वादे के रूप में किया गया मेट्रो का संकल्प आज पूरा हो रहा है, जो 15 वर्षों के संघर्ष का परिणाम है। सुरक्षा प्रमाणपत्र मिलने में देरी के कारण उद्घाटन में विलंब हुआ, लेकिन अब सभी बाधाएं दूर हो चुकी हैं।
इस मेट्रो मार्ग से प्रति घंटे लगभग 4,500 और प्रतिदिन करीब 50,000 यात्रियों को तेज, सुगम और प्रदूषणमुक्त यात्रा का लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि किसी भी आपात स्थिति में सुरक्षा प्रणाली पूरी तरह सक्षम है। राज्य के अर्थसंकल्पीय सत्र के समाप्त होते ही मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों के हाथों मेट्रो सेवा का भव्य उद्घाटन किया जाएगा। इस अवसर पर मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, "एक जनप्रतिनिधि के रूप में मेरा पहला दायित्व केवल सुविधाएं देना नहीं, बल्कि उन सुविधाओं में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। सभी जांच पूरी हो चुकी हैं और अप्रैल से मीरा-भायंदरवासी सुरक्षित, तेज और आरामदायक मेट्रो यात्रा का अनुभव कर सकेंगे।"

नगरसेविका अल्का केलकर का निधन

मुंबई। पूर्व उपमहापौर और वार्ड क्रमांक 98 की वर्तमान नगरसेविका अल्का केलकर का शनिवार को अल्प बीमारी के कारण निधन हो गया। हाल ही में हुए मुंबई महानगरपालिका चुनाव में वह तीसरी बार नगरसेवक के रूप में चुनी गई थीं। सेवानिवृत्त शिक्षिका रहीं अलका केलकर का अपने प्रभाग में मजबूत जनसंपर्क था। सादगीपूर्ण जीवन, पार्टी के प्रति समर्पण और भ्रष्टाचार व अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त रुख के लिए वह जानी जाती थीं। उनका जीवन नगरसेवकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के लिए एक आदर्श माना जाता है। सामान्य नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने हमेशा समर्पण के साथ काम किया। उनके निधन से बांद्रा पश्चिम क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है। पिछले 30 वर्षों से बांद्रा पश्चिम में जनता की सेवा और भाजपा संगठन को मजबूत करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मुंबई-अहमदाबाद मार्ग पर भीषण हादसा

चार गाड़ियों के बीच टक्कर, यातायात बाधित

वसई। मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्गपर स्थित वसई के ससुपाड़ा क्षेत्र में शनिवार को एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा पेश आया। खबरों के मुताबिक, तेज रफ्तार और अनियंत्रित गति के कारण एक कंटेनर,दो कारें और एक टेम्पो आपस में बुरी तरह टकरा गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए। हादसे के तुरंत बाद चीख-पुकार मच गई और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। गनीमत यह रही कि स्थानीय नागरिक तुरंत मदद के लिए आगे आए और पुलिस को सूचित किया। दुर्घटना के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों का लंबा जाम लग गया। मुंबई की ओर जाने वाले ट्रैफिक पर इसका सबसे ज्यादा असर देखा गया। मौके पर पहुंची वसई पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे कर रास्ता साफ करवाया, जिसके बाद यातायात धीरे-धीरे सुचारू हो सका।
पुलिस प्रशासन ने घटना का पंचनामा कर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हादसा किसी तकनीकी खराबी की वजह से हुआ या ड्राइवर की लापरवाही के कारण। घायलों की सटीक संख्या और उनकी स्थिति को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। ससुपाड़ा क्षेत्र में हाइवे पर सुरक्षा के इंतजामों को लेकर स्थानीय लोग पहले भी चिंता जताते रहे हैं। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज और सुशांत पाटिल स्थानीय के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

राजकुमार सिंह को तरुण कला संगम पुरस्कार

महानगर संवाददाता
मुंबई

महानगर की सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था तरुण कला संगम द्वारा वरिष्ठ पत्रकार एवं मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह को वर्ष 2025 का तरुण कला संगम पत्रकारिता पुरस्कार देने की घोषणा की गई है।
वरिष्ठ पत्रकार विश्वनाथ सचदेव की अध्यक्षता वाली समिति ने सिंह का इस पुरस्कार के लिए चयन किया है। चयन समिति में वरिष्ठ पत्रकार राघवेंद्र द्विवेदी तथा ब्रजमोहन पांडेय भी शामिल थे। राजकुमार सिंह को इसके पहले उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार,

महाराष्ट्र सरकार द्वारा 2017 में बाबूराव विष्णू पराडकर उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कार मिल चुका है। संस्था के अध्यक्ष चित्रसेन सिंह ने बताया कि जल्द ही एक भव्य समारोह में राजकुमार सिंह को पुरस्कार स्वरूप 1 लाख रुपए और सम्मान चिन्ह प्रदान किया जाएगा।

भिवंडी में उल्लास और भाईचारे के साथ मनाई गई ईद

भिवंडी। भिवंडी शहर में मुस्लिम समुदाय का सबसे बड़ा पर्व ईद-उल-फितर (रमजान ईद) इस वर्ष भी पूरे उत्साह, उल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। एक माह तक रोजा रखने के बाद ईद के दिन शहर भर में खुशी और आध्यात्मिक ऊर्जा का माहौल देखने को मिला। ईद के मौके पर सुबह करीब 7 बजे से ही शहर के ईदगाह मैदान सहित लगभग 105 मस्जिदों में सामूहिक नमाज अदा करने का सिलसिला शुरू हो गया था। नमाज के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी पारंपरिक परिधानों में नजर आए।

भिवंडी में 14 ग्राम पंचायतों में उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित

भिवंडी। भिवंडी तालुका की विभिन्न ग्राम पंचायतों में रिक्त पदों को भरने के लिए उपचुनावों की घोषणा कर दी गई है। सरपंचों और सदस्यों के निधन,इस्तीफे या अन्य कारणों से खाली हुई 14 ग्राम पंचायतों की सीटों पर अब चुनावी हलचल शुरू हो गई है। भिवंडी के तहसीलदार अभिजीत खोले ने जानकारी देते हुए बताया कि इन सीटों के लिए मतदान 28 अप्रैल को होगा, जबकि मतों की गणना 29 अप्रैल को की जाएगी। प्रशासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार चुनावी प्रक्रिया निम्नलिखित चरणों में पूरी होगी। 30 मार्च को तहसीलदार द्वारा आधिकारिक चुनाव

28 अप्रैल को होगा मतदान

नोटिस जारी किया जाएगा। 07 अप्रैल से 13 अप्रैल तक उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। 15 अप्रैल को नामांकन पत्रों की बारीकी से जांच की जाएगी। 17 अप्रैल को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि और उम्मीदवारों को चुनाव चिन्हों का आवंटन। 28 अप्रैल को मतदान का दिन। 29 अप्रैल को मतगणना और परिणामों की घोषणा कि जाएगी। भिवंडी तालुका की जिन 14 ग्राम पंचायतों में चुनाव होने हैं, उनके नाम इस प्रकार हैं कवाड खुर्द, पिलंझे खुर्द, मोरणी, गणेशपुरी, सुपेगाव, कारीवली, खरीवली, पालखणे, घोटगाव, कुसापुर, सापे, मोहंडुल, केल्हे और अंबाडी सहित कुल 23 ग्राम पंचायत सदस्यों के पदों के लिए यह चुनाव लड़ा जाएगा। विशेष Sach यह है कि इसमें 2 सीधे सरपंच पदों के लिए भी मतदान होना है।

महिलाओं को खुद बनना होगा मजबूत: महापौर रितु तावड़े

- महिला हर बड़ी जिम्मेदारी निभाने में सक्षम
- अब खुद आगे आकर संभालना होगा नेतृत्व

महिलाओं के सामने अब चुनौतियां पहले जैसी कठिन नहीं रहीं, बल्कि समय की मांग है कि वे खुद को मजबूत बनाएं और निर्णय लेने की भूमिका में आगे आएं। यह बात मुंबई की प्रथम नागरिक और महापौर रितु तावड़े ने 'हमारा महानगर' कार्यालय में सदिच्छा भेंट के दौरान कही। 'हमारा महानगर' कार्यालय में उनका स्वागत भाजपा नेता एवं बीआइएस निदेशक अमरजीत सिंह, बीआइएस और 'हमारा महानगर' की निदेशिका गीता सिंह ने किया। महापौर ने बातचीत के दौरान मुंबई जैसे अंतरराष्ट्रीय शहर के विकास को लेकर अपनी योजनाओं और विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर भी बेबाकी से अपनी बात रखी। पेश है महापौर रितु तावडे से हुई बातचीत के प्रमुख अंश:

महापौर के रूप में आपके सामने मुख्य चुनौतियां क्या हैं?
मेरे कार्यकाल की सबसे बड़ी चुनौती मुंबई के लंबित नागरिक मुद्दों को सुलझाना है। पूर्व में शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण समस्याओं को प्राथमिकता नहीं दी गई। उनकी प्राथमिकता सुशासन के बजाय कॉन्ट्रैक्ट, टेंडर और आपसी समझौतों तक सीमित रही, जिसके कारण वर्ष 2014 से कई जरूरी मुद्दे अधूरे रह गए। अब मेरी जिम्मेदारी है कि उन लंबित कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए और मुंबईकरों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मेरा प्रयास है कि मुंबई को वह स्तर और सुविधाएं मिलें, जिसकी यहां के नागरिक अपेक्षा करते हैं और जिसके वे हकदार हैं।

▶▶। आज विकास के दौर में भी क्या महिलाओं को उचित स्थान नहीं मिल रहा है?
यह कहना बिल्कुल गलत होगा कि आज महिलाओं को उचित स्थान नहीं मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को न केवल उच्च स्थान दिया जा रहा है,बल्कि उनका मनोबल बढ़ाने के लिए उन्हें जिम्मेदार भूमिकाएं भी सौंपी जा रही हैं। महिलाएं क्या कुछ नहीं कर सकतीं, यह हमारी सरकार ने कई उदाहरणों के माध्यम से साबित किया है। आने वाले समय में, जिस तरह महानगरपालिकाओं और ग्राम सभाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण मिला है,उसी तरह लोकसभा,राज्यसभा और विधानसभा में भी उनकी भागीदारी बढ़ती दिखाई देगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि महिलाएं खुद को मजबूत बनाएं और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करें। सबसे कठिन कार्य घर को संभालना होता है और जब महिलाएं इस जिम्मेदारी को बखूबी निभा रही हैं, तो वे किसी भी बड़े दायित्व को सफलतापूर्वक निभाने में सक्षम हैं।

▶▶। क्या महापौर पद मिलने में आपको किसी प्रकार की अड़चन आई या किसी से विशेष सहायता लेने की जरूरत पड़ी?
सच कहूं तो मुझे पहले से यह बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि मैं महापौर बनूंगी। मेरे लिए यह किसी सौभाग्य से कम नहीं है। मैं इसे अपने माता-पिता के अच्छे कर्मों का फल मानती हूं कि मुझे भाजपा जैसी देश की सबसे बड़ी पार्टी से जुड़े रहते हुए मुंबई जैसे अंतरराष्ट्रीय शहर की महापौर बनने का अवसर मिला। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण और मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं कि उन्होंने मुझ जैसे एक सामान्य कार्यकर्ता पर विश्वास जताया। भाजपा एक

अनुशासित और कार्यकर्ता-आधारित पार्टी है। मुंबई जैसे अंतरराष्ट्रीय शहर के विकास को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने न केवल मुझे, बल्कि तीन अन्य महिलाओं को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। शिक्षा समिति की अध्यक्ष राजश्री शिरवडकर, सुधार समिति की अध्यक्ष संध्या दोषी और बेस्ट समिति की अध्यक्ष तृष्णा विश्वासराव को भी प्रमुख पदों पर नियुक्त किया गया है। यह पहली बार है कि महानगरपालिका के छह प्रमुख पदों में से चार पर महिलाओं को स्थान मिला है। यह इस बात का प्रमाण है कि जब महिलाएं आगे आती हैं, तो उन्हें उचित सम्मान और अवसर दोनों मिलते हैं। जहां तक विपक्ष का सवाल है,उनके पास अब ठोस मुद्दे नहीं बचे हैं, इसलिए वे बेबुनियाद आरोप लगाकर खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता ऐसे प्रयासों को पहले ही नकार चुकी है।

मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली बेस्ट बस सेवा की हालत लगातार खराब हो रही है। इस पर क्या कदम उठाए जा रहे हैं?
बीएमसी द्वारा बेस्ट उपक्रम को पहले ही 1,000 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है, लेकिन अब अतिरिक्त 3,000 करोड़ रुपए की मांग सामने आई है। इस पूरे विषय को गंभीरता से लेते हुए मैंने यूनियन प्रतिनिधियों, बजट विभाग और नगर आयुक्त के साथ विस्तृत बैठक बुलाई है। वर्तमान में कई कर्मचारियों को अब तक उनकी ग्रेच्युटी नहीं मिल पाई है, जिससे स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है, क्योंकि बेस्ट सेवा मुंबई की जीवन रेखा है और इसका सुचारू रूप से चलना बेहद आवश्यक है। हम इस पूरी स्थिति का स्थायी समाधान निकालने के लिए गंभीरता से प्रयास कर रहे हैं, ताकि कर्मचारियों को उनका हक मिल सके और मुंबईकरों को बेहतर परिवहन सेवा उपलब्ध हो।

▶▶। महापौर पद संभालने के बाद आपने बांग्लादेशी और रोहिंग्या के मुद्दे पर कार्रवाई शुरू की, जिस पर आरोप लगे कि यह काम आपने मीडिया में सुर्खियां बटोरने के लिए किया?
देखिए, मैं मीडिया में सुर्खियां बटोरने के लिए राजनीति में नहीं आई हूं। मुझे मेरी पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाना मेरा कर्तव्य है। जनता की सेवा करने का अवसर मिला है, तो मेरा प्रयास है कि कुछ सकारात्मक और ठोस काम किया जाए। जहां तक बांग्लादेशी फेरीवालों और रोहिंग्या का सवाल है, मुंबई कोई धर्मशाला नहीं है। यदि कोई अवैध रूप से यहां आकर स्थानीय लोगों के रोजगार पर असर डालता है या कानून-व्यवस्था से जुड़े सवाल खड़े करता है, तो उस पर कार्रवाई होना स्वाभाविक है। यह कार्रवाई केवल मुंबई तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में इस तरह के मामलों पर सख्ती बरती जा रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी इस विषय पर स्पष्ट रुख अपनाया है कि अवैध रूप से रहने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। कुछ राजनीतिक दल इस मुद्दे को लेकर आरोप लगाते हैं,लेकिन मेरा मानना है कि यह विषय राजनीति से ऊपर है। मुंबई के नागरिकों के हितों की रक्षा करना हमारी प्राथमिकता है। फेरीवालों के अधिकारों की रक्षा करना भी उतना ही जरूरी है, इसलिए अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। मैं स्वयं हर महीने अधिकारियों के साथ बैठक कर इस संबंध में चल रही कार्रवाई की समीक्षा करूंगी। इसके साथ ही, फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारतीय नागरिकता हासिल करने के मामलों पर भी सख्त नजर रखी जाएगी और ऐसे मामलों में कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

▶▶। आपने 100 दिनों की कार्ययोजना घोषित की थी। अब तक क्या प्रगति हुई है?
हमने 100 दिनों की कार्ययोजना के तहत 21 प्रमुख मुद्दों को अपने एजेंडे में शामिल किया था। इनमें से कई मुद्दों का समाधान किया जा चुका है, जबकि शेष पर तेजी से काम जारी है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों के लिए सभी 27 प्रकार की शैक्षणिक सामग्री अब गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस (जीईएम) के माध्यम से खरीदी जाएगी। इससे न केवल भ्रष्टाचार में कमी आएगी, बल्कि विद्यार्थियों को बेहतर गुणवत्ता की सामग्री भी उपलब्ध होगी। इसके साथ ही, हमने 365 दिनों का व्यापक स्वच्छता अभियान शुरू किया है, जिसमें आम नागरिकों, अस्पतालों, स्कूलों और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इस अभियान के तहत स्वच्छ और आदर्श सोसायटी को 10 से 25 लाख रुपए तक का पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं, अपने वार्ड को डस्टबिन-फ्री बनाने वाले जनप्रतिनिधियों को 1 करोड़ रुपए तक का अतिरिक्त फंड प्रदान किया जाएगा। नाला सफाई जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आईआईटी द्वारा थर्ड-पार्टी ऑडिट को अनिवार्य किया गया है, जिससे कार्यों की निष्पक्ष निगरानी सुनिश्चित हो सके।

▶▶। बाढ़ रोकने के लिए मीठी नदी की सफाई बेहद जरूरी है, लेकिन इस बार ठेकेदार नहीं मिल पाए। अब क्या कदम उठाए जाएंगे?
इस मुद्दे को लेकर मैंने हाल ही में एक विस्तृत समीक्षा बैठक की है। स्थिति को ध्यान में रखते हुए हमने अनुभवी ठेकेदार की अनिवार्यता को हटाते हुए निविदा प्रक्रिया की अंतिम तिथि 24 मार्च तक बढ़ा दी है। हमें उम्मीद है कि अब अधिक संख्या में ठेकेदार इस प्रक्रिया में भाग लेंगे। फिलहाल हम इस प्रक्रिया के पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि कार्य जल्द से जल्द शुरू किया जा सके। इस बीच अन्य नालों और नदियों की सफाई का काम पहले ही शुरू कर दिया गया है, जिससे बारिश के मौसम में संभावित समस्याओं को कम किया जा सके। मुंबईकरों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, यह मेरी प्राथमिक जिम्मेदारी है। मैं इस दिशा में पूरी निष्ठा और गंभीरता के साथ काम कर रही हूं और आगे भी हर संभव प्रयास करती रहूंगी।

▶▶। मुंबई में संपत्ति कर और जलकर प्रणाली को लेकर आपकी क्या योजना है?
वर्तमान में कई नागरिकों को समय पर बिल और अलर्ट संदेश नहीं मिल पाते,जिसके कारण उन्हें अनावश्यक जुर्माना भरना पड़ता है। इस समस्या को दूर करने के लिए हम पूरी प्रणाली में व्यापक सुधार करने जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि नागरिकों को समय पर बिल, रिमाइंडर और नोटिफिकेशन मिले, जिससे उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं नागरिक-अनुकूल बन सके।

▶▶। रोजगार और युवाओं के लिए क्या योजना है?
'जेन नेक्स्ट ' पहल के तहत हम युवाओं के लिए विशेष चयन प्रक्रिया आयोजित करने जा रहे हैं। इसके माध्यम से लगभग 50 प्रतिभाशाली युवाओं का चयन किया जाएगा और उन्हें महानगरपालिका में कार्य करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को प्रशासनिक कार्यप्रणाली का अनुभव देना और उन्हें रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे भविष्य में बेहतर नेतृत्व और जिम्मेदारियों के लिए तैयार हो सकें।

रेत माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई, 90 लाख की संपत्ति नष्ट

भिवंडी। भिवंडी तालुका के केवणी रेत बंदरगाह क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ राजस्व विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 80 से 90 लाख रुपए की सामग्री नष्ट कर दी। इस कार्रवाई से रेत माफियाओं में हड़कंप मच गया है। यह विशेष अभियान ठाणे जिला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल, अपर जिला कलेक्टर हरिश्चंद्र पाटिल और प्रांताधिकारी अमित सानप के मार्गदर्शन में तहसीलदार अभिजीत खोले द्वारा चलाया गया। कार्रवाई

के दौरान टीम ने मौके पर मौजूद 5 सेक्शन और 8 बार्ज को जब्त कर उन्हें जलाकर और पानी में डुबोकर पूरी तरह नष्ट कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, यह अवैध रेत कारोबार लंबे समय से चल रहा था। जानकारी के मुताबिक, माफियाओं ने खाड़ी से निकाली गई रेत को जमा करने के लिए किनारे पर 12 बड़ी कुंडियां बना रखी थीं। प्रशासन ने 3 जेसीबी मशीनों की मदद से इन सभी कुंडियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। बताया गया कि जिस जमीन (सर्वे नंबर 181/ब) पर रेत जमा की गई थी, वह 'आरक्षित वन' क्षेत्र में आती है। इस कारण वन विभाग और ठाणे मैंग्रोव संरक्षण इकाई ने भी कार्रवाई में भाग लिया। कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए भिवंडी ग्रामीण पुलिस की टीम मौके पर तैनात रही।

जनप्रतिनिधियों के रहते प्रशासनिक आमसभा पर विवाद

ठाणे। ठाणे में प्रशासनिक कार्यप्रणाली एक बार फिर विवादों में घिरती नजर आ रही है। जनप्रतिनिधियों के चुने जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा आमसभा आयोजित करने का मामला सामने आया है। इससे नगर निगम की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, पिछले तीन साल दस महीनों में हुई प्रशासनिक बैठकों का पूरा हिसाब अब तक पेश नहीं किया गया है। इसी बीच जनवरी के अंत में प्रशासनिक आमसभा आयोजित कर दी गई। जबकि 11 जनवरी 2026 को ही जनप्रतिनिधियों का राजपत्र जारी हो चुका था और उन्हें निगम में प्रवेश मिल गया था। भाजपा और विपक्ष दोनों ने प्रशासनिक शासन के दौरान हुए करीब 2500 करोड़ रुपये के कार्यों का लेखा-जोखा मांगना शुरू कर दिया है। मार्च की आमसभा में इन मुद्दों पर चर्चा की उम्मीद थी, लेकिन वहां भी कोई जवाब नहीं मिला। इससे पार्षदों में नाराजगी बढ़ गई है।

25 मार्च तक टिटवाला और वाशिंद स्टेशनों के बीच विशेष यातायात एवं पॉवर ब्लॉक

मुंबई। सेंट्रल रेलवे (SR) के मुंबई मंडल में 15 डिब्बे की लोकल बढ़ाने के लिए कई उपनगरीय स्टेशनों के प्लेटफॉर्म का विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए यात्रियों को कुछ परेशानी का सामना भी करना पड़ रहा है। मध्य रेलवे के अनुसार बड़े पैमाने पर चल रहे इंफ्रा सुधार कार्यों की वजह से विशेष यातायात एवं पॉवर ब्लॉक जरूरी है।

दो स्टेशनों पर ब्लॉक
21 से 25 मार्च को टिटवाला और वाशिंद स्टेशनों के बीच विशेष यातायात एवं पॉवर ब्लॉक होगा। यह ब्लॉक मुंबई लोकल ट्रेन की 15 कोच वाली रेक को समायोजित करने के विस्तार कार्य के तहत टिटवाला और खडवली स्टेशनों पर नए पॉइंट्स पर अतिक्रमण हटाने और ओएचई के संचालन के लिए परिचालित किया जाएगा।

ब्लॉक की अवधि
21/22 मार्च (शनिवार/रविवार रात 02 :10 बजे से 03 :25 बजे तक)
22/23 मार्च (रविवार/सोमवार रात 02 :10 बजे से 03 :25 बजे तक)
23/24 मार्च (सोमवार/मंगलवार रात 02 :10 बजे से 03 :25 बजे तक)
24/25 मार्च (मंगलवार/बुधवार रात 02 :10 बजे से 03 :25 बजे तक)

ब्लॉक के कारण ट्रेनों का रेगुलेशन
15181 मऊ-एलटीटी एक्सप्रेस और 12102 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस को वाशिंद में 02 :27 बजे से 3 :25 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा।
18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस को असंगांव में 02 :37 बजे से 03 :25 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा।
12810 हावड़ा-सीएसएमटी एक्सप्रेस को अटगांव में 02 :38 बजे से 03 :25 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा।
12132 साईनगर शिर्डी -दादर एक्सप्रेस को खर्डी में 02 :40 बजे से 03 :20 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा।
20104 भटनी-एलटीटी एक्सप्रेस को कसारा में 02 :45 बजे से 03 :20 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा
11002 बल्लारशाह-सीएसएमटी एक्सप्रेस को 03 :23 बजे से 03 :26 बजे तक कसारा में रेगुलेट किया जाएगा।
12174 प्रतापगढ़-एलटीटी एक्सप्रेस, 12545 रक्सौल-एलटीटी एक्सप्रेस, 12152 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस, 12361 आसनसन-सीएसएमटी एक्सप्रेस, 15547 रक्सौल-एलटीटी एक्सप्रेस और 15267 रक्सौल-एलटीटी एक्सप्रेस में 10 से 15 मिनट की देरी हो सकती है। बाद में घोषित की गई विलंबित मेल/एक्सप्रेस और यात्री ट्रेनों को भी परिचालन सुविधा के अनुसार रेगुलेट/शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा।

वसई-विरार शहर महापालिका का फैसला

स्वास्थ्य और महिला कल्याण समितियों का हुआ विस्तार

विरार। वसई-विरार शहर के विकास और प्रशासनिक कामकाज को नई गति देने के उद्देश्य से वसई-विरार शहर महानगरपालिका की आम बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। शुक्रवार को संपन्न हुई इस बैठक में स्वास्थ्य समिति और महिला एवं बाल कल्याण समिति के सदस्यों का चुनाव आधिकारिक तौर पर संपन्न हुआ। प्रशासन ने कामकाज की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए दोनों प्रमुख समितियों की सदस्य संख्या नौ से बढ़ाकर 15 कर दी है। सदन के नेता प्रफुल साने द्वारा रखे गए इस प्रस्ताव को 115 सदस्यों ने सर्वसम्मति से अपनी मंजूरी दी। अब ये नवनियुक्त सदस्य जल्द ही अपने बीच से समिति अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। बीना फुर्यादो, सुवर्णा पाटिल, एडवोकेट दीप्ति भोईर, ज्योत्सना भागली। प्रदीपिका सिंह,

प्रमिला पाटिल, स्मिता भूपेन्द्र पाटिल, अमृता चोरघे, संगीता भेरे, निम्मी दोशी, ख्याति घरत, मीरा निकम, संजना भायदे, संजना यांडे और स्मिता पाटिल। 2. स्वास्थ्य समिति (15 सदस्य) डॉ. शुभांगी पाटिल, सचिन देसाई, डोमिनिक रुमाओ, अरुणा डाबरे , जीनत शेख जाहिद, प्रतिभा पाटिल, निशाद चोरघे, आशीष वर्तक, नीलेश देशमुख, डॉ. योगिता करंजकर, किशोर पाटिल, विशाल जाधव, हितेश जाधव, अवदेश श्रीवास्तव और जितेश राउत।

परिवहन समिति में 'बाहरी' विशेषज्ञों की एंट्री

महापालिका ने परिवहन सेवाओं में सुधार के लिए बदलाव को मंजूरी दी है। अब परिवहन समिति के नियमों में संशोधन कर 12 बाहरी विशेषज्ञों की नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त कर दिया गया है। "इस निर्णय से शहर के अनुभवी राजनीतिक पदाधिकारियों और विषय विशेषज्ञों को सीधे तौर पर परिवहन व्यवस्था सुधारने का मौका मिलेगा।" — प्रवीण शेट्टी, अध्यक्ष, स्थायी समिति
स्थायी समिति के अध्यक्ष इस समिति के पदेन सदस्य बने रहेंगे। इस कदम से उम्मीद जताई जा रही है कि शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में पेशेवर सुधार देखने को मिलेंगे।

कॉरपोरेट फंड से स्कूलों-अस्पतालों में मिलेगी सुविधा

महानगर संवाददाता
मुंबई

शहरी शासन में सहयोग और जवाबदेही को नया आयाम देने की दिशा में बीएमसी ने 'पार्टिसिपेट मुंबई " नामक अपनी प्रमुख नागरिक सहभागिता पहल शुरू की है। इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य कॉर्पोरेट्स संस्थानों और नागरिकों को एक साथ लाकर शहर के विकास में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित किया जाएगा। मनपा स्कूलों के छात्रों को पेंटिंग,संगीत या कराटे सिखाने की इच्छा रखने वाले नागरिकों या सार्वजनिक स्थानों, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में योगदान देने के इच्छुक कॉर्पोरेट्स के लिए अब एक संगठित मंच उपलब्ध होने जा रहा है। यह पहल एक अनोखे मॉडल पर आधारित है,जिसमें केवल इन-काइंड कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी योगदान ही स्वीकार किए जाएंगे। बीएमसी ने इस प्लेटफॉर्म के लिए एक समर्पित डिजिटल पोर्टल तैयार किया गया है,जहां उपयोगकर्ता विभिन्न प्रोजेक्ट्स देख सकेंगे अपने प्रस्ताव जमा कर सकेंगे और वॉलिंटियरिंग के लिए पंजीकरण कर सकेंगे। इससे वार्ड कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। 18 मार्च को जारी एक परिपत्र के अनुसार सभी सीएसआर प्रस्ताव और वॉलिंटियरिंग गतिविधियों को पार्टिसिपेट मुंबई प्लेटफार्म के माध्यम से ही प्रोसेस किया जाएगा जिससे पारदर्शिता और केंद्रीकृत निगरानी सुनिश्चित हो सके। मनपा अधिकारियों के अनुसार, मुंबई में लगभग 3,000 करोड़ रुपए का CSR फंड उपलब्ध है,जिसे इस पहल के माध्यम से उपयोग में लाने की योजना है। ज़ोन 2 के उपायुक्त प्रशांत सकपाले ने बताया कि यह प्लेटफॉर्म एक तरह का "मार्केटप्लेस" होगा, जहां पंजीकरण के बाद आवेदकों को समय स्लॉट और एक निर्धारित अधिकारी दिया जाएगा, जो प्रस्ताव को आगे बढ़ाएगा। सभी आवश्यक मंजूरियां मिलने के बाद यह प्लेटफॉर्म अप्रैल में शुरू होने की संभावना है। साथ ही, बीएमसी मुख्यालय में योगदान देने वाली कंपनियों को सम्मानित करने के लिए 'वॉल ऑफ फेम' बनाने पर भी विचार किया जा रहा है।

डिग्री के साथ कौशल भी जरूरी : उपराष्ट्रपति

विश्वविद्यालयों को नवाचार और प्रयोगशीलता को बढ़ावा देना चाहिए: राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा

'एआई लिविंग लैब' पहल से छात्रों को उद्योग जगत की वास्तविक समस्याओं का समाधान सीखने का अवसर मिलेगा: CM फडणवीस

महानगर संवाददाता
मुंबई

आज के समय में केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है,बल्कि उस डिग्री को रोजगार में बदलना आवश्यक है। तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स और बदलती तकनीक के अनुरूप स्वयं को ढालने की क्षमता ही सफलता की पूंजी है। उद्यमी बनने की इच्छा रखने वाले युवाओं को रतन टाटा से प्रेरणा लेनी चाहिए। लाभ के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का उत्कृष्ट उदाहरण टाटा समूह है। प्रत्येक व्यक्ति की प्रगति ही समाज,राज्य और देश की प्रगति होती है, ऐसा प्रतिपादन उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने किया। लोक भवन के दरबार हॉल में आयोजित रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह में वे बोल रहे थे।

इस अवसर पर राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस,उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, कुलगुरु डॉ. अपूर्वा पालकर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं छात्र उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस पहले दीक्षांत समारोह के विद्यार्थी इतिहास का हिस्सा बन गए हैं। ये छात्र भारत को "ग्लोबल स्किल हब" बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि उद्योगों की मांग के अनुसार पाठ्यक्रमों में बदलाव आवश्यक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, ग्रीन एनर्जी और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक विषयों को शामिल कर छात्रों को वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार किया जाना चाहिए।

उन्होंने जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद वहां की प्रगति अनुशासन और कड़ी मेहनत का परिणाम है। भारतीय युवाओं को भी यही कार्यसंस्कृति अपनानी चाहिए। उन्होंने छात्रों से जीवनभर सीखते रहने और 'स्किल इंडिया' तथा 'पीएम-दक्ष' जैसी योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कौशल, पुनः कौशल और कौशल उन्नयन पर विशेष जोर दिया है। आधुनिक विश्वविद्यालयों को नवाचार और प्रयोगशीलता को अपनाना चाहिए। शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं, बल्कि जीवनभर सीखने की प्रक्रिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि केवल युवा जनसंख्या पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे कौशल से जोड़ना आवश्यक है। 'एआई लिविंग लैब' जैसे उपक्रम छात्रों को वास्तविक उद्योग समस्याओं को समझने और समाधान विकसित करने का अवसर दे रहे हैं।

10,000 महिलाओं को एआई प्रशिक्षण

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से 10,000 महिलाओं को एआई प्रशिक्षण दिया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र देश में विदेशी निवेश आकर्षित करने में अग्रणी है और राज्य की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने कहा कि यह दीक्षांत समारोह छात्रों के परिश्रम और उनके सपनों का सम्मान है। उन्होंने बताया कि राज्य में कौशल विकास के लिए विभिन्न योजनाएं और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं,जिससे युवाओं को रोजगार और उद्यमिता के अवसर मिलेंगे। मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि कौशल विकास ही आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव है। प्राचीन भारत में हर घर कौशल का केंद्र था, और उसी परंपरा को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। कुलगुरु डॉ. अपूर्वा पालकर ने बताया कि पहले दीक्षांत समारोह में 25,000 से अधिक छात्रों ने प्रमाणपत्र और डिग्रियां प्राप्त कीं। विश्वविद्यालय ने 10,000 महिलाओं को एआई में प्रशिक्षित किया है और कई अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित किया है।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामले में एक और शूटर अरेस्ट

मुंबई। फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। इस सनसनीखेज वारदात में वांछित आरोपी प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू को आगरा से गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई यूपी एसटीएफ और मुंबई क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने की। आरोपी को पकड़ने के लिए लंबे समय से लगातार प्रयास किए जा रहे थे। 1-2 फरवरी की रात मुंबई स्थित रोहित शेट्टी के आवास शेट्टी टॉवर पर फायरिंग की घटना हुई थी। इस हमले के पीछे कुख्यात अपराधी शुभम लोणकर गैंग का हाथ बताया गया था। गैंग का मकसद फिल्म इंडस्ट्री और आम लोगों में दहशत फैलाना और रंगदारी वसूलना था। इस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया था और आरोपियों की तलाश जारी थी।

महावीर नगर का रहने वाला है प्रदीप

गिरफ्तार आरोपी प्रदीप शर्मा, आगरा के महावीर नगर इलाके का रहने वाला है। उसकी उम्र करीब 23 साल बताई जा रही है। उसे 21 मार्च को दोपहर करीब 3 :50 बजे आगरा के बाह थाना क्षेत्र से दबोचा गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वह इलाके में छिपा हुआ है, जिसके बाद टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने सोशल मीडिया पर शुभम लोणकर गैंग के पोस्ट देखकर उनसे प्रभावित होकर इस गैंग से जुड़ने का फैसला किया था। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर पहले भी फायरिंग की घटनाओं को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक, इससे पहले भी एक मामले में वह हथियार के साथ पकड़ा जा चुका है और जेल जा चुका है।

शनिवार को देशभर में ईद-उल-फितर का त्यौहार उत्साह के साथ मनाया गया। आर्थिक राजधानी मुंबई के प्रसिद्ध YMC ग्राउंड में हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सुबह की नमाज अदा की और एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। सुरक्षा में तैनात मुंबई पुलिस के एक जवान को बच्चे ने ईद मुबारक कहा।

वडाला में शराबी पति ने पत्नी को पीट-पीट कर मार डाला

मुंबई। वडाला इलाके में हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां शराब पीने को लेकर हुए विवाद के बाद एक 29 साल की महिला की उसके पति ने कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। मरने वाले की पहचान कविता महेश वाड के रूप में हुई है। मुंबई पुलिस ने बताया कि आरोपी पति महेश नारायण वाड घटना के बाद मौके से फरार हो गया था, लेकिन बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर अपनी पत्नी पर लात-घूंसे बरसाकर बेरहमी से हमला किया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। कविता को बाद में केईएम अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि समय पर चिकित्सा सहायता न मिलने के कारण उसकी हालत और बिगड़ गई होगी। पोस्टमॉर्टम जांच से पता चला कि कविता पर गंभीर शारीरिक हमला हुआ था। उसके शरीर पर कई काले-नीले निशान थे, जो लगातार हिंसा का संकेत देते हैं।

कैसे हुआ झगड़ा?

घटना वाले दिन महेश कथित तौर पर नशे की हालत में घर लौटा, जिसके कारण एक और झगड़ा हुआ। गुस्से में आकर उसने कविता पर हमला किया और उसके चेहरे पर मोबाइल फोन फेंक दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। कविता की हालत गंभीर होने के बावजूद, उसने उसे तुरंत अस्पताल नहीं पहुंचाया, जिसके कारण उसकी हालत और बिगड़ गई। बाद में कविता घर पर बेहोश हो गई और आखिरकार उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला सामने आया। इसके बाद लड़की के भाई ने महेश पर हत्या का आरोप लगाते हुए औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाशी अभियान शुरू किया। घटना के बाद आरोपी छिप गया था, जिसकी तलाश में दो टीमें गठित की गईं। अंतत: उसे एक रिश्तेदार के घर से बरामद कर गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की आगे की जांच जारी है।

अंडे पर 'एक्सपायरी डेट' डालने की मांग

मुंबई। उत्तर प्रदेश की तर्ज पर महाराष्ट्र में भी अंडों पर 'एक्सपायरी डेट' अनिवार्य करने की मांग जोर पकड़ रही है। गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष नरेश दहिबावकर ने इस संबंध में राज्य सरकार से मांग की है,जिसके बाद इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक अप्रैल से प्रत्येक अंडे पर उत्पादन तिथि (लेइंग डेट) और एक्सपायरी डेट छापना अनिवार्य कर दिया है। नए नियम के तहत अंडा कब दिया गया और कब तक उपयोग के योग्य है,यह जानकारी उसके छिलके पर स्पष्ट रूप से लिखना जरूरी होगा। नियमों का पालन नहीं करने पर अंडों को नष्ट किया जा सकता है या "मानव उपयोग के लिए अनुपयुक्त" घोषित किया जा सकता है। इसी तर्ज पर महाराष्ट्र में भी ऐसा नियम लागू करने की मांग उठ रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि बाजार में खरीदे गए अंडे कई बार एक-दो दिन में ही खराब हो जाते हैं और यह पता नहीं चल पाता कि अंडे कितने पुराने हैं। कई मामलों में लोगों को खराब अंडे मिलने के कारण उन्हें फेंकना पड़ता है।इस पर नरेश दहिबावकर ने कहा कि अंडों की बिक्री में पारदर्शिता जरूरी है और खराब अंडों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए। प्रोटीन युक्त आहार के रूप में अंडों की मांग लगातार बढ़ रही है। बुजुर्ग, खिलाड़ी, जिम करने वाले लोग और मरीज अपने आहार में अंडों को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे में लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन को मिलावट और खराब गुणवत्ता वाले अंडों पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

राज्य महिला आयोग पर नए अध्यक्ष के नामों की चर्चा तेज

मुंबई। अशोक खरात उर्फ़ भोंदूबाबा मामले में रुपाली चाकणकर ने राज्य महिला आयोग अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। चाकणकर के इस्तीफे के बाद अब इस पद पर नई नियुक्ति को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की तरफ से दो नामों की चर्चा है,इसमें पुणे से आने वाली वैशाली नागवडे और उत्तर महाराष्ट्र की राकांपा नेता प्रतिभा शिंदे के नाम की चर्चा है इन दोनों में से किसी एक को महिला आयोग की जवाबदारी मिल सकती है। मिली जानकारी के अनुसार राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पद पर दोबारा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का ही कब्जा रहने वाला है। इससे यह संकेत मिलता है कि सत्ता संतुलन बनाए रखने की कोशिश की जा रही है। इस बीच,इस पद के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से दो महिला नेताओं के नाम चर्चा में सामने आए हैं। पार्टी स्तर पर इन नामों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है और जल्द ही इस संबंध में आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है।

रुपाली की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं

मुंबई। कथित ज्योतिष अशोक खरात मामले में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद भी रुपाली चाकणकर की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रहीं। अब उन पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के महिला प्रदेशाध्यक्ष पद छोड़ने का सियासी दबाव और बढ़ गया है। वहीं राकांपा नेता और पुणे की पूर्व नगरसेविका रूपाली ठोंबरे पाटिल ने उनकी गिरफ्तारी की मांग की है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की नेता सुषमा अंधारे ने मांग की है कि चाकणकर को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के महिला प्रदेशाध्यक्ष पद से भी तुरंत हटाया जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ऐसा नहीं किया गया,तो इससे महिला मतदाताओं में गलत संदेश जाएगा।

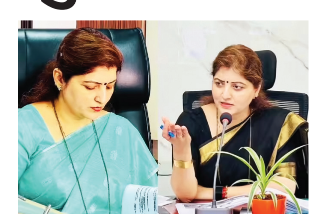

महिला प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की मांग

अंधारे ने आरोप लगाया कि चाकणकर को इस मामले की पहले से जानकारी थी और उन्होंने पीड़िता की आवाज दबाने की कोशिश की। साथ ही उन्होंने चाकणकर की नार्को टेस्ट और गिरफ्तारी की भी मांग की।

मागाठाणे में 38 प्रभावितों को मिला घर

मुंबई। पिछले कई सालों से अपने घर का इंतजार कर रहे मागाठाणे विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों का आखिरकार प्रतीक्षा समाप्त हो गई है। कुल 38 निवासियों को उनके अधिकार के घर मिल गए हैं। शिवसेना के विधायक प्रकाश सुर्वे, नगरसेवक राज सुर्वे के निरंतर प्रयासों से यह मुद्दा सुलझ सका. कांदिवली ठाकुर विलेज में 120 फुट सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित बड़ी संख्या में नागरिकों को पिछले कई सालों से घर नहीं मिल रहा है। यहां तक अनिश्चितता बनी हुई थी कि उन्हें घर मिलेगा या नहीं, और यदि मिलेगा तो कहां मिलेगा। संबंधित अधिकारियों द्वारा "माहूर के अलावा कोई विकल्प नहीं है" कहे जाने से निवासियों में भय और असमंजस का वातावरण बन गया था। सभी प्रभावितों ने विधायक प्रकाश सुर्वे से मुलाकात कर अपनी समस्या रखी।

पश्चिम रेलवे
मरम्मत कार्य
ए.ई.ई. (आर.एस.) बीएल, इलेक्ट्रिक लोको शेड, पश्चिम रेलवे, वलसाड 396001 (गुजरात), **ई-निविदा सूचना क्र.: ईएल/टीआरएस/बीएल/24-25 /डब्ल्यूओ/21आर1, दि. 14.03.2026** आमंत्रित करते हैं. **कार्य एवं स्थान:** कार्य- सैंड बॉक्स और इसके सहायक उपकरणों का संपूर्ण रखरखाव और मरम्मत तथा सैंड बॉक्स में रेत भरना और वीसीबी, बीवी बॉक्स, रूफ सीटिंग, दरवाजा, खिड़की आदि के गैसकेट को बदलना एवं 2 वर्ष की अवधि के लिए ईएलएस/बीएल में सभी प्रकार के लोको के रूफ चैनल की मरम्मत. **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 48,71,180.56. **ईएमडी:** ₹ 97,400/-. **जमा करने की तिथि एवं समय:** 10.04.2026 को 12:00 बजे तक. **खुलने की तिथि और समय:** 10.04.2026 को 12:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें. 1236
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

खरात आश्रम को पानी पर सियासी घमासान

ठाकरे सरकार ने आश्रम को दिया लाखों लीटर पानी

उद्धव ठाकरे बोले, "जांच हो, दोषियों को सजा मिले"

भाजपा का हमला,"भोंदूबाबा के लिए बिछाया गया रेड कार्पेट"

महानगर संवाददाता
मुंबई

खुद को कॉस्मोलॉजी विशेषज्ञ और मर्चेंट नेवी का कप्तान बताने वाले कथित ज्योतिष अशोक कुमार खरात को लेकर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। अब सामने आया है कि मुख्यमंत्री रहते हुए उद्धव ठाकरे ने खरात के आश्रम को दारणा बांध से करीब 37-39 लाख लीटर पानी देने का सरकारी आदेश जारी किया था। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पता लगाया जाए कि यह पानी कहां तक पहुंचा। अगर किसी ने दुरुपयोग किया है, तो उसे सख्त सजा मिलनी चाहिए। ठाकरे ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महाराष्ट्र में जादू टोना विरोधी कानून होने के बावजूद अगर जिम्मेदार लोग ही ढोंगी बाबाओं के प्रभाव में आ रहे हैं,तो उन पर और उनके समर्थकों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। दूसरी ओर भाजपा ने इस मुद्दे को लेकर ठाकरे पर तीखा हमला बोला है। पार्टी का कहना है कि महाविकास आघाड़ी सरकार के दौरान ऐसे भोंदू बाबाओं को संरक्षण दिया गया और उनके लिए "रेड कार्पेट" बिछाया गया। खरात की गिरफ्तारी के बाद सोशल मीडिया पर कई हाई-प्रोफाइल तस्वीरें वायरल हुईं, जिनमें राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर भी नजर आईं। विवाद बढ़ने के बाद उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नवनाथ बन ने कहा कि जब उद्धव ठाकरे सरकार ने भोंदू बाबा के लिए लाल कालीन बिछाया था, तब संजय राउत खामोश क्यों थे? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार के कार्यकाल में भोंदूगिरी और भोंदूबाबाओं को कोई स्थान नहीं है।

खरात के कृत्य सामने आते ही मुख्यमंत्री फडणवीस और उनकी सरकार ने तुरंत कठोर कार्रवाई करते हुए भोंदू बाबा को गिरफ्तार किया और रूपाली चाकणकर का इस्तीफा लिया। बन ने कहा कि सत्ता और वोट बैंक की राजनीति के लिए मुस्लिम तुष्टीकरण में लगे राउत और उबाठा गुट का हिंदुत्व दिखावटी है। जिन्होंने कुर्सी के लिए बालासाहेब ठाकरे के हिंदुत्व को छोड़ दिया, उन्हें हिंदुत्व पर दिखावटी प्रेम जताने का कोई अधिकार नहीं है।

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद मंडल

विभिन्न इंजीनियरिंग काम

ई-निविदा सूचना संख्या 30 वर्ष 2025-26 दिनांक : 20.03.2026

सं	ई-निविदा संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	EMD राशि
1	DRM-ADI-217-2025-26	आंबली रोड स्टेशन - सहायक मंडल अभियंता - विरमगाम के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत प्लेटफॉर्म की ऊँचाई बढ़ाना, यात्री सुविधाएँ उपलब्ध कराना और अन्य संबंधित कार्य।	14,14,17,225.03	8,57,100.00
2	DRM-ADI-218-2025-26	गांधीधाम – न्यू भुज सेक्शन में वरिष्ठ मंडल अभियंता (NW)-अहमदाबाद के अधिकार क्षेत्र में लेवल क्रॉसिंग संख्या 21 कि.मी. 40/9-41/0, 23 कि.मी. 43/3-4, 24 कि.मी. 44/1-2 एवं 26 कि.मी. 45/4-5 को रोड अंडर ब्रिज उपलब्ध कराकर समाप्त करने का कार्य।	43,56,40,137.51	23,28,200.00
3	DRM-ADI-219-2025-26	अहमदाबाद मंडल:- सोनासन, तलोद, राखियाल, आंबलियासन और डाभोडा में कर्मचारियों के लिए पानी की व्यवस्था (OH टैंक, बोरवेल और संप) उपलब्ध कराना (पुनः आमंत्रित)।	1,51,97,859.09	2,26,000.00

ई-निविदा बंद होने की तिथि: दिनांक 15/04/2026 समय 15:00 बजे **कार्यालय का पता:** वरि. मंडल इंजीनियर (सम.)-अहमदाबाद, डी. आर.एम. ऑफिस, चामुंडा ब्रिज के पास, नई स्वदेशी मिल के सामने, नरोडा रोड, अमदुपुरा, अहमदाबाद- 382345 **ई-निविदा में भाग लेने हेतु वेबसाइट:** www.ireps.gov.in

ADI 312

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - भावनगर मंडल

विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य

निविदा सं: 293-2025-26 से 299-2025-26

सं	ई-निविदा सं.	कार्य का नाम	निविदा मूल्य(रु.)	EMD रु.
1	293-2025-26	भावनगर टिम्बर डिपो गुड्स शेड में गुड्स शेड से संबंधित सुविधाओं का प्रावधान।	8,27,00,903.90	5,63,500.00
2	294-2025-26	भावनगर मंडल: ADEN (वर्क्स) भावनगर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत क्वार्टरों तथा प्रमुख और लघु रेलवे कॉलोनियों में सुधार और नवीनीकरण।	4,50,00,197.02	3,75,000.00
3	295-2025-26	धोला जंक्शन का सिविल कार्य :- भावनगर टर्मिनस खंड - भावनगर परा और भावनगर टर्मिनस स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग के लिए साइडिंग सुविधाओं का निर्माण।	3,55,71,060.23	3,27,900.00
4	296-2025-26	धोला उप-मंडल में 30 टाइप-II क्वार्टरों का निर्माण।	6,75,22,274.85	4,87,600.00
5	297-2025-26	लिंबडी - स्टेशन का उन्नयन।	1,57,87,992.02	2,28,900.00
6	298-2025-26	सिहोर जंक्शन - दिव्यांगजनों को 24 कोच वाली ट्रेनों में चढ़ने की सुविधा प्रदान करने हेतु प्लेटफॉर्म संख्या 1 का विस्तार।	1,28,22,567.15	2,14,100.00
7	299-2025-26	बोटाद जंक्शन :- ट्रैक मशीन कर्मचारियों के लिए 17 यूनिट नए टाइप-II क्वार्टरों का प्रावधान।	4,43,12,156.31	3,71,600.00

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए: बोली प्रारंभ तिथि: 30/03/2026 **बोली समाप्ति तिथि:** 13/04/2026 एनआईटी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गई है।

BVP 311

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-ई-2026-57 | **अनुमानित लागत रु : 4974340.00**

कार्य का नाम : झाँसी डिवीज़न : सप्लाई ऑफ़ पोटेबल ड्रिंकिंग वाटर इन दी सेक्शन ऑफ़ एडीईएन/महोबा एंड एडीईएन/बाँदा अंडर दी जूरिडिक्शन ऑफ़ सीनियर डीईएन/ईस्ट फॉर 18

अमानत राशि : 99500.00 | **निविदा बन्द होने की तिथि : 14.04.2026 at 15:00 hrs.**

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह

• निविदा दिनांक **14.04.2026 को 15:00** बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देख। **632/26 (C)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबंधक /कार्य/ झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई- टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई- निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-एन- 2026-41

कार्य का नाम : झाँसी डिवीज़नः प्रोवीजन फॉर गैंग्स टूल्स कम रेस्ट रूम विथ रिक्यूयर्ड एमेनिटीज इन वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-सिथौली सेक्शन अंडर एडीईएन/लाइन/झाँसी ।

अनुमानित लागत रू.: 15504697.50 | अमानत राशि : 310100.00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 10 माह

निविदा बन्द होने की तिथि : 15/04/2026 at 15:00 hrs., • निविदा दिनांक 15/04/2026 को 15:00 बजे तक आन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। **633/26 (D)**

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-एन-2026-42 | **अनुमानित लागत रु : 62676840.99**

कार्य का नाम : पार्ट-ए :- झाँसी डिवीज़न : इम्प्रूवमेंट ऑफ़ स्टाफ क्वार्टर एंड अदर एमेनिटीज एट स्टाफ क्वार्टर एट स्टेशन रेलवे कालोनी इन सिथोली-धौलपुर एंड बिरला नगर-उड़ीमोर सेक्शन अंडर एडीईएन/ग्वालियर। **पार्ट-बी :- झाँसी डिवीज़न :** इम्प्रूवमेंट ऑफ़ सर्विस बिल्डिंगस, रोड्स एंड प्रोटेक्शन वर्क्स फॉर सेफ्टी ऑफ़ ट्रैकस इन बिरला नगर- उड़ीमोर सेक्शन अंडर एडीईएन/ग्वालियर।

अमानत राशि : 1253500.00 | **निविदा बन्द होने की तिथि : 15.04.2026 at 15:00 hrs.**

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह

ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-एन-2026-52 | **अनुमानित लागत रु : 25253370.81**

कार्य का नाम : झाँसी डिवीज़न : प्रोवीजन फॉर गैंग्स टूल्स कम रेस्ट रूम विथ रिक्वायर्ड एमेनिटीज इन सिथोली-धौलपुर एंड बिरला नगर-उड़ीमोर सेक्शन अंडर एडीईएन/ग्वालियर।

अमानत राशि : 505100.00 | **निविदा बन्द होने की तिथि : 15.04.2026 at 15:00 hrs.**

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह

• निविदा दिनांक **15.04.2026 को 15:00** बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देख। **624/26 (C)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 11920252026 **दिनांक : 18.03.2026**

ई–निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एव उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाए निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 16.04.2026 को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं : 1 | **निविदा नं.:** 263 | **अनुमानित मूल्य (₹) :** ₹ 32,99,271.15

कार्यों का विवरण: वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर प्रथम/उत्तर मध्य रेलवे /प्रयागराज के अधीन चुनार-चोपन खण्ड मे लेवल क्रासिंग के बदले 2 लेन आर ओ बी के डी पी आर तैयार करने का कार्य। (7 संख्या)।

बयाने की रकम (₹) : ₹ 66,000/- | **कार्य समापन की अवधि:** 04 माह

सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: नील

क्र.सं : 2 | **निविदा नं.:** 264 | **अनुमानित मूल्य (₹) :** ₹ 2,72,10,166.16

कार्यों का विवरण: वरिष्ठ मण्डल इन्जीनियर/प्रथम/प्रयागराज के अधीन सेक्शन में ठेकेदार के पी क्यु आर एस द्वारा थ्रू स्लीपर रिनीवल (प्राइमरी) का कार्य।

बयाने की रकम (₹) : ₹ 5,44,200/- | **कार्य समापन की अवधि:** 06 माह

सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: "कोई रेल पथ कार्य" **नोट:** निविदा में विशेष शर्त : टेन्डरर/बीडर को ट्रैफिक ब्लॉक के दौरान रनिंग ट्रैक में काम करने के लिए न्यूनतम 02 न0 पी. क्यु. आर. एस./ एस. कयु. आर.एस. / टी. एल. ई. मशीनो और पी. कयु. आर. एस. डीपो मे काम करने के लिए 02 न0 गैन्ट्री मशीनो के स्वामित्व का शपत पत्र प्रस्तुत करना होगा।

निविदा खुलने की तिथि : 16.04.2026

नोट: 1. आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। **2.** उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट **www.ireps.gov.in.** पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निधारित तिथि तक उपलब्ध है। **629/26(DG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

अमेरिका का लक्ष्य ईरान को परमाणु हथियारों से रोकना

ईरान -इजराइल व अमेरिका युद्ध अब ऐसे खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है जिससे पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था के दहल उठने की संभावना बलवती हो गई है। बेशक यह युद्ध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की एकतरफा मनमानी की वजह से ईरान पर थोपा हुआ माना जा रहा है जिसकी वजह से दुनिया के वे सभी देश भारी संकट में फंसते नजर आ रहे हैं जो विश्व व्यवस्था के तरतीबवार विकास क्रम में विश्वास रखते हैं और मानते हैं कि युद्ध से किसी समस्या का अन्तिम हल नहीं निकल सकता है। अन्तिम हल अन्ततः बातचीत ही है। पश्चिम एशिया में चल रहे इस भंयकर युद्ध से अब दुनिया पर ऊर्जा संकट के बादल मंडराने लगे हैं और भारत जैसे देश पर भी इसका असर साफ पड़ता नजर आ रहा है। इस बारे में भारत में अभी तक एकमत नहीं बन सका है कि ईरान-इजराइल युद्ध में भारत का पक्ष क्या होना चाहिए था क्योंकि देश की अधिकतम विपक्षी पार्टियां कह रही हैं कि सत्तारूढ़ भाजपा की सरकार ने पारंपरिक रूप से ईरान के पक्ष में न दिखने का रुख अख्तियार करके कूटनीतिक रूप से गलती कर दी है परन्तु दूसरी ओर सरकार का स्पष्ट कहना है कि भारत इस युद्ध में किसी भी पक्ष का समर्थन नहीं कर रहा है बल्कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के पक्ष में खड़ा हुआ है। युद्ध विगत 28 फरवरी को शुरू हुआ जिसके प्रारम्भिक चरण में अमेरिका व इजराइल ने भारी तबाही मचाते हुए ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की हवाई हमलों से हत्या तक कर दी और उनके साथ ईरानी सेना के 48 उच्च कमांडरों को भी मार डाला। अमेरिका ने यह कार्रवाई इसलिए की, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा था कि युद्ध के मुख्य उद्देश्यों में से एक ईरान में सत्ता परिवर्तन भी है। युद्ध का दूसरा अमेरिकी लक्ष्य ईरान को परमाणु हथियारों से रोकना था। इजराइल मानता था कि ईरान अपनी परमाणु प्रयोगशालाओं में यूरेनियम संवर्धन उस हद तक कर रहा है जिससे यह परमाणु बम बनाने में सक्षम हो सकता है। परन्तु इजराइल व अमेरिका का यह शक उसी प्रकार का निकला जिस तरह 2003 में इराक के बारे में यह कहा गया था कि उस देश के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने व्यापक जनसंहार के हथियारों का जखीरा खड़ा कर लिया है। पूरी दुनिया आज इराक का हाल देख रही है और सोच रही है कि आखिर क्या सोच कर अमेरिका ने इराक में अपनी फौजें भेजी थीं? इसी प्रकार अमेरिका ने भारतीय उपमहाद्वीप के राष्ट्र अफगानिस्तान में अपनी फौजें भेजी थी मगर वहां 20 वर्ष रहने के बाद इसने उन्हीं कथित 'असभ्य' कहे जाने वाले तालिबानों के हाथ में सत्ता सौप दी जिन्हें उखाड़ने का इसने प्रण लिया था। इससे अन्दाजा लगाया जा सकता है कि अमेरिका का लक्ष्य कहीं न कहीं पूरी दुनिया में अपनी चौधराहट स्थापित करने का ही होता है। लेकिन आजादी के बाद भारत ने अमेरिका के साथ अपने सम्बन्धों को इस प्रकार साधा कि वह भारतीय उपमहाद्वीप में भारत की उदार लोकतान्त्रिक ताकत को पहचाने व इसके विकास में अपना पूर्ण योगदान दे मगर फर्क सिर्फ इतना था कि उस समय द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जिस संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना करके जो विश्व व्यवस्था सोवियत संघ को दूसरी विश्व शक्ति मानते हुए गठित हुई थी उसमें भारत जैसे विकासशील देशों ने गुट निरपेक्ष आन्दोलन की वजह से अपनी विशिष्ट जगह बना ली थी। परन्तु 1990 में सोवियत संघ के 14 संप्रभु देशों में बिखर जाने व आर्थिक वैश्वीकरण के शुरू होने पर इस तरह के राष्ट्र समूहों के लिए कोई स्थान नहीं रहा और इसके समानान्तर भारत के पड़ोसी देश चीन के विश्व आर्थिक शक्ति के रूप में उभरने से विकासशील देशों के सामने अपने आर्थिक विकास के लिए पूंजी मूलक व्यवस्था की शरण में जाना जरूरी बनता चला गया जिसका लाभ एक जमाने में कम्युनिस्ट रहे चीन जैसे देश ने भी जमकर उठाया। इसके दो परिणाम हुए। एक तो चीन ने आर्थिक साम्राज्यवादी रुख अख्तियार करना शुरू किया और एशिया से लेकर अफ्रीका तक के गरीब देशों को अपनी आर्थिक ताकत के चंगुल में फंसाया और दूसरे अमेरिका ने अपनी सामरिक व आर्थिक ताकत के बूते पर पूरी दुनिया के आय स्रोतों पर अपना कब्जा जमाना शुरू किया। इस रास्ते में जो भी देश उसे अवरोध लगा उसे ही छोटा करने का उसने प्रयास किया। इसी सन्दर्भ में हमें पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध को देखना होगा और फिर विचार करना होगा कि इन विषम परिस्थितियों में भारत की क्या भूमिका हो? दुनिया जानती है कि अमेरिका के पास घरेलू स्तर पर कच्चे तेल व गैस का अकूत भंडार है जिसका पूरा उपयोग वह फिलहाल नहीं कर रहा है और दुनिया के अन्य देशों में पाये जाने वाले तेल भंडारों का ही अधिकाधिक उपयोग करना चाहता है जिससे भविष्य में भी उसकी अर्थव्यवस्था दुनिया की नम्बर एक अर्थव्यवस्था बनी रहे। इस नजरिये से उसने आज पूरे अरब इलाके व पश्चिम एशियाई इलाके को समुद्र से लेकर आकाश व जमीन तक जंग का अखाड़ा बना दिया है। उसके ऊपर तुर्रा यह है कि राष्ट्रपति ट्रम्प 2024 से जब से अमेरिका के पुनः राष्ट्रपति बने हैं तब से उन पर अमेरिका को पुनः महान बनाने का बुखार चढ़ा हुआ है। डोनाल्ड ट्रम्प की बेढ़ंगी चाल को देखते हुए भारत को अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा बहुत सावधानी के साथ करनी थी जिसे प्रधानमन्त्री ने बखूबी किया और शुरू में पश्चिम एशिया युद्ध पर मौन रहते हुए सन्देश दिया कि भारत इस युद्ध के समर्थन में नहीं है और वह पश्चिम एशिया में आर्थिक सुरक्षा व स्थिरता चाहता है। कूटनीति में मौन भी एक अस्त्र के रूप में कभी– कभी इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि इसका समर्थन विपक्षी कांग्रेस पार्टी के भी कुछ मुखर विद्वान नेता कर रहे हैं। मोदी ने पांच देशों के नेताओं से फोन पर वार्ता करके इस युद्ध के प्रति चिन्ता जताई और शान्ति व वार्ता की अपील की। यदि खाड़ी के तेल उत्पादक देशों की उत्पादन इकाइयों पर ही हमले होने लगेंगे तो पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के खतरे में आने की संभावना प्रबल हो जायेगी। मोदी की इस चिन्ता में समूचे भारत को शामिल होना चाहिए और विपक्षी नेताओं को भी इस संकट की घड़ी में एक आवाज में बोलना चाहिए। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का 90 प्रतिशत तक आयात करता है अतः खतरा इस पर भी कम नहीं है। संसद का सत्र चालू है और इससे आवाज आनी चाहिए कि भारत के लोग संकट का सामना करने में उसी प्रकार एक हैं जिस प्रकार किसी बाहरी आक्रमण के समय होते हैं।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

बोलो जग के चौधरी, कहां गई तव ठाट,
एक अकेले ने किया, खड़ी तुम्हारी खाट।
खड़ी तुम्हारी खाट, गजब करते मनमानी
खोमैनी के बाद, अब चले लारीजानी
कह सुरेश कविराय द्वारपट हिय के खोलो
किसको-किसको हूर दिलाओगे तुम बोलो

होर्मुज़ : शक्ति और राजनीति का अखाड़ा

होर्मुज आधुनिक वैश्विक व्यवस्था का केन्द्रीय तन्त्रिकाबिन्दु है। होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति बाधित होने के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता पैदा हो गई है। क्योंकि होर्मुज केवल एक समुद्री मार्ग नहीं है बल्कि वैश्विक शक्ति सन्तुलन का प्रतीक भी है।

फारस की खाड़ी और अरब सागर के बीच स्थित स्ट्रेट आफ होर्मुजआज विश्व राजनीति का सबसे संवेदनशील समुद्री बिन्दु बन चुका है। भू-राजनीतिक, भू-आर्थिक और भू-सामरिक दृष्टि से यह जलडमरूमध्य आधुनिक वैश्विक व्यवस्था का केन्द्रीय तन्त्रिकाबिन्दु है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस इसी मार्ग से होकर एशिया, यूरोप और अमेरिका तक पहुँचती है। प्रतिदिन लगभग 20–21 मिलियन बैरल तेल इस मार्ग से गुजरता है, इसलिए इसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की "जीवनरेखा" कहा जाता है। ऐतिहासिक तौर पर होर्मुज का महत्त्व बहुत पुराना है। मुगल बदशाह बाबर की आत्मकथा 'बाबरनामा'में भी इसका उल्लेख मिलता है। बाबर ने लिखा है कि मध्य एशिया के फ़रगना क्षेत्र से बादाम और अन्य वस्तुएँ लम्बी दूरी तय करके होर्मुज के बन्दरगाह तक लाई जाती थीं और वहाँ से अन्तर्राराष्ट्रीय बाजारों में भेजी जाती थीं। इससे स्पष्ट होता है कि मध्यकाल में भी यह क्षेत्र मध्य एशिया, फारस और भारतीय उपमहाद्वीप के बीच व्यापारिक सम्पर्क का महत्त्वपूर्ण केन्द्र था। आधुनिक इतिहास में भी इसका महत्त्व लगातार बढ़ता गया। 16वीं शताब्दी में पुर्तगाल ने 1515 में इस क्षेत्र पर कब्ज़ा किया ताकि समुद्री व्यापार मार्गों पर नियन्त्रण स्थापित किया जा सके, बाद में 1622 में ईरान के सफवीद साम्राज्य और अंग्रेज़ों की संयुक्त सेना ने पुर्तगालियों को यहाँ से हटाया। इसके बाद होर्मुज द्वीप और उत्तरी त्यात पर ईरान का नियन्त्रण हो गया और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक अन्तर्राष्ट्रीय जलडमरूमध्य बन गया। यद्यपि यह एक अन्तर्राष्ट्रीय जलडमरूमध्य तथापि वर्तमान समय में ईरान अपनी भू-राजनीति, भू-सामरिकी और ऐतिहासिक कारणों से इस पर अपना दावा करता है और मध्य पूर्व में उत्पन्न संकट के बीच वह इसकी पुष्टि भी कर रहा है। मध्य पूर्व संकट को उत्पन्न हुए अब तीन सप्ताह से ज्यादा समय हो गया है इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी अस्थिरता उत्पन्न हुई है और तेल

की कीमतों में तेज़ उछाल आया है। फरवरी 2026 के अन्त तक ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग70 डॉलर प्रति बैरलथी, लेकिन होर्मुज़ जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति बाधित होने के कारण इसकी कीमत मार्च के मध्य तकलगभग102–104 डॉलर प्रति बैरलके बीच पहुँच गई है जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता पैदा हो गई है, कई देशों ने अपनी ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए वैकल्पिक स्रोतों तथा रणनीतिक तेल भंडार पर विचार करना शुरू कर दिया है। इस युद्ध का सबसे बड़ा प्रभाव समुद्री व्यापार पर पड़ा है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कई जहाजों को चेतावनी दी कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य से न गुजरें। इसके कारण जहाजों की आवाजाही लगभग ठप हो गई और कई अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों ने अपनी सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दीं। अंतरराष्ट्रीय समुद्री एजेंसियों के अनुसार हजारों नाविकों के साथ बड़ी संख्या में जहाज इस क्षेत्र में फंस गए हैं, और कई कंपनियों ने सुरक्षा कारणों से अपने जहाजों को रोक दिया या मार्ग बदल दिया। फिलहाल सैकड़ों जहाजों की आवाजाही बाधित हुई है, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। भारत के सन्दर्भ में यह संकट विशेष महत्त्व रखता है क्योंकि भारत अपने तेल आयात का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से प्राप्त करता है। इस क्षेत्र में प्रारंभिक चरण में 36–38 जहाजों और लगभग 1100 नाविकों के प्रभावित होने की आशंका जताई गई थी लेकिन अभी भी 22 भारतीय जहाज और 611 भारतीय नाविकइस क्षेत्र में फसे हैं, इससे स्पष्ट है कि स्थिति धीरे-धीरे नियंत्रित हो रही है, किन्तु पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। हालाँकि कूटनीतिक प्रयासों के परिणामस्वरूप कुछ भारतीय एलपीजी टैंकर सुरक्षित रूप से इस मार्ग को पार कर पाए, जिससे तत्काल ऊर्जा आपूर्ति में आंशिक राहत मिली है। यह संकट भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है, जिसके समाधान हेतु भारत कूटनीति, वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों और रणनीतिक भंडार जैसे उपायों पर समानांतर रूप से कार्य कर रहा है। चीन के सन्दर्भ में स्थिति कुछ अलग है। चीन ईरान का सबसे बड़ा तेल खरीदार है और कई रिपोर्टों के अनुसार युद्ध के बावजूद ईरान चीन को तेल की आपूर्ति जारी रखने का प्रयास कर रहा है। चीन अपनी "शैडो फ्लीट" यानी निजी और कम पहचान वाले टैंकरों के माध्यम से भी ईरानी तेल खरीदता रहा है। यही कारण है कि कई विश्लेषकों का मानना है कि ईरान चीन के जहाजों को पूरी तरह रोकने से बच रहा है क्योंकि चीन उसके लिए एक महत्त्वपूर्ण आर्थिक साझेदार है। रूस के सन्दर्भ में भी स्थिति जटिल है। रूस स्वयं ऊर्जा निर्यातक देश है और वह पश्चिमी प्रतिबन्धों के कारण चीन और एशियाई बाजारों की ओर अधिक झुकाव दिखा रहा है। ईरान और रूस दोनों पश्चिमी प्रतिबन्धों का सामना कर रहे हैं और दोनों के बीच ऊर्जा तथा सैन्य सहयोग बढ़ा है। इसलिए सम्भावना कम है कि ईरान रूस के तेल व्यापार को रोकने का प्रयास करेगा। ऐसा इस वजह से भी मुमकिन नहीं है। क्योंकि दोनों मुल्क सीधे तौर पर तो नहीं परन्तु तकनीकी रूप से उसकी मदद निःसन्देह कर रहे हैं। शायद यही कारण है ईरान अमेरिकी बेसों पर सटीक हमले कर पा रहा। इस पूरे संकट में एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह भी उठ रहा है कि अमेरिका इस समुद्री मार्ग की पूरी तरह रक्षा क्यों नहीं कर पा रहा है। यह जानना बेहद महत्त्वपूर्ण है, इसके पीछे कई कारण हैं। पहला कारण यह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य बहुत संकीर्ण है और यहाँ समुद्री माइन्स, मिसाइल और ड्रोन हमलों का खतरा बहुत अधिक है। दूसरा कारण यह है कि ईरान के पास तटीय रक्षा प्रणाली, तेज़ नौकाएं और मिसाइल प्रणालियां हैं जो अमेरिकी नौसेना के लिए लगातार चुनौती पैदा करती हैं। तीसरा कारण यह है कि युद्ध के फैलने का खतरा पूरे खाड़ी क्षेत्र को अस्थिर कर सकता है, इसलिए अमेरिका भी पूर्ण युद्ध से बचने की कोशिश कर रहा है। आर्थिक दृष्टि से इस युद्ध का प्रभाव बहुत व्यापक है। वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट आई है, तेल और गैस की कीमतों में तेजी आई है और कई देशों में महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। विश्लेषकों के अनुसार यदि यह संकट लम्बे समय तक जारी रहता है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था मन्दी की ओर भी जा सकती है। होर्मुज जलडमरूमध्य केवल एक समुद्री मार्ग नहीं है बल्कि यह वैश्विक शक्ति सन्तुलन का प्रतीक बन चुका है। मध्यकालीन व्यापारिक इतिहास से लेकर आधुनिक ऊर्जा राजनीति तक इसकी भूमिका लगातार बढ़ती रही है। आज जब ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच युद्ध इस क्षेत्र को अस्थिर बना रहा है।

■ डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

रोजगार के लिए वैश्विक स्तर तक पलायन

23 मार्च 1931 को भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को वैज्ञानिक समाजवादी दिशा देने के लिए संघर्षरत तीन महान क्रांतिकारियों—भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव—को अंग्रेजी सरकार ने लाहौर की केंद्रीय जेल में फांसी पर लटका दिया। आज लगभग एक सदी बीत जाने के बाद भी इन शहीदों को पूरी दुनिया में याद किया जाता है। इनमें भगत सिंह का नाम सबसे प्रमुख रूप से लिया जाता है। प्रश्न उठता है कि लगभग सौ वर्ष बाद भी भगत सिंह इतने लोकप्रिय क्यों हैं? उनका हमारे वर्तमान जीवन से क्या संबंध है? क्या उनके विचार आज की व्यक्तिगत और सामाजिक समस्याओं के समाधान में कोई मार्गदर्शन देते हैं? इन प्रश्नों का उत्तर खोजने के लिए हमें भगत सिंह के दर्शन को समझना होगा। जब हम दर्शन जैसे गंभीर विषय पर विचार करते हैं, तभी यह स्पष्ट होता है कि आज की कई समस्याओं के समाधान की दिशा भगत सिंह के विचारों में ही निहित है। मानव सभ्यता के प्रारंभ से ही मनुष्य ने समस्याओं का सामना करना और उनके समाधान खोजना सीखा है। प्रारंभिक काल में मनुष्य का जीवन सीमित था, लेकिन धीरे-धीरे उसने उपकरण बनाए, प्रकृति को समझा और अपने जीवन को अधिक व्यवस्थित और सरल बनाया। आज मानव जीवन वैश्विक हो चुका है। दुनिया के एक हिस्से की घटना दूसरे हिस्से को प्रभावित करती है, क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्था वैश्विक रूप से जुड़ी हुई है। आज उत्पादन, वितरण, विनिमय और उपभोग की लगभग सभी आर्थिक गतिविधियाँ विश्व स्तर पर आपस में जुड़ी हुई हैं। अमेरिका में बने ट्रैक्टर, जापान की तकनीक, चीन और कोरिया के संचार साधन, रूस व अरब देशों का तेल और विभिन्न देशों की सांस्कृतिक-आर्थिक गतिविधियाँ—सब मिलकर आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था का निर्माण करती हैं और हमारे जीवन को प्रभावित करती हैं। इसलिए इन गतिविधियों के प्रभाव भी वैश्विक होते हैं। जब समस्याएँ पैदा होती हैं तो उनका समाधान खोजना भी मानव सभ्यता की विशेषता है। प्रारंभिक काल में मनुष्य प्राकृतिक शक्तियों को ही अपने सुख-दुख का कारण मानता था और उनकी पूजा करता था लेकिन जैसे-जैसे समाज और अर्थव्यवस्था विकसित हुई, समाज में वर्गों का निर्माण हुआ। कुछ वर्ग आर्थिक संसाधनों पर अधिकार रखने लगे और कुछ वर्ग उनसे वंचित रह गए। तब दार्शनिकों ने सामाजिक समस्याओं के कारणों को इन वर्गीय संबंधों में खोजने का प्रयास किया। यहीं से दर्शन की दो प्रमुख धाराएँ सामने आती हैं। पहली धारा विचारवाद (Idealism) की है, जो मानती है कि इस संसार की रचना किसी विचार या परम शक्ति ने की है और वही मनुष्य के सुख-दुख का कारण है। दूसरी धारा पदार्थवाद (Materialism) की है जो कहती है कि संसार अनंत और गतिशील भौतिक प्रक्रियाओं का परिणाम है। सामाजिक समस्याओं का कारण भी भौतिक परिस्थितियों में ही निहित है और इन परिस्थितियों को राजनीतिक रूप से बदलकर ही जीवन को बेहतर बनाया जा सकता है। आधुनिक वैज्ञानिक दर्शन, 'भौतिकवाद-द्वंद्वात्मक' है, जिसके अनुसार परिस्थितियाँ ही विचारों को जन्म देती हैं और फिर वही विचार मनुष्य के माध्यम से परिस्थितियों को बदलने का काम करते हैं, अर्थात मनुष्य सामाजिक-राजनीतिक संघर्ष के माध्यम से व्यवस्था को बदल सकता है। भगत सिंह इसी 'भौतिकवादी-द्वंद्वात्मक' दर्शन से प्रभावित थे। उन्होंने विश्व इतिहास, विशेषकर आयरिश क्रांतिकारी और रूसी क्रांति का अध्ययन किया। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में चाफेकर बंधुओं, काकोरी कांड और कूका आंदोलन जैसे संघर्षों का भी विश्लेषण किया। उस समय रूस में समाजवादी क्रांति हो चुकी थी और उसके परिणाम पूरी दुनिया के सामने थे। अपने अध्ययन के आधार पर भगत सिंह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि भारत की सामाजिक समस्याएँ—जैसे जातीय उत्पीड़न, गरीबी और बेरोजगारी—तथा विश्व स्तर पर उत्पन्न आर्थिक संकटों का मूल कारण पूंजीवादी व्यवस्था है।(उस समय तीसा की वैश्विक मंदी छाई हुई थी)। पूंजीवादी व्यवस्था में उत्पादन के साधन—जैसे कृषि, कारखाने और उद्योग—कुछ पूंजीपतियों के हाथों में केंद्रित होते हैं, जबकि साधन विहीन विशाल मेहनतकश वर्ग केवल अपनी श्रम शक्ति का ही मालिक होता है। केवल अपनी श्रम शक्ति को बेचकर ही जिंदा रह सकता है। उत्पादन के साधनों का मालिक बुर्जुआ वर्ग उसकी मेहनत का शोषण करके ही फल फूल सकता है। द्वंद्व के रूप में यही प्रोलिटेरिएट वर्ग नई समाजवादी समाज का निर्माता भी होता है। क्योंकि पूंजीपति वर्ग का मुनाफा मजदूरों के श्रम के शोषण पर आधारित होता है। अधिक मुनाफा कमाने के लिए पूंजीपति नई तकनीकों का उपयोग करते हैं, लेकिन उसका लाभ समाज के बजाय केवल अपने हितों के लिए उठाते हैं। पूंजी भी अपना विकास करते हुए रूप तथा चरित्र बदलती है। पूंजी का आरंभिक रूप व्यापारिक पूंजी था फिर औद्योगिक पूंजी तथा पिछली सदी के आरंभ में इसने वित्तीय पूंजी का रूप धारण कर लिया जिसको लेनिन ने 'पूंजी का प्रवाह' तथा 'पूंजीवाद की चरम अवस्था- साम्राज्यवाद' नामक रचना में स्पष्ट लिखा। वर्तमान दौर में भी वित्तीय पूंजी ही दुनिया पर शासन कर रही है। वित्तीय पूंजी तभी जिंदा रह सकती है जब उसको कर्ज लेने वाले ग्राहक मिलें। ग्राहक पैदा करने के लिए राजनीतिक कानूनों के माध्यम से शिक्षा, चिकित्सा , मूलभूत आवश्यकताओं को महंगा कर लोगों को कर्ज लेने के लिए मजबूर किया जाता है जिसका परिणाम आज हम देख रहे हैं कि समाज का अधिकांश भाग कर्ज से पीड़ित है।

■ सरदूल सिंह

मोबाइल : जरूरत या जिंदगी

संचार के इस युग में सभी तीव्र गति से काम चाहते हैं । पलक झपकते ही सूचनाओं का अंबार खड़ा हो जाना, इस युग की बहुत बड़ी देन भी कहीं जा सकती है। मुख से बोलते ही जानकारी का खजाना हमारे सामने है। क्या ठीक है और क्या गलत है, इसका निर्णय अब हमें स्वयं लेना होता है। साधन साधक के रूप में कार्य करने लगे हैं, ऐसा भी कई बार लगता है। इंटरनेट ने इस पूरे सूचना तंत्र को पंख लगा दिए हैं। पहले कंप्यूटर, फिर लेपटॉप और अब मोबाइल इसका सबसे सुचारू साधन बनकर उभरा है। मोबाइल केवल बातचीत करने का माध्यम ही नहीं रहा बल्कि इंटरनेट के चलते इसने कितनी ही साधन-सुविधाओं को अपने अंदर समाहित कर लिया है, कितने ही साधनों को यह निगल गया है और इसने कितने ही लोगों से दूरियां भी बना दी है। 'मोबाइल एक सुविधा अनेक' का यह मंत्र और साधन सभी की जेब में अपना स्थान बनाए हुए हैं। बातचीत के सफ़र से लेकर आज हर एक सुविधा इस यंत्र में धीरे-धीरे जुड़ती चली गई है। कभी पूरे गांव में एक टेलीविजन होता था. फिर घर-घर में टेलीविजन आया. अब टेलीविजन की उपयोगिता कितनी रह गई है, आप स्वयं से ही जान सकते हैं। मोबाइल के छोटे से स्क्रीन पर लोग घंटों-घंटों फिल्म, वीडियो, रील आदि देखते रहते हैं। हाथ पर बांधने वाली घड़ी को मोबाइल ने अपने अंदर समेट लिया, कैलेंडर और महत्वपूर्ण तारीखों को इसने अपने अंदर ले लिया। डायरी लेखन का काम भी इसमें अपने अंदर समाहित कर लिया। बढ़ती अर्थव्यवस्था में अब बैंक, एटीएम मशीन, शेयर बाजार का उतार चढ़ाव आदि की जगह मोबाइल ने ही ले ली है। मोबाइल में ही पैसे के लेनदेन का बहुत ही सरल तरीका हो गया है। अब व्यक्ति समाज में बैठे या ना बैठे लेकिन सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से देश-दुनिया में हो रहे व्यक्ति की हर पल की जानकारी यहां चल रही है, स्वयं भी वहीं खड़ा हुआ व्यक्ति अपनी जानकारी साझा कर रहा है। शादी के रिश्ते अब इंटरनेट अर्थात वेबसाइट के माध्यम से हो रहे हैं। लोगों का आमने-सामने का संवाद खत्म ही हो रहा है। देश की राजनीति सोशल मीडिया का आधार बनती जा रही है। हर तरफ इसी का बोलबाला है। बच्चे मैदान में काम मोबाइल गेम्स में अधिक व्यस्त दिखाई देते हैं। पढ़ने का सारा मसाला इस छोटे से यंत्र में कहीं ना कहीं से मिल ही जाता है। अच्छा देखना है या बुरा देखना है सभी इसकी परिधि में आ जाते हैं। सरकार बहुत सी साइट और कार्यों पर रोक लगा चुकी है फिर भी कोई ना कोई रास्ता निकल ही रहा है। ऑनलाइन ठगी और डिजिटल अरेस्ट ने तो नाक में दम कर रखा है। लोग एक लाइक के चक्कर में अपनी जान पर खेल जाते हैं। कितनी ही बार जान भी चली जाती है। लोग रील या अन्य वीडियो बनाने के चक्कर में अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। सोशल मीडिया ने लोगों को भ्रमित कर दिया है, बाह्य दुनिया से दूर अब हम इस मोबाइल के अंदर की दुनिया में ही डूबे रहना चाहते हैं। छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल की लत लगा चुके हैं। हर जगह व्यक्ति को मोबाइल के साथ जोड़ दिया गया है। सरकारें ऑन लाईन शिक्षा अर्थात विद्यालय-विश्वविद्यालय चलाने की बात कर रही हैं। ऑन लाईन कोविड के समय मजबूरी में चलाई गई शिक्षा थी, लेकिन इसे सफल साधन-सुविधा मानकर चलाया जा रहा है। इसके दुष्परिणाम भी सामने हैं कि बच्चों की आँखें, मस्तिष्क, शारीरिक बनावट सभी कुछ खराब हो रहे हैं।

■ डॉ. नीरज भारद्वाज

आज का कार्टून

साभार

आदिवासी समाज को अपनी जड़ों की ओर लौटने का संदेश

भारत की जनजातीय पहचान केवल सामाजिक ढांचे का हिस्सा नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक परंपरा है, जो प्रकृति, सामुदायिक जीवन और आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित है। इस बात पर एक बार फिर, भारत के माननीय सार्वोच्च न्यायालय ने मोहर लगा दी है। हाल ही में दिग्भल टंडी बनाम छत्तीसगढ राज्य के एक मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि ग्राम सभा का निर्णय सबसे उपर है और उसके साथ कोई छेड़-छाड़ नहीं किया जा सकता है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय ने न केवल एक बहस छेड़ दी है, अपितु आने वाले समय के लिए दिशा निर्देश भी जारी कर दिया है। यह फैसला केवल कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि जनजातीय समाज के दशकों पुराने सांस्कृतिक संघर्षों की मान्यता को भी संपुष्ट करता है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने ग्राम सभाओं द्वारा ईसाई मिशनरियों के प्रवेश पर लगाए गए प्रतिबंधों को उचित ठहराते हुए यह स्पष्ट किया कि यह कदम दमनकारी नहीं बल्कि एक "निवारक उपाय" है-जिसका उद्देश्य जनजातीय संस्कृति और सामाजिक अखंडता की रक्षा करना है। यह निर्णय पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 (PESA) की भावना के अनुरूप है जो ग्राम सभाओं को अपनी परंपराओं और संसाधनों की रक्षा का अधिकार देता है। यह पहली बार नहीं है जब न्यायपालिका ने धर्मांतरण के प्रश्न पर सीमाएँ निर्धारित की है। वर्ष 1977 के ऐतिहासिक मामले रेव. स्टेनिस्लॉस बनाम मध्य प्रदेश राज्य में भी सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि "धर्म प्रचार" का अधिकार "धर्मांतरण" का मौलिक अधिकार नहीं माना जा सकता है। वर्तमान निर्णय इसी संवैधानिक व्याख्या को आगे बढ़ाता है, विशेषकर तब जब धर्मांतरण के पीछे प्रलोभन, धोखे या सेवाओं के दुरुपयोग की आशंका हो। इस संदर्भ में इतिहास की भी थोड़ी जानकारी जरूरी है। भगवान बिरसा मुंडा ने औपनिवेशिक काल में न केवल राजनीतिक शोषण के विरुद्ध संघर्ष किया बल्कि उन धार्मिक प्रभावों का भी विरोध किया जो आदिवासी संस्कृति को कमजोर कर रहे थे। उनका 'उलगुलान' केवल विद्रोह नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आह्वान था। इसी तरह जतरा टाना भगत ने सामाजिक सुधार और धार्मिक शुद्धता के माध्यम से आदिवासी समाज को अपनी जड़ों की ओर लौटने का संदेश दिया। स्वतंत्र भारत में बाबा कार्तिक उरांव ने संसद के भीतर और बाहर यह चेतावनी दी कि धर्मांतरण आदिवासियों को उनकी मूल पहचान से काट देता है। उनके अनुसार, यह केवल आस्था का परिवर्तन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विघटन की प्रक्रिया है। आधुनिक चिंतन में डॉ. रामदयाल मुंडा ने इस विमर्श को बौद्धिक आधार प्रदान किया। उन्होंने आदिवासी जीवन-दर्शन को प्रकृति के साथ संतुलन, सामूहिकता और सांस्कृतिक आत्मनिर्भरता पर आधारित बताया और बाहरी हस्तक्षेपों के प्रति सजग रहने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. मुंडा बराबर कहते थे, ''जे नाची से बांची''- इसका अर्थ यह है कि जो अपनी संस्कृति में रमा रहेगा वही बचेगा। हालांकि, यह विषय केवल एक पक्षीय नहीं है। एक ओर जहां आदिवासी अस्मिता की रक्षा आवश्यक है, वहीं दूसरी ओर व्यक्तिगत धार्मिक स्वतंत्रता भी संविधान का मूल तत्व है। यही कारण है कि यह निर्णय एक संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है जहाँ व्यक्ति के अधिकार और समुदाय के अधिकार, दोनों को ध्यान में रखा गया है। फिर भी, यह आवश्यक है कि इस प्रकार के प्रतिबंधों का उपयोग मनमाने ढंग से न हो। ग्राम सभाओं की शक्तियाँ जवाबदेही और पारदर्शिता के साथ संचालित हों ताकि वे संरक्षण के नाम पर दमन का माध्यम न बनें। साथ ही, राज्य की यह जिम्मेदारी भी बनती है कि शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के क्षेत्र में ऐसी नीतियां बनाए जो आदिवासी समाज को सशक्त करें न कि उन्हें बाहरी निर्भरता की ओर धकेलें। अंततः, यह स्पष्ट है कि जनजातीय विरासत का संरक्षण केवल एक सांस्कृतिक मुद्दा नहीं, बल्कि भारत की बहुलतावादी पहचान की रक्षा का प्रश्न है। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है-जो यह संदेश देता है कि विकास और आधुनिकता के साथ-साथ सांस्कृतिक जड़ों की रक्षा भी उतनी ही अनिवार्य है।

■ गौतम चौधरी

दादाजी भुसे ने 'बेमौसम बारिश' से हुए नुकसान का लिया जायजा

फसल सर्वेक्षण तुरंत करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश

नाशिक। शिक्षा मंत्री दादाजी भूसे ने आज मालेगांव तालुका के संवादगांव क्षेत्र में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया। शिक्षा मंत्री भूसे ने प्रशासन को नुकसान का सर्वेक्षण करने के बाद तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। संवादगांव क्षेत्र में पिछले दो दिनों से बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा है। इसी को ध्यान में रखते हुए, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री भूसे ने आज सुबह संवादगांव का दौरा किया और निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों से बातचीत भी की और उन्हें आश्वस्त किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर देवदत्त केकान भी उपस्थित थे। उन्होंने राजस्व, कृषि और ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक भी की। मंत्री श्री भूसे ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा है। पंचनामा कराने के बाद तुरंत रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए। प्रभावित किसानों को सहायता प्रदान करने के लिए आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी प्रभावित किसान सहायता से वंचित न रहे। इसी बीच, अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्री केकान ने गलाने, सतमाने और तालुका मालेगांव क्षेत्र का दौरा किया और किसानों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि पंचनामा का काम प्रशासन के माध्यम से तुरंत पूरा किया जाएगा।

प्याज की फसल सबसे ज्यादा प्रभावित

जिला कृषि अधिकारी रविंद्र माने ने बताया कि कृषि विभाग ने जिले में लगातार दो दिनों तक हुई ओलावृष्टि से हुए नुकसान के संबंध में पांच तालुकों से वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल रिपोर्ट भेजी है, जिसमें प्याज की फसल सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। नासिक जिले में पिछले सप्ताह बुधवार और गुरुवार को दो दिनों तक बेमौसम बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। इस बारिश के कारण जिले में कुल 7,054 हेक्टेयर भूमि क्षतिग्रस्त हो गई, जिसमें मालेगांव में 3,311 हेक्टेयर, सतना में 1,673 हेक्टेयर, नंदगांव में 897 हेक्टेयर, निफाड में 622 हेक्टेयर और सिन्नर में 551 हेक्टेयर भूमि शामिल है। प्याज की फसल सबसे अधिक प्रभावित हुई, जिससे 4,482 हेक्टेयर भूमि पर प्याज की फसल नष्ट हो गई। इसके बाद अनार की फसल प्रभावित हुई, जबकि 1,377 हेक्टेयर गेहूं, 720 हेक्टेयर मक्का, 300 हेक्टेयर अंगूर, 109 हेक्टेयर सब्जियां, 52 हेक्टेयर सीताफल और एक हेक्टेयर भूमि क्षतिग्रस्त हो गई।

जिला कृषि अधिकारी रविंद्र माने ने बताया कि इन सभी प्रभावित फसलों का प्रारंभिक आकलन और इस पर तैयार की गई रिपोर्ट सभी वरिष्ठ अधिकारियों को सौंप दी गई है।

'रमजान ईद भाईचारे,एकता का संदेश देने वाला त्योहार'

पूर्व सांसद समीर भुजबल ईदगाह मैदान में आयोजित नमाज के बाद लोगों की दी ईद की बधाई

महानगर नेटवर्क
येवला

रमजान का महीना आत्म-शुद्धि, धैर्य, त्याग और मानवता का पाठ पढ़ाता है। रोजा रखने से व्यक्ति को आत्मसंयम रखने और इस पवित्र माह में जरूरतमंदों के दर्द को समझने की प्रेरणा मिलती है।

ईद केवल खुशी का त्योहार नहीं है, बल्कि यह सामाजिक प्रतिबद्धता, भाईचारे और एकता का संदेश देने वाला त्योहार है, पूर्व सांसद समीर भुजबल ने यह बात कही। उन्होंने उपस्थित भाइयों को यह आश्वासन भी दिया कि मंत्री छगन भुजबल के माध्यम से ईदगाह मैदान क्षेत्र में आवश्यक विकास कार्य किए जाएंगे। पूर्व सांसद समीर भुजबल आज रमजान ईद के अवसर पर येओला शहर के ईदगाह मैदान में आयोजित सामाजिक प्रार्थना कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर उन्होंने रमजान ईद की बधाई दी। उन्होंने शहर के काजी सलीमउद्दीन काजी को सम्मानित किया। वे उस समय भाषण दे रहे थे। इस अवसर पर तहसीलदार आबा

महाजन, येवला नगर पालिका मुख्य अधिकारी तुषार अहेर, महापौर राजेंद्र लोनारी, पूर्व महापौर हुसैन शेख, शहर अध्यक्ष दत्ता निकम, नगर परिषद समूह नेता दीपक लोनारी, नगरसेवक प्रवीण बनकर, नगरसेवक प्रमोद सस्कर, अकबर शाह, निसार शेख, गुड्डु जावले, सुनील पैठणकर, नितिन गायकवाड़, गणेश गायकवाड़, दीपक गायकवाड़, सचिन सोनावणे, दीपक पवार, श्रीकांत वाकचौरे, उनके साथ बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता और मुस्लिम भाई भी मौजूद थे।

इस अवसर पर पूर्व सांसद समीर भुजबल ने कहा कि रमजान का महीना केवल उपवास का महीना नहीं है, बल्कि यह एक पवित्र समय है जो आत्म-शुद्धि, धैर्य, त्याग और सेवा का पाठ पढ़ाता है। इस महीने में प्रत्येक व्यक्ति अपने व्यवहार का आत्मनिरीक्षण करता है और समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करता है। ईद आनंद, संतोष और कृतज्ञता का प्रतीक है और यह हमें एक-दूसरे के साथ प्रेम, सम्मान और भाईचारे का भाव रखने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा, "आज की बदलती सामाजिक परिस्थितियों में, मतभेदों, गलतफहमियों और तनावों को दूर करके सभी का एकजुट होना आवश्यक है।

ईद का त्योहार हमें क्षमा, दया और आपसी सहयोग के प्रति जागरूक करता है। यदि इन मूल्यों का पालन किया जाए, तो समाज अधिक सामंजस्यपूर्ण और प्रगतिशील बनेगा।" आज की आवश्यकता है कि युवा शिक्षा, सामाजिक प्रतिबद्धता और सकारात्मक सोच के माध्यम से समाज में बदलाव लाएं।

नाशिक में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई रमजान ईद

नाशिक। गोल्फ क्लब ग्राउंड के ईदगाह ग्राउंड में रमजान ईद के मौके पर नमाज़ पढ़ी गई। शहर-ए-खतीब हिसामुद्दीन खतीब ने नमाज़ पढ़ी। फिर उन्होंने समुदाय के सामने अपने विचार रखे। नमाज़ पढ़ने के बाद, शहर-ए-खतीब ने भारत के शांति के रास्ते पर आगे बढ़ने की दुआ की। नमाज़ पढ़ने के बाद, महापौर हिमगौरी आहेर-आडके, उपमहापौर विलास शिंदे, रंजन ठाकरे, डॉ. सुभाष देवरे, बबलू खैरे, डॉ. हेमलता पाटिल, योगेश कामोद वगैरह ने हिंदू भाई-बहनों के साथ मुस्लिम समुदाय के भाई-बहनों को ईद की बधाई दी। इस समय नमाज के लिए बहुत भीड़ थी। गोल्फ क्लब ग्राउंड छोटा होने की वजह से, कई मुस्लिम भाई सड़क पर बैठकर नमाज पढ़ रहे थे। बढ़ती भीड़ को देखते हुए, गोल्फ क्लब एरिया की सभी सड़कें ट्रैफिक के लिए बंद कर दी गईं।

सुरगाणा तालुका में बड़े जोश के साथ रमज़ान ईद मनाई

बोरगांव। सुरगाणा तालुका में रमज़ान ईद का पवित्र त्योहार बड़े जोश, खुशी और भाईचारे के संदेश के साथ मनाया गया। सुबह से ही तालुका के अलग-अलग हिस्सों से हजारों मुस्लिम भाई ईदगाह मैदान में बड़ी संख्या में जमा हो गए थे। एक महीने के पवित्र रमज़ान के रोज़े के बाद ईद का त्योहार मनाते हुए हर जगह खुशी, संतोष और एकता का माहौल देखा गया। सुरगाना नगर पंचायत के ईदगाह ग्राउंड के सामने वाले इलाके में मौलाना अब्दुल जलील की लीडरशिप में ईद की खास नमाज पढ़ी गई। देश में शांति, तरक्की और एकता और सभी समुदायों के बीच एकता के लिए दुआ की गई। छोटे बच्चों से लेकर बुज़ुर्गों तक, सभी ने नए कपड़े पहनकर त्योहार का मज़ा लिया। इस मौके पर मेयर भरत वाघमारे, सचिन अहेर, दीपक थोरात, संतोष बागुल, धर्मेंद्र पगारिया, शामू पवार, विजय गोयल और सुरगाना पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर विनोद पाटिल मौजूद थे। जाने-माने लोगों ने मुस्लिम भाइयों को शुभकामनाएं दीं और सभी समुदायों से एक साथ आकर शांति और एकता बनाए रखने की अपील की।

हमें अंधविश्वास से दूर रहना चाहिए :भुजबल

महानगर नेटवर्क
नाशिक

राज्य के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि कई लोगों ने मुझे अंक ज्योतिष विशेषज्ञ खरात के पास जाने की सलाह दी, लेकिन मैं नहीं गया। रमजान ईद के अवसर पर नाशिक दौरे पर राज्य के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल मीडिया से बात कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि हमें अंधविश्वास से दूर रहना चाहिए। कुछ अच्छे साधु हैं जो नेक काम कर रहे हैं। अशोक खरात में बड़ी भीड़ आती थी। रूपाली चाकणकर को पुणे के बारे में क्या पता? उन्हें भी कोई न कोई वहां ले गया होगा। लेकिन राजनीति में काम

करने वालों को कुछ नियमों का पालन करना चाहिए। कुछ सीमाएं तय होनी चाहिए। क्योंकि हमारे कामों का असर जनता पर पड़ता है। क्योंकि हम नेता हैं। अगर मंत्री इस्तीफा देते हैं, तो हमारे इस्तीफे में क्या दिक्कत है? और कार्रवाई की जाएगी," भुजबल ने कहा। इसके अलावा, रूपाली चाकंकर के इस्तीफे के बारे में बात करते हुए भुजबल ने कहा, "राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष का पद संवैधानिक पद है। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से चर्चा करने के बाद इस संबंध में फैसला लिया। हालांकि, एनसीपी की महिला प्रदेश अध्यक्ष के पद के बारे में फैसला पार्टी की वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार लेंगी।"प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए भुजबल ने कहा, "हमारे लोग भी मुझे कैप्टन अशोक खरात के पास जाने के लिए कह रहे थे। हालांकि, मैं नहीं गया। इसलिए मुझे उनके बारे में और कुछ नहीं पता।" अंधविश्वास समाज को खोखला कर रहा है, जो आर्थिक, मानसिक और शारीरिक शोषण का कारण बनता है। हमें तर्कसंगत सोच अपनाकर के साथ विरोध करना चाहिए।

जलगांव शहर में 'प्रधानमंत्री ई-बस' के शुभारंभ का बेसब्री से इंतजार

जलगांव। नागरिक पिछले कई महीनों से 'प्रधानमंत्री ई-बस' के शुभारंभ का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी और पर्यावरण के अनुकूल भी होगी। नगर निगम ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए आवश्यक सभी नागरिक बुनियादी ढांचे का निर्माण समय पर पूरा कर लिया है। हालांकि, अब यह बात सामने आई है कि यह बस सेवा, जो सभी को किफायती दरों पर यात्रा की सुविधा प्रदान कर सकती है, कुछ कारणों से रुकी हुई है। नगर प्रशासन ने शहर के पास मेहरून शिवर में दो एकड़ भूमि पर 50 बसों की क्षमता वाला अत्याधुनिक डिपो बनाया है। आंतरिक सड़कें, पार्किंग व्यवस्था और अन्य सुविधाएं कंक्रीटिंग के साथ पूरी हो चुकी हैं। प्रशासन के अनुसार परियोजना 'संचालन के लिए तैयार' है, लेकिन तकनीकी कारणों से पूरी परियोजना ठप हो गई है। इस परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण घटक, ई-चार्जिंग स्टेशन, अभी तक स्थापित नहीं किया गया है।

रूपाली चाकणकर के इस्तीफे के बाद नाशिक पुलिस सक्रिय

किसी भी समय पेश होने के लिए नोटिस भेजेगी

नाशिक। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकंकर के इस्तीफे के बाद नाशिक पुलिस सक्रिय हो गई है और आगे की जांच के बाद किसी भी क्षण उन्हें नोटिस जारी करने के लिए तैयार है। पुलिस विभाग के सूत्रों का कहना है कि अगर चाकंकर नोटिस मिलने के बाद भी नाशिक में पेश नहीं होती हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है।

खुद को कप्तान बताने वाला और राजनीतिक ज्योतिषी होने का ढोंग करने वाला अशोक खरात को बुधवार (18 तारीख) को नाशिक क्राइम ब्रांच यूनिट-1 ने बलात्कार जैसे गंभीर अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया।

नाशिक के सरकार वाडा पुलिस स्टेशन में यह खबर आने के बाद काफी हलचल मच गई कि एक धोखेबाज पिछले 25 सालों से नासिक शहर और आसपास के इलाकों के बड़े नामों को भविष्य बताने का झांसा देकर उनका शोषण कर रहा था। मामले की जांच के लिए एक अलग एसआईटी का गठन किया गया है और जांच तेजी से चल रही है। इसके बाद, इन सभी मामलों को सुलझाने वाले नीरज जाधव को शुक्रवार शाम करीब 4 बजे नासिक में गिरफ्तार कर लिया गया।

इन सभी घटनाक्रमों के बीच, विपक्ष द्वारा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकंकर के नाम का इस्तेमाल करते हुए उन पर तरह-तरह के आरोप लगाए जा रहे थे और उन्हें मुश्किल में डाला जा रहा था। अचानक, शुक्रवार रात को चाकंकर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री सुनीत्रा पवार से मुलाकात कर राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। इन सभी घटनाक्रमों के बाद, अब नाशिक पुलिस आयुक्त कार्यालय द्वारा रूपाली चाकंकर को इन सभी मामलों में किसी भी समय पूछताछ के लिए पेश होने का नोटिस जारी किया जा सकता है। अगर वह पूछताछ के लिए पेश होने से इनकार करती है या नहीं आती है, तो ऐसी आशंका जताई जा रही है कि उसे गिरफ्तार किया जा सकता है। रूपाली चाकंकर कैप्टन खरात की भक्त हैं।

मतदाता सूची अद्यतन और सटीक होनी चाहिए :एस.चोक्कलिंगम

जिला कलेक्टर कार्यालय में मतदाता पंजीकरण अधिकारियों के साथ बैठक

महानगर नेटवर्क
नाशिक

जिले की मतदाता सूची अद्यतन और सटीक होनी चाहिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. चोक्कलिंगम ने यहां निर्देश दिए कि मतदाता सूची तैयार करते समय कोई त्रुटि नहीं होनी चाहिए। आज सुबह जिला कलेक्टर कार्यालय के केंद्रीय हॉल में मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री चोक्कलिंगम की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। वे इस दौरान बोल रहे थे। इस

अवसर पर नगर आयुक्त मनीषा खत्री, जिला कलेक्टर आयुष प्रसाद, जिला ग्रामीण विकास एजेंसी की परियोजना निदेशक प्रतिभा संगमनेरे, उप-जिला निर्वाचन अधिकारी मधुमती सरदेसाई, सहायक जिला कलेक्टर डॉ. पवन दत्ता (इगतपुरी), कश्मीरा सांखे (कलवन), मालेगांव नगर आयुक्त रविंद्र जाधव और जिले के सभी मतदाता पंजीकरण अधिकारी एवं सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री चोक्कलिंगम ने कहा कि 2002 की मतदाता सूची में नामों के स्वतः मिलान और एक मतदाता के नाम के आधार पर परिवार के अन्य सदस्यों के नामों के मिलान के कार्य में तेजी लाई जानी चाहिए।

मतदाताओं की धुंधली तस्वीरों और मतदाता सूची में अर्थहीन प्रविष्टियों को ठीक करने के लिए, मतदान केंद्र स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) को प्रत्येक घर जाकर मतदाताओं की स्पष्ट और रंगीन तस्वीरें एकत्र करनी चाहिए और उन्हें बीएलओ ऐप पर अपलोड करना चाहिए।

येवला प्रीमियर लीग के जरिए स्पोर्ट्स कल्चर को नई ताकत मिलेगी: समीर

येवला। क्रिकेट सिर्फ़ एक खेल नहीं है, यह अनुशासन, टीम भावना और लीडरशिप क्वालिटी डेवलप करने का एक असरदार ज़रिया है। ऐसे कॉम्पिटिशन गांव और शहर के युवाओं को अपनी स्पोर्ट्स स्किल दिखाने का एक प्लेटफ़ॉर्म देते हैं। पूर्व सांसद समीर भुजबल ने कहा कि भुजबल ब्रिगेड की यह पहल तारीफ़ के काबिल है और इससे येवला में स्पोर्ट्स कल्चर को नई ताकत मिलेगी। इस काम का उद्घाटन पूर्व MP समीर भुजबल ने गोशाला ग्राउंड येवला में भुजबल ब्रिगेड द्वारा आयोजित येओला

प्रीमियर लीग क्रिकेट के महा-रणसंग्राम के मौके पर ग्राउंड की पूजा करके किया। वे इस मौके पर आयोजित प्रोग्राम में बोल रहे थे। इस मौके पर पूर्व सांसद समीर भुजबल ने ग्राउंड और पूरे सिस्टम का इंस्पेक्शन किया।इस मौके पर नगराध्यक्ष राजेंद्र लोनारी, शहर अध्यक्ष दत्ता निकम, नगर परिषद गटनेता दीपक लोनारी, नगरसेवक प्रवीण बनकर, गोटू मांजरे, गणेश गायकवाड़, नितिन गायकवाड़, सुनील पैठणकर, मकरंद सोनवणे, दीपक गायकवाड़, भाऊसाहेब धनवटे, सचिन सोनवणे, क्रिकेट मैच कोऑर्डिनेटर राजेंद्र पवार समेत पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

पूर्व सांसद समीर भुजबल ने कहा कि 29 मार्च से 7 अप्रैल तक येवला शहर के गोशाला मैदान में भुजबल ब्रिगेड की तरफ से येओला प्रीमियर लीग क्रिकेट महा-रणसंग्राम का आयोजन किया गया है।

स्पेशल टीम थोरात के बिजनेस कनेक्शन का पता लगाने की कोशिश

नाशिक। कैप्टन अशोक थोरात मामलों में पुलिस ने अब जांच की रफ़्तार तेज़ कर दी है और शनिवार दोपहर को स्पेशल टीम के अधिकारियों ने खरात से नासिक पुलिस क्लब में कुछ घंटों तक पूछताछ की। मिली जानकारी के मुताबिक, कुछ और लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। अब पुलिस टीम खरात के पॉलिटिकल और बिज़नेस कनेक्शन की जांच कर रही है।

अशोक खरात के खिलाफ टॉर्चर का केस दर्ज किया गया है। यह केस नासिक के सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। अशोक खरात पर 35 साल की महिला को नींद की गोली देकर रेप करने का आरोप है। बुधवार, 18 मार्च को खरात को क्राइम ब्रांच ने सुबह करीब 3 बजे हिरासत में लिया था। अशोक खरात सिन्नर तालुका के मिरगांव में श्री ईशान्येश्वर मंदिर ट्रस्ट के प्रेसिडेंट हैं। वह मर्चेंट नेवी से रिटायर्ड हैं।

पिछले कुछ सालों में वह कॉस्मोलॉजी एक्सपर्ट और न्यूमेरोलॉजिस्ट के तौर पर मशहूर हो गए हैं। कई बड़े पॉलिटिकल लीडर, सेलिब्रिटी और बिजनेसमैन उनसे गाइडेंस के लिए जाते थे। हालांकि, रेप के आरोप में उनकी गिरफ्तारी से हलचल मच गई है। इन सभी मामलों की जांच अभी महिला IPS ऑफिसर सतपुते के गाइडेंस में एक स्पेशल टीम कर रही है और उनकी पुलिस कस्टडी 24 मार्च को खत्म हो रही है।

श्री श्री राधा मदन गोपाल मंदिर में 23 मार्च को 'ब्रह्मोत्सव

श्री श्री राधा मदन गोपाल को 1500 kg फूलों की पंखुड़ियों से ग्रैंड अभिषेक

नाशिक। श्री श्री राधा मदन गोपाल (ISKCON) मंदिर में 23 मार्च को 'ब्रह्मोत्सव' मनाया जा रहा है। श्री श्री राधा मदन गोपाल के भगवान के जीवन के 15 साल पूरे होने पर, 1500 kg अलग-अलग फूलों की पंखुड़ियों से ग्रैंड अभिषेक किया गया । इस मौके पर परम पूज्य लोकनाथ स्वामी महाराज की खास मौजूदगी रही। इस फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण दुनिया भर में मशहूर परम लोकनाथ स्वामी महाराज की खास मौजूदगी है। महाराज ISKCON के फाउंडर श्रील प्रभुपाद के पहले भारतीय शिष्य हैं और 5 दशकों से ज़्यादा समय से संन्यासी और गुरु के तौर पर सेवा कर रहे हैं। वे

ISKCON में वर्ल्ड कप के प्रेसिडेंट और कुंभ मेले के हेड हैं और 58 देशों में उनके दस हज़ार से ज़्यादा शिष्य हैं। उन्हें एक पैदल यात्री के तौर पर जाना जाता है जो 160 देशों में बैलगाड़ियों के ज़रिए हरिनाम और भागवत धर्म का प्रचार करते हैं। उनके कई संन्यासी शिष्यों में परम पूज्य सुंदर चैतन्य स्वामी महाराज और परम पूज्य प्रेम महाराज महाराज हैं।ब्रह्मोत्सव के दिन, मंदिर में सुबह 9 बजे से 1500 kg फूलों की पंखुड़ियां तैयार करने की 'महासेवा' होगी। इससे भगवान की कृपा सीधे पाने की शक्ति मिलती है। त्योहार के दौरान सभी भक्तों को 'खास महाप्रसाद' बांटा जाएगा। ब्रह्मचारी रिट्रीटः तारीख 24 और 25 नाशिक मधेप प. लोकनाथ स्वामी महाराज के सभी ब्रह्मचारी शिष्यों का दो दिन का खास जमावड़ा नाशिक में होगा।

गैस सिलेंडर की कमी के कारण त्र्यंबकेश्वर मंदिर में लड्डू प्रसाद बंद

त्र्यंबकेश्वर। त्र्यंबकेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को 20 रुपये में दो लड्डू प्रसाद मिलते हैं; लेकिन, अभी गैस सिलेंडर की कमी के कारण लड्डू प्रसाद बंद कर दिया गया है। देवस्थान ट्रस्ट ने इस बारे में कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है; लेकिन, पिछले कुछ दिनों से लड्डू प्रसाद बेचने वाली खिड़की बंद है। त्र्यंबकेश्वर मंदिर ऑडिटोरियम में, भक्त दर्शन करने के बाद बाहर निकलते हैं। उस ऑडिटोरियम के दक्षिणी दरवाज़े के सामने एक डोनेशन काउंटर है। उसके बगल में लड्डू प्रसाद बेचने का काउंटर लगाया गया था; लेकिन, US-इज़राइल और ईरान युद्धों के चलते, सरकार ने कुछ दिनों के लिए कमर्शियल गैस सिलेंडर

बंद कर दिए हैं और घरेलू सिलेंडर को रेगुलेट करने की पॉलिसी घोषित की है, होटल के बिज़नेस बंद हो रहे हैं। मंदिर का प्रसाद भी इससे अछूता नहीं है। त्र्यंबकेश्वर मंदिर का लड्डू प्रसाद बंद होने से भक्त निराश हैं। यह लड्डू प्रसाद भक्तों की पहली पसंद बन गया था। भक्त 100 रुपये का नोट देकर एक बार में 2 लड्डू के 5 डिब्बे खरीद रहे थे।

धुले जिला टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन द्वारा 'गोदा कर मंथन 2026' का शुभारंभ

विभिन्न विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया

महानगर नेटवर्क
नाशिक

नाशिक टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन, ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स (पश्चिम जोन), गुड्स एंड सर्विस टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन ऑफ महाराष्ट्र और धुले जिला टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के कर सम्मेलन 'गोदा कर मंथन 2026' का आयोजन किया है। सम्मेलन का शुभारंभ शनिवार (21 मार्च) को गंगापुर रोड पर उत्साहपूर्वक हुआ।

अधिवक्ता सुनील देशमुख ने कहा, दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के कर सम्मेलन 'गोदा कर मंथन 2026' के अध्यक्ष के रूप में आप सभी के समक्ष बोलते हुए मैं अत्यंत प्रसन्न, गौरवान्वित और उत्तरदायित्व महसूस कर रहा हूँ। इस कार्यक्रम में एआईएफटीपी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर जानी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सिद्धेश्वर येमाली, राष्ट्रीय पश्चिम उपाध्यक्ष भरत सचदेव, पश्चिम क्षेत्र के अध्यक्ष अक्षय मोदी, उपाध्यक्ष नरेंद्र सोनावणे, राष्ट्रीय परिषद सदस्य विनायक पाटकर, सचिन गांधी, नासिक टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के वर्तमान अध्यक्ष नितिन फिरोदिया और सभी पूर्व अध्यक्ष, एमटीपीए अध्यक्ष अनुरुद्र चव्हाण, धुले टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप वराडे और अन्य उपस्थित थे।

राम राज्य की शासन प्रणाली समाज को शिक्षित करती है: डॉ. कुलकर्णी

पंचवटी । ऐसा राजा होना चाहिए जिसके जीवन में कोई व्यभिचार न हो। राजा का चरित्र और आख्यान निर्वि वाद और निष्कलंक होना चाहिए। किसी भी तत्व को वंचित नहीं किया जाना चाहिए। राम राज्य काल की शासन प्रणाली एक मंदिर के समान थी जो समाज को शिक्षित और सुसंस्कृत करती थी। इसका उद्देश्य समाज को सभ्य बनाना और शिक्षा प्रदान करना है। शिक्षा में नैतिकता होनी चाहिए, यह बात वैज्ञानिक डॉ. ओमप्रकाश कुलकर्णी ने कही। वे श्री कलाराम संस्थान द्वारा आयोजित श्री कलाराम वसंतिक नवरात्रि महोत्सव-2026 की

व्याख्यान श्रृंखला में 'राम राज्य आदर्श शासन' विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। भ्रष्टाचार का अंत केवल महिलाएं ही कर सकती हैं। नारी शक्ति की शक्ति महान है। मिलिंद तारे ने परिचय दिया और विषय का परिचय प्रस्तुत किया। शुभम मंत्री ने स्वागत भाषण दिया।

'एक शाम नाशिक पुलिस के नाम' नामक एक नि :शुल्क संगीत कार्यक्रम

महानगर नेटवर्क
नाशिक

हाल ही में नाशिक जिला कानून का गढ़ बन गया। पुलिस ने कई अ सामाजिक तत्वों और गुंडों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करके जनता को राहत दी। इसके लिए पुलिस को मधुर गीतों के माध्यम से सम्मानित किया गया। शुरुआत में मुख्य अतिथि पुलिस उपायुक्त किशोर काले, रोटरी प्रांतीय आयुक्त ज्ञानेश्वर शेवाले और रोटरी अध्यक्ष हेमंत शिधाये, सचिव विकास दिघे और श्रीकांत पगारे मंच पर उपस्थित थे। डॉ. रोचना शर्मा ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया।

रोटरी क्लब नाशिक रोड ने महाकवि कालिदास कला मंदिर में नाशिक पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के लिए 'एक शाम नाशिक पुलिस के नाम' नामक एक निःशुल्क संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का निर्माण चेरीबेरी लाइव मुंबई के ज्ञानेश वर्मा ने किया और इसकी परिकल्पना साइबर विशेषज्ञ तुषार म्हस्के ने की। रोटरी क्लब ने समाज की सुरक्षा के लिए शहर की पुलिस के अथक परिश्रम के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए यह पहल की।

कार्यक्रम में पुलिस बल के अधिकारी, कर्मचा री और परिवार के सदस्य उपस्थित थे। अश्विनी सरदेशमुख, अजय बाहेती, संतोष कोचर, देवेन्द्र विभुते, संजय देवपुरकर, दिलीप काले, संतोष गांगुर्डे, ज्ञानेश्वर मोरे, रोहित जाधव, अनुषा गोयल, कैलाश धांडे, सचिन भादकवड़े जैसे गायकों ने गीत प्रस्तुत किये।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, यूनिट नं.11-12, देह बानू कॉम्पलेक्स, बाफना ज्वेलर्स के पास, नाशिक-पुणे रोड, दत्त मंदिर, नाशिक रोड-422101 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित. ● फोन नंबरः 0253-2469848 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

प्रकृति हमारी मां, संरक्षण में जन-भागीदारी ही सफलता की कुंजी : योगी

रामसर साइट को प्रदेश में 100 तक पहुंचाने का लक्ष्य

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित राष्ट्रीय वानिकी संवाद के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया और प्रकृति संरक्षण को जन आंदोलन बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति को "मां" का दर्जा दिया गया है और हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह धरती के संरक्षण के लिए आगे आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण असंतुलन जैसी चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे समय में वनों का महत्व और बढ़ जाता है। उन्होंने वैदिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि "माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः" की भावना हमें प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलने की प्रेरणा देती है।

योगी ने कहा कि जब कोई अभियान जन आंदोलन बनता है, तभी वह सफल होता है। पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में 242 करोड़ पौधरोपण इसी जनभागीदारी के कारण संभव हो पाया है। उन्होंने बताया कि वनाच्छादन अब लगभग 10 प्रतिशत तक पहुंच चुका है और इसे 16-17 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। वन महोत्सव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पहले जहां 5.5 करोड़ पौधे लगाए जाते थे, वहीं अब एक ही दिन में 37 करोड़ पौधरोपण का रिकॉर्ड बना है। इस वर्ष 35 से 45 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2017 में प्रदेश में केवल एक रामसर साइट थी, जो अब बढ़कर 11 हो चुकी है। सरकार का लक्ष्य इसे 100 तक पहुंचाने का है। ये साइट्स पर्यटन, जैव विविधता और जल संरक्षण के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां कार्बन फाइनेंस प्रोजेक्ट के तहत किसानों को कार्बन क्रेडिट के लिए धनराशि दी गई है। साथ ही मानव-वन्य जीव संघर्ष को आपदा की श्रेणी में शामिल कर एक नई पहल की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कार्बन नेट-जीरो लक्ष्य को हासिल करने के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी लागू की गई है। साथ ही अयोध्या को सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है और 17 अन्य नगर निगमों को भी इसी दिशा में तैयार किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री की "पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना" के तहत प्रदेश में 4 लाख रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं, जिनकी कुल क्षमता 1,400 मेगावाट से अधिक है। आने वाले पांच वर्षों में 22,000 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। योगी ने कहा कि 100 वर्ष से अधिक पुराने पेड़ों को "विरासत वृक्ष" के रूप में संरक्षित किया जा रहा है। उन्होंने कॉफी टेबल बुक को अधिक से अधिक संस्थानों तक पहुंचाने और पर्यावरण के प्रति जागरुकता बढ़ाने की भी अपील की।

यूपी बनेगा ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब, निर्यात में बड़ी छलांग की तैयारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की उद्योग प्रोत्साहन नीतियों और क्लस्टर आधारित विकास मॉडल के चलते मेरठ देश के स्पोर्ट्स इक्विपमेंट सेक्टर का मजबूत केंद्र बनकर तेजी से उभर रहा है। सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार, नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट में भी इस बात पर जोर दिया गया है कि पारंपरिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टरों को आधुनिक तकनीक और नीतिगत समर्थन मिलने पर भारत वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी कई गुना बढ़ा सकता है। मेरठ लंबे समय से स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग का प्रमुख हब रहा है। यहां 250 से अधिक निर्यात इकाइयों, 1,000 से ज्यादा घरेलू इकाइयों, 4,000 से अधिक सूक्ष्म उद्यमों और करीब 20,000 घरेलू उत्पादन इकाइयों का मजबूत नेटवर्क है। क्रिकेट बैट, फुटबॉल, बॉक्सिंग ग्लव्स और जिम उपकरण जैसे उत्पादों का बड़े पैमाने पर निर्माण होता है। अब सरकार इन पारंपरिक ताकतों को आधुनिक औद्योगिक ढांचे से जोड़कर वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर रही है। प्रदेश सरकार ने मेरठ समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर विशेष ध्यान दिया है। बेहतर सड़क नेटवर्क, एक्सप्रेस-वे और आधुनिक लॉजिस्टिक्स सुविधाओं ने निर्यात को सरल और तेज बनाया है। साथ ही एमएसएमई सेक्टर को वित्तीय सहायता, तकनीकी उन्नयन और स्किल डेवलपमेंट से जोड़कर उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता में सुधार किया जा रहा है। केंद्र सरकार के बजट 2026 में स्पोर्ट्स गुड्स सेक्टर के लिए 500 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान और पारंपरिक क्लस्टरों के आधुनिकीकरण पर जोर इस क्षेत्र के लिए नई संभावनाएं लेकर आया है। राज्य सरकार सिंगल विंडो सिस्टम और निवेश-अनुकूल नीतियों के जरिए उद्योगों के लिए बेहतर माहौल तैयार कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्पोर्ट्स इक्विपमेंट निर्यात में भारत की हिस्सेदारी फिलहाल लगभग 0.5 प्रतिशत है, जिसे 2036 तक बढ़ाकर 11 प्रतिशत (करीब 8.1 बिलियन डॉलर) करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि कच्चे माल की लागत, आयात शुल्क और तकनीकी चुनौतियां अभी भी बाधा बनी हुई हैं, लेकिन सरकार इनके समाधान की दिशा में काम कर रही है।

प्रदेश में अकीदत और भाईचारे से मनी ईद-उल-फितर

मुख्यमंत्री योगी और सपा प्रमुख ने दी शुभकामनाएं

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

राजधानी लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में रमज़ान माह के समापन के बाद शनिवार को ईद-उल-फितर का पर्व अकीदत और भाईचारे के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को ईद की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह पर्व खुशियों, मेल-मिलाप और भाईचारे का संदेश देने वाला महत्वपूर्ण त्योहार है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि ईद-उल-फित्र का त्योहार समाज में एकता और सौहार्द को मजबूत करता है। यह पर्व लोगों के बीच प्रेम, सद्भाव और आपसी विश्वास को बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।

सीएम योगी ने कहा कि खुशियों का यह त्योहार अमन-चैन और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। इस अवसर पर सभी को आपसी भाईचारे को और मजबूत करने तथा समाज में सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से अपील की, कि वे ईद के इस पावन अवसर को मिल-जुलकर मनाएं और समाज में शांति, सद्भाव तथा एकता को बढ़ावा दें।

वहीं दूसरी तरफ राजधानी लखनऊ के ऐशबाग ईदगाह पर सपा मुखिया अखिलेश यादव भी मुबारकबाद देने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने एक दूसरे को गले मिलकर बधाई दी। लोगों से बात की। ईदगाह से बाहर निकलने पर मीडिया से भी बात की। उन्होंने प्रदेश में ब्राह्मणों के अपमान और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर योगी सरकार को घेरा। तंज कसा कि राजधानी में अब दोबारा बाटी-चोखा की दावत नहीं हो पाएगी। चुटिया पकड़कर खींच लिया गया है। बताइए कितना अपमान हुआ।

'लखनऊ सुपर जायंट्स' टीम ने की रामलला की विधिवत पूजा-अर्चना

महानगर नेटवर्क

अयोध्या

आईपीएल शुरू होने से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स की 20 सदस्यीय टीम अयोध्या पहुंची। जहां खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ ने रामलला के दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया। टीम के साथ फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका भी मौजूद रहे। सभी ने राम मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। आगामी सीजन में बेहतर प्रदर्शन की कामना की। इस दौरान टीम के कप्तान ऋषभ पंत समेत अन्य खिलाड़ियों ने भी श्रद्धा के साथ भगवान श्रीराम के चरणों में शीश नवाया। मंदिर परिसर में टीम के पहुंचने से श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। मंदिर

निर्माण के प्रभारी गोपाल राव और एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने सभी खिलाड़ियों को मंदिर का भ्रमण कराया। खिलाड़ियों ने मंदिर की भव्यता की सराहना की। दर्शन-पूजन के बाद पूरी टीम अयोध्या से लखनऊ के लिए रवाना हो गई। आईपीएल के आगाज से पहले टीम का यह आध्यात्मिक दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जहां खिलाड़ियों ने नए सीजन से पहले भगवान का आशीर्वाद लिया।

पुलिस आयुक्त की सुरक्षा में तैनात कमांडो का फंदे से लटका मिला शव

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार की सुरक्षा में तैनात कमांडो कृपाल सिंह (29) का शव शुक्रवार सुबह कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना राजापुर गंगानगर स्थित मकान की है। पुलिस के अनुसार शव दो दिन पुराना है। चार दिन पूर्व कृपाल ने एसआई भर्ती परीक्षा दी थी। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परीक्षा खराब होने या फिर घरेलू कलह की वजह से आत्महत्या करने की आशंका है। कैंट थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मूलरूप से फिरोजाबाद जनपद के थाना खैरगढ़ गांव निकाऊ निवासी कृपाल सिंह वर्ष 2019 में सिपाही

के पद पर पुलिस विभाग में भर्ती हुए थे। उनकी पहली पोस्टिंग प्रयागराज में हुई। कैंट के गंगानगर राजापुर में ओमप्रकाश पटेल के मकान की तीसरी मंजिल पर कृपाल किराये पर रहते थे। वर्तमान में वह पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार के एस्कॉर्ट में बतौर कमांडो तैनात थे। दो दिन से कमरे का दरवाजा न खुलने पर शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे मकान मालिक ने खिड़की से झांककर देखा तो कृपाल पंखे पर नायलॉन की रस्सी के फंदे से लटके मिले। शोर मचाने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। जार्ज टाउन थाने में सिपाही के पद पर तैनात भाई ओमवीर सिंह व डायल-112 पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। पुलिस के मुताबिक, तीन साल पहले कृपाल की शादी हुई थी। परिवार में पत्नी मधुबाला व दो साल का एक बेटा और एक साल की बेटी है। पत्नी दोनों बच्चों के साथ मायके में रहती है।

आत्महत्या मामले में तीन गिरफ्तार

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में बल्दीराय थाना पुलिस ने आत्महत्या के एक मामले में नामजद तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 18 मार्च को थाना क्षेत्र के ग्राम सूबेदार का पुरवा मजरा विशवा निवासी राहुल यादव ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। सूचना पर क्षेत्राधिकारी ने मौके का मुआयना कर शव का पंचायतनामा भरवाते हुए पोस्टमार्टम कराया।

मृतक पक्ष की तहरीर पर 19 मार्च को तीन व्यक्तियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई। जांच के दौरान साक्ष्यों के आधार पर प्रारंभ में दर्ज धारा 103(1) बीएनएस को संशोधित कर धारा 108 बीएनएस के तहत मामला तरमीम किया गया।

पुलिस अधीक्षक चारु निगम के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मोनू पाण्डेय उर्फ अमित पाण्डेय (30), अमित मिश्रा (26) तथा लाले उर्फ सरजू विश्वकर्मा (26) को गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में चालान किया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद रिमांड पर लेकर जिला कारागार सुलतानपुर भेज दिया गया है।

पूर्वांचल पर पोल तोड़ते हुए खाई में पलटी कार, दो की मौत

मऊ। जिले के सरायलखंसी थाना क्षेत्र के खरगजेपुर गांव के पास शनिवार की सुबह पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से पोल तोड़ते हुए तेज रफ्तार कार खाई में पलट गई। सीमेंटेड पोल से टकराते ही कार का एयर बैग खुल गया, जिससे विक्रांत सिंह और चालक की जान बच गई। हालांकि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गाजीपुर जिले के मरदह थाना क्षेत्र के बसपुर गांव निवासी विक्रांत सिंह सुबह आजमगढ़ जा रहे थे। उन्होंने बताया कि सामने चल रही कार को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित हुई और पलट गई। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर दोनों को कार से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि कार सवार युवक घायल नहीं हुए।

आकाशीय बिजली गिरने से बारूद फैक्ट्री में धमाका, एक की मौत

झांसी। जिले की इंडोगल्फ बारूद फैक्ट्री में शुक्रवार देर शाम आकाशीय बिजली कड़कने से धमाका हुआ, जिसमें वहां काम करने वाले संविदा कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक फैक्ट्री में काम करने वाले एक अधिकारी का ड्राइवर बताया जा रहा है। पुलिस ने मृतक के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मॉर्चरी भेज दिया। मृतक का नाम करीब 39 वर्षीय नवल कुमार यादव था। वह झांसी के बबीना थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर में रहता था। उसके दो बच्चे हैं। वह बबीना थानांतर्गत ग्राम नया खेड़ा के पास बनी बारूद फैक्ट्री इंडोगल्फ इंडस्ट्री लिमिटेड में संविदा पर ड्राइवर था और एक

अधिकारी के साथ चलता है। बताया जा रहा है कि प्रतिदिन की तरह शुक्रवार की शाम फैक्ट्री में काम करने वाले सभी कर्मचारी घर चले गए थे। तभी अचानक मौसम बदला और बारिश होने लगी थी। इसी दौरान आकाशीय बिजली कड़की और फैक्ट्री में विस्फोट हो गया, जिसे देखने के लिए नवल कुमार को अंदर भेजा गया तभी फिर विस्फोट हुआ और उछल कर पत्थर उसे लग गया, जिससे वह घायल हो गया।

इधर, धमाके की आवाज सुनकर आसपास के क्षेत्रवासी भी दहशत में आ गए। आनन फानन में फैक्ट्री के लोग घायलावस्था में नवल को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का रिश्तेदार हेमंत कुमार ने बताया कि मृतक नवल कुमार यादव हमारे बड़े भाई राम कुमार यादव के साले हैं। हम झांसी में काम करते हैं। हमें फोन पर जानकारी मिली कि इंडोगल्फ़ फैक्ट्री में ड्राइवर घायल हो गया है।

विश्व शांति स्थापित करने में भारत सक्षमः भवानीनंदन यति

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के हरिहरपुर स्थित दक्षिणमुखी काली धाम में चैत्र वासांतिक नवरात्र के तीसरे दिन शनिवार को जूना अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनंदन यति ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में विश्व के कई देश युद्ध की विभीषिका झेल रहे हैं, ऐसे में विश्व में शांति स्थापित करने की क्षमता केवल भारत में है। महामंडलेश्वर ने आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न दावों के बीच यह स्पष्ट हो रहा है कि विश्व को स्थायी शांति की दिशा देने में भारत एक मजबूत आधार बन सकता है। भारत 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना पर चलने वाला देश है, जो विश्व को एक परिवार मानता है।

महामंडलेश्वर ने नवरात्र और ईद के एक साथ पड़ने को सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक बताते हुए कहा कि दोनों समुदायों द्वारा उपवास और इबादत/पूजा करना समाज में शांति और समरसता का संदेश देता है। उन्होंने सभी लोगों से नवरात्र के दौरान विश्व शांति और युद्ध पीड़ितों के कल्याण के लिए प्रार्थना करने का आह्वान किया। उन्होंने शंकराचार्य प्रकरण पर कहा कि धर्माचार्यों और प्रशासन को समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए।

खड़े ट्रक से टकराई बस, एक की मौत, 9 घायल

जौनपुर। जिले के मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के प्रयागराज–मुंगराबादशाहपुर हाईवे पर कोदहूं गांव के पास शनिवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में रोडवेज बस के चालक की मौके पर मौत हो गई, जबकि नौ यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सिविल लाइन्स डिपो की बस करीब 35 यात्रियों को लेकर प्रयागराज से टांडा जा रही थी। सुबह लगभग 5:30 बजे कोदहूं के पास पहुंचते ही बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त

हो गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही मुंगराबादशाहपुर थानाध्यक्ष अमित कुमार तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को बस से निकालकर एंबुलेंस के जरिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुंगराबादशाहपुर भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है। एक घायल को सीएचसी सतहरिया में भर्ती कराया गया है। इस हादसे में बस चालक सतीश गुप्ता (45), निवासी बनुआडीह थाना शाहगंज, की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

घायलों में राकेश कुमार, मयंक सिंह, अनिल पटेल, राजकुमार, रामचंद्र निषाद, सूरज कुमार, राहुल कुमार, प्रमोद कुमार यादव और नीरज बिंद शामिल हैं, जिनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में बस के अनियंत्रित होने को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चल सकेगा।

भाजपा 325 से अधिक सीटें जीतकर बनाएगी सरकार : मौर्य

कौशांबी। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सबका साथ, सबका विकास और सबको रोजगार के संकल्प के साथ कार्य कर रही है और वर्ष 2027 में 325 से अधिक विधानसभा सीटें जीतकर प्रदेश में फिर सरकार बनाएगी।

रोडवेज डिपो परिसर में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के नौ वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को देखकर विपक्ष भी हैरान है। भाजपा तुष्टिकरण की नहीं, बल्कि विकास की राजनीति करती है, यही कारण है कि पिछले वर्षों में प्रदेश में शांति व्यवस्था कायम रही है। उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वह "समाप्तवादी पार्टी" बन गई है, जबकि अखिलेश यादव और राहुल गांधी 2047 तक सत्ता से दूर रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि सपा, बसपा और कांग्रेस मिलकर भी चुनाव लड़ें, तब भी जीत भाजपा की ही होगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक भाजपा का लक्ष्य विकसित भारत का निर्माण करना है और सरकार किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं तथा दिव्यांगों के हित में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं।

वाराणसी छात्र हत्याकांड में बड़ा खुलासा

शर्ट की बांह मोड़ने को लेकर हुआ था विवाद

महानगर नेटवर्क

वाराणसी

सूर्य प्रताप की हॉस्टल के छात्रों में अच्छी पैठ थी और वह अधिकतर समय वहीं बिताता था, जबकि मंजीत बाहरी लड़कों के साथ कैंपस में आता-जाता था। शुक्रवार को सुबह 11 बजे के करीब सूर्य ने उसे देखा और कहा कि शर्ट की बांह मोड़कर आए हो... मंजीत घूरने लगा। फिर मंजीत ने प्राचार्य से मुलाकात की और बाहर निकला तो सूर्य प्रताप सिंह कक्षा नंबर 8 में अपने दो साथियों के साथ वायबा का एसाइनमेंट जमा कर रहा था,

तभी पिस्टल लेकर मंजीत ने उसे दौड़ा लिया और पिस्टल की गोलियां उसके सीने में उत्तार दीं।

छात्र सूर्य प्रताप सिंह और आरोपी मंजीत चौहान के बीच दो बार विवाद हो चुका था। आरोप है कि सूर्य प्रताप सिंह समेत अन्य युवकों ने मंजीत की पिटाई की थी। मंजीत पर दोनों बार सूर्य प्रताप सिंह भारी रहा। इससे ही मंजीत काफी आहत रहता था। मंजीत पर शिवपुर थाने में मारपीट मामले में प्राथमिकी भी दर्ज है। मंजीत चौहान ने तय कर लिया था कि सूर्य प्रताप सिंह को मौत के घाट उतारना है।

वारदात से पहले बृहस्पतिवार की रात मंजीत चौहान, अनुज सिंह समेत कुछ अन्य छात्रों के बीच बैठक हुई थी, जिसमें योजना बनी कि कॉलेज परिसर में ही सूर्य प्रताप सिंह को निशाना बनाना है। शुक्रवार को यूपी कॉलेज में चल रही परीक्षा के बीच हत्या की नीयत से मंजीत चौहान कमर में पिस्टल खोंसकर कैंपस में दाखिल हुआ।

हमले के दौरान जान बचाने के लिए छात्राओं ने मंजीत से गुहार भी लगाई, लेकिन उसके सिर पर मानो खून सवार था। ताबड़तोड़ सीने में दो गोलियां मारने के बाद मंजीत ने देखा कि औंधे मुंह फर्श पर गिरे सूर्य की धड़कन चल रही है, तो उसने दोबारा कनपटी के पास सटाकर दो गोलियां मार दीं। सुनिश्चित करने के बाद कि सूर्य की मौत हो चुकी है।

यूपी में PPS अधिकारियों को मिला प्रमोशन का तोहफा

लखनऊ। प्रदेश की अफसरशाही व्यवस्था में शुक्रवार को बड़ा बदलाव किया गया है, उत्तर प्रदेश सरकार ने पीपीएस (प्रांतीय पुलिस सेवा) अधिकारियों को पदोन्नत किया गया है। शासन की ओर से प्रमोशन पाने वाले पुलिस अधिकारियों की लिस्ट भी जारी कर दी गई है, प्रमोशन पाने वालों में प्रदेश भर के कुल 43 पुलिस अधिकारियों का नाम शामिल है। जानकारी के मुताबिक, प्रदेश सरकार ने पीपीएस (प्रांतीय पुलिस सेवा) के 43 अधिकारियों को प्रमोशन देते हुए डीएसपी (डिप्टी एसपी) से एएसपी (असिस्टेंट एसपी) बना दिया है। प्रमोशन पाने वाले अधिकारियों में राजेश कुमार तिवारी, अवनीश्वर चंद्र श्रीवास्तव, हीतेंद्र कृष्ण, धर्मेंद्र कुमार यादव, अमित कुमार श्रीवास्तव के साथ दीपक कुमार सिंह नाम शामिल है। शासन की ओर से जारी प्रमोशन लिस्ट में एसएन वैभव पांडेय, स्वतंत्र कुमार सिंह, स्नेहा तिवारी, नवीन शुक्ला, पंकज कुमार श्रीवास्तव, हरिराम यादव, प्रेम प्रकाश यादव, देवेंद्र सिंह, वरुण कुमार, तनु उपाध्याय, संजय वर्मा, निष्ठा उपाध्याय, श्रेष्ठा, उदय प्रताप सिंह, अजीत कुमार रजक, गिरीश कुमार सिंह, आलोक प्रसाद, चंद्रकेश सिंह, अभिषेक तिवारी के अलावा पीयूष कान्त राय आदि को डीएसपी से एएसपी बनाया गया है।

फर्जी आईएएस निकला दामाद, बेटी वालों के उड़े होश

गोरखपुर। जिले में बेटी वाले एक परिवार के साथ बड़ा धोखा हो गया। आईएएस दामाद के धोखे में इस परिवार ने अपनी बेटी की शादी इटावा के रहने वाले एक फर्जी शख्स के साथ करा दी। गोरखपुर के नंदानगर इलाके के एक लॉन में धूमधाम से विवाह की रस्में हुईं। शादी में परिवार ने 15 लाख रुपये दहेज दिया और करीब 30 लाख रुपये आयोजन पर खर्च किए। इस तरह कुल 45 लाख रुपए खर्च किए गए। इतने सब के बाद भी परिवार खुश था कि बेटी का रिश्ता अच्छी जगह हो गया लेकिन बेटी की विदाई के बाद जब युवक के फर्जीवाड़े की पोल खुली तो सब सन्न रह गए। परिवार के लोग आनन-फानन में इटावा पहुंचे। वहां बेटी एक कमरे के

मकान में मिली। पता चला कि उसे गोवा ले जाकर बेचने की प्लानिंग थी। फर्जी आईएसए बना युवक और उसकी बहन लड़की के परिजनों को देखते ही फरार हो गए। बेटी को घर लेकर आने के बाद पिता ने कैंट थाने में युवक, उसकी बहन और अन्य के खिलाफ केस दर्ज कराया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मोहद्दीपुर निवासी एक परिवार अपनी पुत्री के लिए रिश्ता तलाश रहा था। निषाद विवाह ग्रुप के माध्यम से उन्हें इटावा लुधियात मोहल्ला इकदिल के प्रीतम कुमार निषाद पुत्र शिवपाल सिंह निषाद का बायोडाटा मिला। संपर्क करने पर प्रीतम ने खुद को आईएएस अधिकारी बताते हुए मानिकपुर में तैनाती की बात कही। विश्वास दिलाने के लिए उसने न्यूज चैनल पर दिए गए कथित इंटरव्यू, ऑफिस और कुछ नेताओं के साथ अपनी फोटो और वीडियो भी भेजी।

प्रीतम ने कहा कि वह बिना दहेज के शादी करेगा लेकिन लड़की पसंद आनी चाहिए। परिवार को आईएएस दामाद मिल रहा था, लिहाजा रिश्ता तत्काल पसंद आ गया। सगाई और विवाह की तारीख तय हो गई। लेकिन सगाई से तीन दिन पहले लड़के ने शादी में खर्च के नाम पर 15 लाख रुपये की मांग कर दी। मजबूरी में परिवार ने सगाई के दिन 10 लाख रुपये नकद दिए, जबकि शेष 5 लाख रुपये शादी के दिन तिलक में दिए। इस दौरान युवक ने कहा कि घर-गृहस्थी का सारा सामान बाद में दीजिएगा, क्योंकि हमारी पोस्टिंग बाहर ही रहती है। 11 मार्च 2026 को नंदानगर स्थित मैरिज लॉन में धूमधाम से शादी हुई, जिसमें पीड़ित ने करीब 30 लाख रुपये खर्च किए। बारातियों के ठहरने की व्यवस्था मोहद्दीपुर स्थित एक होटल में की गई थी।

दुल्हन बनकर गई युवती ने घर लौटने के बाद बताया कि रास्ते में आरोपी उसे गोवा ले जाकर बेचने की योजना बना रहा था और उससे अभद्र व्यवहार भी कर रहा था।

जमीनी विवाद में भाई ने भाई को उतारा मौत के घाट

भीमसेन। गांव सीकुर में शुक्रवार की दोपहर 30 बीघा जमीन के विवाद में भीमसेन (45) की उनके दो भाइयों व भतीजे ने लाठी डंडों, फावड़े और दराती से पीटकर हत्या कर दी। वह बेटी खुशी (17) के साथ खेत पर चारा लेने गए थे, वहीं उनका अपने भाइयों से विवाद हुआ। घटना में खुशी भी घायल हुई है। आरोपियों के भागने पर बेटी ने शोर मचाया, पुलिस के पहुंचने तक वह लहूलुहान हालत में खेत में ही पड़े रहे।

घटना दोपहर करीब ढाई बजे की है। पुलिस के अनुसार भीमसेन और उनकी बेटी खेत में चारा काट रहे थे, तभी उनके बड़े भाई रवेंद्र, छोटा बाई पूरन और उसका बेटा यशवीर पहुंच गए। इन्होंने भीमसेन से अपने हिस्से की जमीन मांगी। इसी पर इनके बीच कहासुनी हो गई और तीनों ने भीमसेन को

पीटना शुरू कर दिया। बचाव में आई खुशी को भी पीटा। उन्होंने बचकर भागने की कोशिश की लेकिन वह चरी के खेत में गिर गए। इसके बाद आरोपियों ने उनके सिर पर लाठी-डंडे, फावड़े व दराती से कई वार किए, अधमरी हालत में छोड़कर भाग गए। खुशी की चीख-पुकार पर गांव के कुछ लोग मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस लहूलुहान हालत में भीमसेन को सासनी सीएचसी लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर सीओ सिटी योगेंद्र कृष्ण नारायण पहुंचे तथा छानबीन की। भीमसेन के बेटे हरकेश की पत्नी वीनेश ने तीनों आरोपियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। हत्या की जानकारी पर एसओजी, सर्विलांस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घटना स्थल से साक्ष्य एकत्रित किए। खेत में खून व अन्य नमूने एकत्रित किए गए। खूने से सने फावड़ा, बैंत, खून से सना गमछा व दराती का पत्ता भी बरामद किया गया। इस दौरान ग्रामीणों से भी पूछताछ की गई। काफी देर तक पुलिस की छानबीन चलती रही। एएसपी रामानंद कुशवाहा ने कहा कि भाइयों में जमीनी विवाद चल रहा था, जिसके चलते झगड़ा हुआ। तीनों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

देश में खुलेंगे 100 नए सैनिक स्कूल

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

देश की रक्षा तैयारियों और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी को नया आयाम देते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ी घोषणाएं की हैं। सैनिक स्कूल घोड़ाखाल के डायमंड जुबली समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने देश भर में 100 नए सैनिक स्कूल खोलने और एनसीसी (NCC) कैडेटों की संख्या में भारी बढ़ोतरी करने का ऐलान किया। रक्षा मंत्री ने युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति के मूल्यों को समाहित करने के उद्देश्य से नेशनल कैडेट कोर (NCC) के विस्तार की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हमने एनसीसी में रिक्तियों की संख्या बढ़ा दी है। पहले जहां भर्ती का लक्ष्य 17 लाख (1.7 मिलियन) था, अब इसे बढ़ाकर 20 लाख (2 मिलियन) करने का निर्णय लिया गया है। इससे अधिक से अधिक बच्चों को राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक संस्कार सीखने का अवसर मिलेगा।

NCC का भी होगा विस्तार: राजनाथ सिंह

सैन्य उन्मुख शिक्षा के दायरे को बढ़ाते हुए राजनाथ सिंह ने बताया कि सरकार पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल के तहत देश में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने जा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये संस्थान न केवल रक्षा सेवाओं के लिए युवाओं को तैयार करते हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए भी उन्हें सक्षम बनाते हैं। रक्षा मंत्री ने सैनिक स्कूलों में लड़कियों के प्रवेश की अनुमति देने के सरकार के फैसले को ऐतिहासिक और क्रांतिकारी बताया। उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर करार देते हुए कहा कि महिला कैडेटों के प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि हमारी बेटियां हर क्षेत्र में बेटों के बराबर हैं।

सैनिक स्कूल घोड़ाखाल की विरासत की सराहना की

पवन सिंह समारोह के दौरान उन्होंने सैनिक स्कूल घोड़ाखाल की विरासत की सराहना की। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि इस अकेले स्कूल ने अब तक 800 से अधिक छात्र नेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA) को दिए हैं। इसके अलावा, सीडीएस (CDS) और एफसीईटी (AFCAT) जैसे विभिन्न माध्यमों से 2,000 से अधिक कैडेट यहां से निकलकर देश की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने छात्रों की शैक्षणिक, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्टता की जमकर तारीफ की। कैडेटों में जोश भरते हुए राजनाथ सिंह ने अनुशासन और तत्परता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने युवाओं को

सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि मैं सभी बच्चों से कहना चाहता हूं- 'तैयार रहें, हमेशा तैयार रहें।' हर परिस्थिति के लिए खुद को तैयार रखें। चुनौतियों से पार पाने के लिए मानसिक मजबूती और शारीरिक फिटनेस अनिवार्य है। उन्होंने अंत में कहा कि एक सशक्त राष्ट्र तभी बनता है जब उसके नागरिक किसी भी आपात स्थिति का सामना करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार हों।

हिमाचल में आर्थिक संकट, CM, मंत्रियों और MLA के वेतन में कटौती

सुक्खू सरकार ने सरकारी अफसरों और जजों की भी सैलरी रोकी

महानगर नेटवर्क
शिमला

हिमाचल बजट में सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बड़ा ऐलान किया है। प्रदेश की गंभीर आर्थिक स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री के वेतन का 50 प्रतिशत, मंत्रियों के वेतन का 30 प्रतिशत और विधायकों के वेतन का 30 प्रतिशत अस्थाई रूप से रोका गया है और आगामी 6 महीनों के लिए पूरा वेतन देने पर रोक लगाई गई है। इसके अलावा, सीएम ने आला अधिकारियों के वेतन का भी 30 प्रतिशत रोका दिया है। जिलों के न्यायाधीशों के वेतन का 20 प्रतिशत रोका गया है। हालांकि, अन्य थर्ड और फोर्थ क्लास के सभी कर्मचारियों को पूरा वेतन मिलेगा। सीएम ने कहा कि हाई कोर्ट के न्यायाधीश अपने विवेक से फैसला ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये फैसला अस्थाई है और आर्थिक स्थिति ठीक होने के बाद पूरा

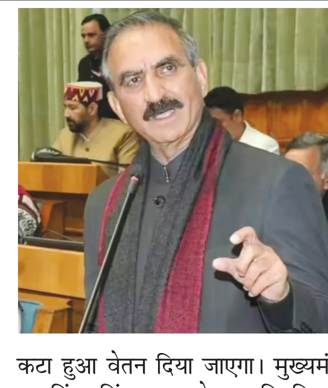

कटा हुआ वेतन दिया जाएगा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि पिछली सरकारों के समय वेतन और पेंशन से जुड़ी देनदारियां बढ़कर करीब 13,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई थीं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वर्तमान सरकार कर्मचारियों और पेंशनरों के सभी भुगतान समय पर और व्यवस्थित तरीके से करेगी और उनके हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि इस स्थिति को देखते हुए उनका अपना वेतन 50 प्रतिशत, उपमुख्यमंत्री का 30 प्रतिशत, मंत्रिमंडल के सदस्यों का 30 प्रतिशत और विधायकों का 20 प्रतिशत वेतन अगले छह महीने के लिए अस्थायी रूप से डिफर किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कदम उन्होंने खुद से शुरू किया है और इसमें वे स्वयं भी शामिल हैं। इसके अलावा सभी चेयरमैन, वाइस चेयरमैन, डिप्टी चेयरमैन और सलाहकारों के वेतन का 20 प्रतिशत हिस्सा भी इसी अवधि के लिए डिफर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस और वन अधिकारियों के स्तर पर भी योगदान सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव और सभी प्रधान सचिवों के वेतन का 30 प्रतिशत, जबकि सचिवों और विभागाध्यक्षों के वेतन का 20 प्रतिशत डिफर किया जाएगा।

असम विधानसभा चुनाव में टीएमसी की एंट्री

जारी कर दी 17 प्रत्याशियों की लिस्ट, 6 मुस्लिमों को टिकट

नई दिल्ली। असम चुनाव में भी ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (TMC) की जोरदार एंट्री हो गई है। टीएमसी ने विधानसभा चुनाव के लिए 17 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। टीएमसी ने 17 में से 6 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है। 126 सीटों वाली असम विधानसबा के लिए 9 अप्रैल को वोटिंग होनी है और वोटों की गिनती 4 मई को की जाएगी। टीएमसी ने अब तक 17 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। कोकराझार जिल के बाओखुंगरी सीट से उदंगश्री नरजरारी, धुबरी जिले की बिलासीपारा से मोमिननुर इस्लाम को टिकट दिया गया है। इसके अलावा गोलपापा जिले की जलेस्वर सीट से आरिफ अख्तर अहमद, बोंगईगांव की अभयापुरी सीट से कौशिक रंजन दास और बजाली सीट से कल्याणी कलिता को उम्मीदवार बनाया गया है।

कामरूप की चमरिया सीट से दुलु अहमद, बोको चायगांव से भोगलाल राभा, नलबाड़ी जिले की बारखेत्री सीट से अमीरुल इस्लाम, तमुलपुर जिले की गोरेस्वर सीट से राजन चौहान और दररांग जिले की मंगलदाई सीट से हरे कृष्ण डेका को टिकट दिया गया है। धेमाजी से नरेंद्र कुमार पाव, डिगबोई से जितेन नाग और मुकुम से दिलीप मोरान को प्रत्याशी बनाया गया है। इसके अलावा उद्धारबंद से तपस दास, कटिगोराह से फजलुर रहमान लस्कर और सोनाई सीट से शाहजहां लस्कर को मैदान में उतारा गया है।

बता दें कि असम में बीजेपी और कांग्रेस की ही टक्कर मानी जाती है। ऐसे में टीएमसी तीसरा विकल्प पेश करने के लिए जोर लगा रही है। टीएमसी का प्रयास है कि वह प्रमुख सीटों पर मजबूत दावेदारी पेश करे।

आरजी कर अस्पताल की लिफ्ट में फंसने से शख्स की मौत

महानगर नेटवर्क
कोलकाता

कोलकाता का सरकारी आर जी कर अस्पताल एक बार फिर से सुर्खियों में है। यहां की लिफ्ट में कथित तौर पर फंसने से शुक्रवार को एक व्यक्ति की मौत हो गई जिसके बाद भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने इसे हत्या करार दिया और इस घटना के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दोषी ठहराया। भाजपा ने जहां राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली में भ्रष्टाचार को घटना का कारण बताया, वहीं अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग की प्रभारी मुख्यमंत्री बनर्जी, स्वास्थ्य सचिव नारायण स्वरूप निगम और अस्पताल के अधीक्षक को मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। पश्चिम बंगाल की निवर्तमान विधानसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया कि आर जी कर मेडिकल कॉलेज में जिस लिफ्ट में उस व्यक्ति की मृत्यु हुई, उसकी घटना के समय मरम्मत की जा रही थी।

उन्होंने पूर्वी मेदिनीपुर के महिषादल में चुनाव प्रचार करते हुए पत्रकारों से कहा, ₹मेरे पास दस्तावेज हैं... उन्होंने जानबूझकर मरम्मत के दौरान चल रही लिफ्ट का इस्तेमाल करके (उस व्यक्ति की) हत्या कर दी। इस मामले

भाजपा ने बताया मर्डर

में तुरंत हत्या का मामला दर्ज किया जाना चाहिए।₹ नंदीग्राम में अपने गढ़ से चुनाव लड़ने के अलावा, अधिकारी राज्य चुनावों में भाबानीपुर में बनर्जी के खिलाफ भी चुनाव लड़ रहे हैं। इस मौत ने चुनावों से पहले विपक्षी दल को नया हथियार दे दिया है। यह घटना तब घटी जब पीड़ित अपने चार वर्षीय बेटे को आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में इलाज के लिए लेकर आया था।

आरोप है कि ट्रॉमा केयर यूनिट में वह अपनी पत्नी के साथ लिफ्ट में फंस गए, जब लिफ्ट अचानक खराब हो गई। परिवार ने यह भी दावा किया कि लिफ्ट में कोई लिफ्टमैन मौजूद नहीं था। अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि करीब 40 वर्षीय उस व्यक्ति को जब आपातकालीन इकाई में लाया गया तो उसकी नाक से खून बह रहा था। उन्होंने कहा कि मृत्यु के कारण का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम कराया जाएगा। अस्पताल की रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष और कोलकाता के उप महापौर अतीन घोष ने स्वीकार किया कि कुछ चूक हो सकती है जिसके कारण यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना₹ घटी। घोष ने कहा कि पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी। इस घटना का फायदा उठाते हुए शुभेंदु अधिकारी ने मौजूदा ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोला और अस्पताल अधिकारियों को प्रत्यक्ष हत्यारा तथा स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य सचिव को अप्रत्यक्ष हत्यारा करार दिया।

टीएमसी सरकार पर भड़की बंगाल भाजपा

भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई ने भी इस घटना को लेकर तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और कहा कि आरजी कर अस्पताल एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है और सरकार पर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के प्रति लापरवाही का आरोप लगाया। पार्टी ने दावा किया कि यह घटना इसलिए हुई क्योंकि लिफ्ट ऑपरेटर मौजूद नहीं था और मरम्मत कार्य के दौरान भी लिफ्ट को बंद नहीं किया गया था।

भाजपा ने केरल और पुडुचेरी के लिए जारी की उम्मीदवारों की लिस्ट

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने आगामी 2026 विधानसभा चुनावों के लिए अपनी तैयारियां तेज करते हुए शनिवार को केरल और पुडुचेरी के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पुडुचेरी के लिए भाजपा ने 9 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की है जबकि केरल के लिए ये तीसरी लिस्ट है। पुडुचेरी विधानसभा में कुल 30 सीटें हैं, और सरकार बनाने के लिए 16 सीटों के बहुमत की जरूरत होती है। वहीं केरल विधानसभा में कुल 140 सीटें हैं। यहां बहुमत का जादुई आंकड़ा 71 है।

भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए 21 मार्च को अपनी तीसरी सूची जारी की है। केरल की राजनीति में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ 'लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट' (LDF) और विपक्षी 'यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट' (UDF) के बीच रहा है। वर्तमान में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व में LDF लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है। वहीं, कांग्रेस के नेतृत्व वाला UDF सत्ता में वापसी की राह देख रहा है। इसके अलावा, भाजपा के नेतृत्व वाला NDA इस बार केरल में मजबूती से सेंधमारी करने की पूरी कोशिश कर रहा है। पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेश के लिए भाजपा ने शनिवार को अपनी पहली सूची जारी की है, जिसमें 9 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। उम्मीदवारों के नामों को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (CEC) द्वारा अंतिम रूप दिया गया। इस बैठक की अध्यक्षता नितिन नबीन ने की और इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह और अमित शाह सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। पुडुचेरी की सभी 30 विधानसभा सीटों पर 9 अप्रैल को मतदान निर्धारित है, और चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी या गठबंधन को कम से कम 16 सीटों पर जीत दर्ज करने की आवश्यकता होगी। पुडुचेरी में फिलहाल NDA गठबंधन (AINRC और भाजपा) की सरकार चल रही है। यहां भाजपा अपना दबदबा और मजबूत करने के इरादे से मैदान में उतरी है ताकि गठबंधन की सत्ता बरकरार रखी जा सके।

ईद पर भोपाल में अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के नारे

- राजस्थान में लोगों ने काली पट्टी बांधी
- बंगाल में 'बाबरी मस्जिद' की साइट पर पहली बार नमाज

भोपाल। देशभर में आज ईद मनाई जा रही है। इस दौरान अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का असर दौराने को मिला है। शिया समुदाय के लोगों ने श्रीनगर, भोपाल, जयपुर, अजमेर, सीकर, बंगाल के मुर्शिदाबाद और यूपी के संभल में नमाज के दौरान लोग काली पट्टी बांधकर पहुंचे।भोपाल के इमामबाड़ा में अयातुल्लाह अली खामेनेई की तस्वीर रखकर श्रद्धांजलि दी गई। तकरीर में मौलाना राजी उल हसन ने जुल्म के खिलाफ खड़े होने की बात कही। शिया समुदाय ने फतेहगढ़ इमामबाड़ा में काली ईद मनाई। नमाज के बाद अमेरिका और इजराइल मुर्दाबाद के नारे लगे। राजस्थान के जयपुर, सीकर, अजमेर सहित कई जिलों में काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की गई। मस्जिदों पर काले झंडे लगाए गए थे। शिया समुदाय ने विरोध में आज नए कपड़े भी नहीं पहने। घरों में बनने वाले परंपरिक भोजन खीर, सेवइयां भी नहीं बनाई गईं। मस्जिदों में ईद की नमाज पढ़ने के लिए लोग इकट्ठे हो रहे हैं। ईद-उल-फित्र के मौके पर राजस्थान के अजमेर में ख्वाजा गरीब नवाज दरगाह शरीफ में सुबह 5 बजे दरगाह का 'जन्नती दरवाजा' खोला गया।

होर्मुज में फंसे भारतीय टैंकर को निकालने में ईरानी नौसेना ने की थी मदद

तेहरान। अमेरिका से जंग के बीच ईरान ने कई दिनों से होर्मुज स्ट्रेट से तेल के जहाजों को गुजरने पर रोक लगाई हुई है। कई देशों के जहाजों को उसने पानी में डुबो दिया है। हालांकि, भारत को बड़ी कूटनीतिक सफलता पिछले हफ्ते तब मिली, जब दो एलपीजी टैंकरों को उसने होर्मुज पार करने की इजाजत दे दी। इस मामले में अब बड़ा खुलासा हुआ है। पिछले हफ्ते होर्मुज के रास्ते भारत पहुंचे जहाज के बारे में एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि खुद ईरानी नौसेना ने टैंकर को होर्मुज से गुजरने में भारत की मदद की थी। नई दिल्ली की कूटनीतिक कोशिशों के बाद, जहाज को पहले से तय रास्ते से गुजरने की इजाजत

दी गई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने अपना नाम न बताने की शर्त रखी, क्योंकि उनके जहाज के क्रू को मीडिया से बात करने की इजाजत नहीं थी। उनकी बात से विश्लेषकों की इस राय की पुष्टि होती दिखती है कि ईरान इस स्ट्रेट में एक ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम लागू करने की कोशिश कर रहा है। इसके तहत वह अपने दोस्त देशों के जहाजों को सुरक्षित रास्ता देता है, जबकि दूसरों को हमले का डर बना रहता है। उन्होंने बताया कि इस यात्रा के दौरान, अधिकारी का जहाज रेडियो के जरिए ईरानी नौसेना के संपर्क में था। ईरानियों ने जहाज के झंडे, नाम, शुरू होने और पहुंचने वाले बंदरगाहों, और चालक दल के सदस्यों की राष्ट्रीयता, जो सभी भारतीय थे, की जानकारी ली, और उन्हें एक तय रास्ते पर आगे बढ़ने का निर्देश दिया। ईओएस रिस्क ग्रुप में सलाहकार विभाग के प्रमुख मार्टिन केली ने कहा कि ऐसा लगता है कि ईरान कुछ चुनिंदा जहाज़ों को ही होर्मुज से गुजरने की अनुमति दे रहा है, और यह अनुमति जहाजों के ईरानी जलक्षेत्र में प्रवेश करने के दौरान होने वाली जांच-पड़ताल के बाद दी जाती है।

कमजोर होते रुपये और फ्यूल की कीमत पर राहुल ने जताई चिंता

कहा- हर जेब पर महंगाई का असर पड़ना तय

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने डॉलर के मुकाबले रुपए के स्तर के गिरने और इंस्ट्रीयल फ्यूल की कीमत बढ़ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने X पोस्ट में लिखा- रुपये का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी, ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं। उन्होंने लिखा कि सरकार चाहे इसे नॉर्मल बताए, लेकिन हकीकत ये है कि उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे, MSMEs को सबसे ज्यादा चोट लगेगी, रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ेंगे।

राहुल ने लिखा किविदेशी संस्थागत

निवेशक (FII) का पैसा और तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा। यानी हर परिवार की जेब पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ना तय है। उन्होंने लिखा है कि सवाल यह नहीं कि सरकार क्या कह रही है, सवाल यह है कि आपकी थाली में क्या बचा है।

अमेरिका में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसे भारतवंशी जज

चुनावी फंड के दुरुपयोग में दोषी करार

नई दिल्ली। अमेरिका के टेक्सास राज्य में भारतीय मूल के एक काउंटी जज को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में दोषी ठहराया गया है। जूरी के फैसले के बाद अब उन्हें जेल की सजा और पद से हटाए जाने का सामना करना पड़ सकता है। केपी जॉर्ज जो फोर्ट बेंड काउंटी के जज हैं उनको चुनावी फंड के गलत इस्तेमाल का दोषी पाया गया है। यह काउंटी अमेरिका के सबसे विविध इलाकों में से एक है, जहां बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं। टेक्सास कानून के तहत यह तीसरी श्रेणी का अपराध है, जिसमें 2 से 10 साल तक की जेल और 10000 डॉलर तक का जुर्माना हो सकता है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, के पी जॉर्ज ने अपने चुनावी फंड से 46,000 डॉलर से ज्यादा रकम अपने निजी खातों में ट्रांसफर की। इस पैसे का इस्तेमाल उन्होंने निजी कामों के लिए किया, जिसमें घर से जुड़ा खर्च भी शामिल था। हालांकि बचाव पक्ष का कहना है कि यह पैसा उनके द्वारा चुनाव अभियान को दिए गए निजी कर्ज की भरपाई के रूप में लिया गया था।

जूरी ने कई घंटों की बहस के बाद उन्हें दोषी करार दिया। फैसले के बाद उन्हें कोर्ट में ही हिरासत में लिया गया।

बौद्धिक दिवालियापन और बेतुकी सोच

RSS बैन करने वाली अमेरिकी रिपोर्ट पर भड़के 275 से ज्यादा पूर्व जज

वॉशिंगटन। 275 से ज्यादा पूर्व जजों, सिविल सेवकों और सेना के पूर्व अधिकारियों ने अमेरिका की 'यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम' (USCIRF) की हालिया रिपोर्ट की आलोचना की है, जिसमें आरएसएस पर बैन लगाने की सिफारिश की गई थी। इसे पूरी तरह से किसी खास मकसद से प्रेरित बताते हुए, उन्होंने कहा कि यह बौद्धिक दिवालियापन और बेतुकी सोच को दिखाता है।

शनिवार को जारी एक संयुक्त बयान में, उन्होंने अमेरिकी सरकार से आग्रह किया कि वह USCIRF की इस 'पूरी तरह से पक्षपाती और

बेबुनियाद रिपोर्ट' में योगदान देने वाले सभी लोगों का कड़ा बैकग्राउंड चेक करवाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इन लोगों के अपने निजी स्वार्थ हैं, जिनका मकसद भारत के लोगों के बीच उनकी अच्छी छवि को खराब करना है। बयान पर दस्तखत करने वालों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि USCIRF की यह सिफारिश कि संपत्ति जब्त की जाए, भारतीय नागरिकों की आवाजाही पर रोक लगाई जाए और आरएसएस से जुड़े लोगों पर पाबंदियां लगाई जाएं, पूरी तरह से किसी खास मकसद से प्रेरित है, और यह बौद्धिक दिवालियापन और बेतुके नतीजों को दिखाता है। आगे कहा गया है कि USCIRF के सभी छह कमिश्नरों को अमेरिकी सरकार नियुक्त करती है और अमेरिकी कांग्रेस के जरिए अमेरिकी टैक्सपेयर्स उन्हें फंड देते हैं। हम अमेरिकी सरकार से अपील करते हैं कि वह USCIRF में इस रिपोर्ट में योगदान देने वाले सभी लोगों का कड़ा बैकग्राउंड चेक करवाए। उन्होंने आगे कहा कि यह अमेरिका के टैक्सपेयर्स के लिए आंखें खोलने वाला होगा।

सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 2 करोड़ का हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद

सूरत। गुजरात से हाइड्रोपोनिक गांजे की तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है। सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट (IX-263) से करीब 2 करोड़ रुपये का गांजा बरामद किया गया है। इस मामले में अब तक 3 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एयर इंटेलिजेंस यूनिट (AIU) ने 20 मार्च 2026 को जब विमान की तलाशी शुरू की। उस दौरान सीट नंबर 28A, 28B, 28E और 28F की बैकरेस्ट से ब्राउन टेप में लिपटे सात वैक्यूम-पैक पॉलीथीन पैकेट जब्त किए। मामले की जांच करने पर दो यात्रियों को हिरासत में लिया गया। दोनों आरोपियों ने पूछताछ के दौरान मामले में अपने शामिल होने को स्वीकार किया और एक अन्य साथी का नाम भी उजागर किया। मिली जानकारी के आधार पर तीसरे आरोपी को सूरत से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट (IX-1264) से गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें, बरामद पदार्थ की जांच में यह मारिजुआना (कैनबिस) निकला है, जिसे एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत जब्त कर लिया गया है।

देश में सेमाग्लूटाइड की घोषणा

नई दिल्ली। अनुसंधान-आधारित वैश्विक फार्मास्यूटिकल कंपनी ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने भारत में टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के प्रबंधन के लिए GLIPIQ (सेमाग्लूटाइड) के लॉन्च की घोषणा की।

यह जीएलपी-1 थेरेपी को अधिक किफायती बनाते हुए एक नया मानक स्थापित करता है और मरीजों के लिए उन्नत डायबिटीज उपचार तक पहुंच को बढ़ाता है। कई मरीजों के लिए उन्नत इंजेक्टेबल थेरेपी शुरू करने का निर्णय अक्सर लागत और जटिलता के कारण टल जाता है। किफायती उपलब्धता में महत्वपूर्ण सुधार करके, GLIPIQ का उद्देश्य जीएलपी-1 थेरेपी तक पहुंच का विस्तार करना और अधिक व्यापक मरीज समूह में उपचार की शुरुआत को पहले संभव बनाना है। GLIPIQ वायल और प्री-फिल्ड पेन दोनों रूपों में उपलब्ध है। इस उत्पाद को भारत में किए गए एक बहु-केंद्रित, रैंडमाइज़्ड, तुलनात्मक, एक्टिव-कंट्रोल्ड, ओपन-लेबल फेज़ III क्लिनिकल अध्ययन के बाद सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन द्वारा अनुमोदित किया गया है, जिसमें टाइप 2 डायबिटीज़ वाले भारतीय मरीजों में अनुकूल प्रभावकारिता और सुरक्षा परिणाम प्रदर्शित हुए।

लाइन में आम जनता, काउंटर पर दलाल

राउरकेला। चाईबासा, चक्रधरपुर और राउरकेला रेलवे स्टेशनों पर तत्काल टिकट को लेकर बड़ा घोटाला सामने आया है, जहां आम यात्रियों को टिकट मिलना मुश्किल होता जा रहा है। चक्रधरपुर रेलमंडल के राउरकेला स्टेशन पर आरोप है कि पिछले कई महीनों से रिजर्वेशन काउंटरों पर दलालों का कब्जा है।

कथित तौर पर आरपीएफ और कमर्शियल क्लर्क की मिलीभगत से यह अवैध कारोबार खुलेआम चल रहा है, जिसका खामियाजा आम यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार दलालों

के इशारे पर रात करीब 10 बजे से ही रिजर्वेशन काउंटर के बाहर उनके लोग लाइन में लग जाते हैं। हैरानी की बात यह है कि लाइन में रोजाना वही चेहरे नजर आते हैं, जो कथित रूप से दलालों के लिए जगह घेरते हैं। बताया जा रहा है कि राउरकेला स्टेशन के मुख्य द्वार पर स्थित तीन टिकट काउंटर और सेकेंड एंट्री के एक काउंटर पर तत्काल टिकट के समय दलालों का पूरा कब्जा हो जाता है। इसका सीधा असर आम यात्रियों पर पड़ रहा है, जिन्हें आपातकालीन यात्रा के लिए तत्काल टिकट नहीं मिल पाता। मजबूरी में यात्रियों को दलालों के माध्यम से महंगे दामों पर टिकट खरीदना पड़ रहा है।

दलालों का नेटवर्क और वसूली का खेल

मामला केवल राउरकेला तक सीमित नहीं है। पानपोश, कलूंगा और बीरमित्रपुर रेलवे स्टेशनों पर भी दलालों के सक्रिय होने की बात सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, आरपीएफ द्वारा राउरकेला के चार काउंटरों से रोजाना करीब 4 हजार रुपये की वसूली की जाती है।वहीं, पानपोश से प्रतिमाह लगभग 20 हजार रुपये, कलूंगा से 15 हजार रुपये और बीरमित्रपुर से करीब 20 हजार रुपये की कथित उगाही की चर्चा है। इस तरह हर महीने कुल अवैध वसूली लगभग 1 लाख 70 हजार रुपये तक पहुंच जाती है, जिसका आपस में बंटवारा किया जाता है। आरोप है कि आरपीएफ दलालों को कार्रवाई से बचाती है और तत्काल टिकट के समय काउंटर को उनके कब्जे में छोड़ देती है। वहीं काउंटर पर बैठा क्लर्क भी दलालों के टिकट निकालने के एवज में प्रति यात्री 500 से 1000 रुपये तक वसूलता है।

टिकट माफिया के आगे बेबस सिस्टम और यात्रियों की जेब पर डाका!

सिस्टम में मिलीभगत के आरोप

बताया जा रहा है कि इस अवैध वसूली से क्लर्कों को भी रोजाना हजारों रुपये की कमाई होती है, जो 5 हजार से 10 हजार रुपये तक पहुंच जाती है। आरोप है कि यह रकम ऊपर तक पहुंचती है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बीरमित्रपुर में टिकटों की कालाबाजारी का कथित मास्टरमाइंड चक्रधरपुर रेलमंडल के कमर्शियल विभाग का ही एक कर्मचारी बताया जा रहा है। इसके चलते मिलीभगत की आशंका और गहरी हो जाती है।

सुहागिन लुक में चार चांद लगा देंगी लाल चूड़ियां

दो रंग मिलाकर पहनें रेड चूड़ियां

आजकल दो रंग की चूड़ियों को एक साथ मिक्स एंड मैच कर के पहनने का ट्रेंड शुरू हो गया है। आप भी अपनी लाल चूड़ियों के साथ दूसरे किसी डार्क रंग जैसे हरा, रानी पिंक या ब्लू को मिक्स कर के वियर कर सकती हैं। बहुत ही यूनिक और खूबसूरत लुक आता है।

कश्मीरी बैंगल्स के साथ पहनें चूड़ियां

कश्मीरी बैंगल्स का क्रेज आप सोशल मीडिया पर देख ही सकती हैं। ऐसे में एक पेयर तो आपको भी ले ही लेना चाहिए। प्लेन रेड चूड़ियों के साथ आप इस तरह से इन्हें मैच कर के वियर कर सकती हैं। साड़ी के अलावा सूट और कुर्ती के साथ भी ये डिजाइन बहुत सुंदर लगेगा।

गोल्डन चूड़ियों को बैंगल्स की तरह स्टैक करें

जरूरी नहीं है कि हमेशा गोल्डन बैंगल्स के साथ ही आप चूड़ियां स्टाइल करें। गोल्डन रंग की स्टोन वाली चूड़ियों को स्टैक कर के आप बैंगल्स की तरह वियर कर सकती हैं। बीच में खूब सारी लाल चूड़ियां पहन लें, लुक इतना प्यारा आएगा कि आपकी सहेलियों भी अगली बार इसी स्टाइल को कॉपी करती नजर आएंगी।

स्टेटमेंट कड़े के साथ वियर करें

अगर आपके पास कोई भी स्टेटमेंट बैंगल है तो इस तरह बीच में लगाकर स्टाइल किया जा सकता है। ये काफी सुंदर लगता है। सूट के साथ खासतौर से इसी तरह के मिनिमल लुक अच्छे लगते हैं। आप चाहें तो इसी तरह का घुंघरू वाला बैंगल ले सकती हैं, बहुत ही ज्यादा अच्छा लगेगा।

गोल्डन बैंगल्स साथ बनाएं लाल चूड़ियों का सेट

नवरात्रि के पूजा के लिए साड़ी पहनकर पूरे सुहागिन लुक में तैयार हो रही हैं, तो गोल्डन बैंगल्स के साथ इस तरह से सेट बनाकर पहन सकती हैं। ये क्लासिक मिक्स एंड मैच डिजाइन बहुत ही सुंदर लगता है। बीच-बीच में आप गोल्डन स्टोन वाली चूड़ियां लगा सकती हैं, इससे लुक और भी अच्छा लगेगा।

नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्माण्डा की पूजा

नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता है कि मां कूष्मांडा की पूजा करने से रोग, शोक व कष्ट दूर होते हैं और धन, यश व आय में वृद्धि होती है। मां दुर्गा के चतुर्थ स्वरूप की उपासना से घर में सुख-समृद्धि व उन्नति आने की भी मान्यता है। हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार, मां कूष्मांडा सूर्यमंडल के भीतर के लोक में वास करती हैं और मां के शरीर की कांति भी सूर्य के समान तेज हैं। मां के तेज व प्रकाश से सभी दिशाएं प्रकाशित हो रही हैं।

मां कूष्मांडा का स्वरूप : मां कूष्मांडा की आठ भुजाएं हैं, इसलिए मां को अष्टभुजा देवी भी कहा जाता है। मां के **सातों हाथ में क्रमश :** कमंडल, धनुष, बाण, कमल (पुष्प), अमृतपूर्ण कलश, चक्र, गदा व जपमाला है। मां कूष्मांडा की सवारी शेर है। जानें मां कूष्मांडा की पूजा विधि, स्वरूप, प्रिय भोग, पुष्प, शुभ रंग व मंत्र।

मां कूष्मांडा की पूजा विधि : सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान आदि करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद मां कूष्मांडा का ध्यान करते हुए मां दुर्गा को धूप, गंध, अक्षत, लाल पुष्प, फल, श्रृंगार का सामान व मिठाई आदि अर्पित करें। माता रानी को भोग लगाएं। अंत में मां की आरती उतारें और मंत्रों का जाप करें।

मां कूष्मांडा प्रिय फूल:

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, मां कुष्मांडा को लाल रंग के फूल प्रिय हैं, जैसे- लाल कमल, लाल गुड़हल और गेंदे के फूल। कहते हैं कि मां कूष्मांडा को लाल रंग के पुष्प अर्पित करने से उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है।

मां कूष्मांडा का प्रिय भोग : मान्यता है कि मां कूष्मांडा का प्रिय भोग मालपुआ है। इसके अलावा मां को दही व हलवे का भोग भी लगाया जा सकता है। मान्यता है कि मां को उनका प्रिय भोग लगाने से भक्त को मनवांछित फल की प्राप्ति होती है।

मां कूष्मांडा के मंत्र :

मां कूष्मांडा के मुख्य मंत्र इस प्रकार हैं-

मां कूष्मांडा का मंत्र (मंत्र) : ॐ देवी कूष्माण्डायै नम : ॥

मां कूष्मांडा का बीज मंत्र : ऐं ह्री क्लीं कूष्मांडायै नम :

मां कूष्मांडा का स्तुति मंत्र : या देवी सर्वभूतेषु मां कूष्माण्डा रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम : ॥

नवरात्रि के चौथे दिन का शुभ रंग : नवरात्रि के चौथे दिन का शुभ रंग हरा माना गया है। मान्यता है कि मां कूष्मांडा को हरा रंग अतिप्रिय है।

गर्मियों में सत्तू पीने से सेहत को मिलते हैं ये फायदे

गर्मियों का मौसम शुरू होते ही लोग बॉडी का कूल बनाए रखने के लिए ठंडी तासीर की चीजों को डाइट में शामिल करना शुरू कर देते हैं। यही वो मौसम होता है जब छाछ, लस्सी, नींबू पानी और शरबत की डिमांड लोगों के बीच काफी ज्यादा बढ़ जाती है। लेकिन क्या जानते हैं इन सबके अलावा एक और ऐसी चीज है, जो स्वाद के साथ सेहत के लिए भी वरदान मानी जाती है। जी हां, हम बात कर रहे हैं ठंडे-चटपटे सत्तू की। लू के थपेड़ों के बीच सत्तू का एक गिलास अमृत जैसा महसूस होता है। आज दुनिया के बड़े-बड़े 'हेल्थ कैफे' की शान बन चुका सत्तू प्रोटीन और फाइबर का पावरहाउस है, जो आधुनिक सप्लीमेंट्स तक को मात देता है। इसके नियमित सेवन से आप वेट लॉस से लेकर ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी समस्याओं को भी कंट्रोल में रख सकते हैं।

सत्तू, भुने हुए चने के आटे से बनाया जाता है, जो लंबे समय से खासकर गर्मियों के मौसम में भारतीय परिवारों का हिस्सा रहा है। अपनी ठंडी तासीर और पौष्टिक गुणों के कारण यह पारंपरिक ड्रिंक आजकल फिर से लोकप्रिय हो रही है। पैकेज्ड और मीठे ड्रिंक्स की जगह सत्तू एक प्राकृतिक और हेल्दी विकल्प माना जाता है। पोषक तत्वों से भरपूर सत्तू को अगर संतुलित डाइट का हिस्सा बनाया जाए तो यह सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद हो सकता है।

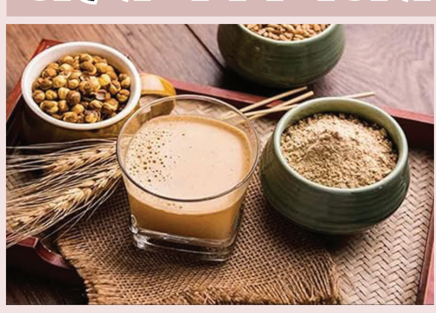

1. प्लांट-बेस्ड प्रोटीन का रिच सोर्स

सत्तू में प्राकृतिक रूप से अच्छी मात्रा में प्रोटीन होता है, इसलिए यह शाकाहारी लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। इसका नियमित सेवन मांसपेशियों को मजबूत बनाने, टिश्यू रिपेयर करने और लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद कर सकता है।

2. वजन नियंत्रित रखने में मददगार

सत्तू में प्रोटीन और फाइबर दोनों अच्छी मात्रा में होते हैं, जो जल्दी भूख लगने की समस्या को कम करते हैं। इससे बार-बार खाने की इच्छा कम होती है और वजन मैनेज करने में मदद मिलती है। तो अगर आपका वजन अधिक है, तो आप रोज सुबह खाली पेट सत्तू का पानी पी सकते हैं।

3. पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है

सत्तू में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर बनाकर मल त्याग को आसान और नियमित रखता है। जिससे कब्ज और पेट फूलने जैसी समस्याओं में भी राहत मिल सकती है।

4. शरीर को प्राकृतिक ऊर्जा देता है

सत्तू को नेचुरल एनर्जी ड्रिंक भी कहा जाता है। इसमें मौजूद कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन शरीर को धीरे-धीरे ऊर्जा देते हैं, जिससे अचानक ब्लड शुगर बढ़ने की समस्या नहीं होती।

5. ब्लड शुगर को संतुलित रखने में सहायक

सत्तू का ग्लाइसेमिक इंडेक्स (GI) कम होता है, जो शुगर लेवल को अचानक बढ़ने से रोकता है। साथ ही, इसमें मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने में मदद करते हैं।

6. शरीर को ठंडक और हाइड्रेशन देता है

गर्मियों में सत्तू पीना बहुत फायदेमंद माना जाता है। यह शरीर को ठंडक देता है और हाइड्रेशन बनाए रखने में मदद करता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। आप अपने विचारों को सही दिशा में लगाएंगे तो अच्छे परिणाम मिलेंगे। काम का दबाव अधिक रहेगा और दिनचर्या थोड़ी अस्त-व्यस्त हो सकती है। आपको सलाह दी जाती है कि जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें और धैर्य बनाए रखें।

वृषभ राशि - आज का दिन आपके लिए मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। कभी आत्मविश्वास बढ़ेगा तो कभी मन में चिंता बनी रहेगी। पारिवारिक मामलों को लेकर आप थोड़े भावुक हो सकते हैं, लेकिन संयम से काम लेने पर स्थितियां संभल जाएंगी।

मिथुन राशि - आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। अनावश्यक क्रोध और वाद-विवाद से बचना जरूरी है। यदि आप अपने व्यवहार में संयम रखेंगे तो कई समस्याएं खुद ही सुलझ जाएंगी। मित्रों की मदद से आय के नए साधन बन सकते हैं। खर्चों में वृद्धि आपको परेशान कर सकती है, लेकिन संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

कर्क राशि - आज आपको धैर्य और संयम से काम लेने की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में बदलाव के संकेत मिल सकते हैं, जिससे शुरुआत में परेशानी होगी लेकिन आगे चलकर लाभ होगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और मन को शांति मिलेगी।

सिंह राशि - आज आपका मन प्रसन्न रहेगा और आप ऊर्जा से भरे रहेंगे। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। हालांकि कार्यक्षेत्र में कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं, लेकिन आप अपनी मेहनत और समझदारी से उन्हें पार कर लेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी है।

कन्या राशि - आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप अपने कार्यों को पूरी लगन से पूरा करेंगे। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और नई योजनाएं सफल होंगी। हालांकि अति उत्साह से बचना जरूरी है। परिवार में कुछ मतभेद हो सकते हैं, जिन्हें समझदारी से सुलझाना होगा।

तुला राशि-आज सभी कार्य सफल रहेंगे. पैतृक संपत्ति से लाभ मिल सकता है. कार्यक्षेत्र में सावधानी रखें. कार्य में सफलता और सम्मान मिलेगा. पैतृक लाभ संभव है. जीवनसाथी और परिवार का सहयोग मिलेगा.

वृश्चिक राशि - आज का दिन मिला-जुला रहेगा. जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद होगी. वित्तीय फैसले सोच-समझकर लें. कार्यालय में सतर्कता जरूरी है. बड़े फैसले सोचकर लें. परिवार और रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा.

धनु राशि- आज आपका मन शांत रहेगा और आप संतुष्टि महसूस करेंगे। परिवार में सामंजस्य बना रहेगा और बच्चों से खुशी मिलेगी। हालांकि खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए बजट बनाकर चलें। जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकते हैं, जिन्हें समझदारी से सुलझाना होगा।

मकर राशि - आज आपका झुकाव धर्म और कला की ओर रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। मित्रों के सहयोग से आपको धन लाभ हो सकता है। मानसिक तनाव बना रह सकता है, इसलिए ध्यान और योग करना लाभकारी रहेगा।

कुंभ राशि- आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। अधिक मेहनत करनी पड़ेगी और सफलता थोड़ी देर से मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा और यात्रा के योग भी बन सकते हैं।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा। शिक्षा और करियर में सफलता मिलेगी और परिवार का सहयोग भी मिलेगा। मन प्रसन्न रहेगा और आप अपने कार्यों को पूरे आत्मविश्वास के साथ पूरा करेंगे। संपत्ति से जुड़ा लाभ भी मिल सकता है।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

त्वचा को साफ और चमकदार बनाने का आसान घरेलू नुस्खा

चेहरे पर काले और भूरे दाग-धब्बे आजकल एक आम समस्या बन चुके हैं। धूप में ज्यादा रहना, पिंपल्स के निशान, हार्मोनल बदलाव और पिगमेंटेशन जैसी वजहों से त्वचा की रंगत असमान दिखने लगती है। कई लोग इन दागों को हटाने के लिए महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन हर बार केमिकल्स का इस्तेमाल करना जरूरी नहीं होता। कुछ आसान घरेलू उपाय भी त्वचा को साफ और बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। खास बात यह है कि ऐसे उपाय ना सिर्फ किफायती होते हैं, बल्कि इन्हें घर पर आसानी से तैयार भी किया जा सकता है। ऐसा ही एक आसान उपाय है नींबू और गुड़ का इस्तेमाल जो स्किन को हल्के तरीके से एक्सफोलिएट करने में मदद करता है। यहां जानें इसके बारे में सबकुछ -

क्यों फायदेमंद है यह उपाय?

नींबू में विटामिन C होता है, जो त्वचा को साफ करने और दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करता है। वहीं, गुड़ में हल्के प्राकृतिक कण (ग्रैन्यूल्स) होते हैं, जो स्किन को एक्सफोलिएट करते हैं और डेड स्किन हटाने में मदद करते हैं। इन दोनों का मिश्रण त्वचा को स्मूद और ग्लोइंग बनाने में सहायक हो सकता है।

कैसे बनाएं यह फेस पैक?

सबसे पहले एक छोटा टुकड़ा गुड़ लें। ध्यान रखें कि गुड़ साफ और सॉफ्ट हो। अब इसे कद्दूकस (घिस) कर लें या छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ लें, ताकि यह आसानी से मिक्स हो सके।

अब इसमें 4–5 बूंद ताजा नींबू का रस डालें। नींबू ज्यादा ना डालें, क्योंकि इससे स्किन पर जलन हो सकती है।

अब गुड़ और नींबू को अच्छी तरह मिलाएं। अगर गुड़ थोड़ा सख्त लग रहा है, तो इसे हाथ या चम्मच से हल्का दबाकर मिक्स करें, ताकि एक स्मूद और हल्का गाढ़ा पेस्ट बन जाए। अगर पेस्ट ज्यादा गाढ़ा लग रहा है, तो आप इसमें 1–2 बूंद पानी डाल सकते हैं जिससे इसे लगाना आसान हो जाएगा।

इस्तेमाल करने का तरीका

इस पेस्ट को चेहरे के उन हिस्सों पर लगाएं जहां दाग-धब्बे हैं। इसे 10–15 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद नॉर्मल पानी से धो लें। इस उपाय को आप हफ्ते में 2–3 बार इस्तेमाल कर सकते हैं।

कब दिखेगा असर?

यह एक घरेलू उपाय है, इसलिए इसका असर धीरे-धीरे दिखाई देता है। नियमित उपयोग से त्वचा साफ, मुलायम और थोड़ी ज्यादा चमकदार दिख सकती है। नींबू और गुड़ से बना यह पेस्ट स्किन को हल्के तरीके से साफ करता है और उसे नेचुरल ग्लो देने में भी मदद करता है।

चैत्र नवरात्रि का त्योहार 19 मार्च से शुरू हो रहा है। नवरात्रि के दौरान कुछ लोग व्रत करते हैं और फलाहार का सेवन करते हैं। आप भी नवरात्रि का व्रत रख रहे हैं और कुछ आसान और टेस्टी रेसिपी की तलाश में हैं तो ये आर्टिकल आपके काम का है। इस आर्टिकल में आप पनीर मखाना करी बनाने के बारे में जान सकते हैं।

पनीर मखाना करी

बनाने की सामग्री

1 कप कद्दू (कटा हुआ), 200 ग्राम हाई-प्रोटीन पनीर (क्यूब्स में कटा), 1 कप मखाना, 1 छोटा चम्मच कद्दूकस किया हुआ अदरक, 2–3 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 1 छोटा चम्मच जीरा, सेंधा नमक स्वादानुसार, 2 छोटा चम्मच घी, जरूरत अनुसार पानी, करी पत्ते (ऑप्शनल), काली मिर्च स्वादानुसार

बनाने की विधि

पनीर मखाना करी बनाने के लिए सबसे पहले आप कुकर में आप कद्दू, आधा कप मखाना, नमक और थोड़ा पानी डालें। इसे 3 सीटी तक प्रेशर कुक करें। फिर ठंडा होने दें। इसके बाद मिक्सर जार में डालकर स्मूद पेस्ट बना लें। आप चाहें तो पीसते समय कुछ पनीर के टुकड़े भी डाल सकते हैं। अब एक पैन में बचे हुए मखानों को ड्राई रोस्ट कर लें जब तक ये कुरकुरे न हो जाए। इसके बाद पनीर को घी में हल्का सा नमक और काली मिर्च डालकर सुनहरा होने तक सेंक लें। इसके बाद एक पैन में घी गर्म करें। इसमें आप जीरा, अदरक और हरी मिर्च डालें। अब तैयार प्यूरी को डालें और गाढ़ा होने तक धीमी आंच पर पका लें। अब इसमें पनीर और मखाना डालें। ऊपर से करी पत्ता डालकर गार्निश करें। इस तरह से आप पनीर मखाना करी को बना सकते हैं। इसे आप कुट्टू के आटे से बने पराठे के साथ सर्व कर सकते हैं।

गर्मी के मौसम में परवल-भिंडी स्टोर करने के 2 कमाल के तरीके

गर्मी का मौसम आते ही सब्जियों की बहार आ जाती है और इस सीजन में भिंडी, परवल, टिंडे, लौकी जैसी सब्जियां खूब बिकने लगती है। इन सब्जियों को खाना फायदेमंद भी होता है लेकिन इन्हें स्टोर करने का तरीका थोड़ा अलग होता है। अगर आप सही ढंग से इन्हें स्टोर न करें, तो ये दो दिन में ही पीली या खराब होने लगती है। भिंडी में कीड़े लग जाते हैं और परवल सूखने या फिर पीले होकर पकने लगते हैं। दोनों ही सब्जियां गर्मी के हिसाब से महंगी मिलती हैं और तौल में कम चढ़ती हैं, ऐसे में इनका खराब होना अच्छा नहीं लगता। अगर आप चाहते हैं कि परवल और भिंडी कई दिनों तक हरी और ताजा बनी रहें, तो इन्हें स्टोर करने का सही तरीका जानना जरूरी है। यहां हम आपको दो ऐसे आसान और कमाल के तरीके बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप इन सब्जियों को लंबे समय तक फ्रेश रख सकते हैं।

1- पेपर टॉवल या अखबार वाला तरीका

परवल-भिंडी को बिना धोएं ही पेपर टॉवल या फिर अखबार में लपेट दें। अगर इन सब्जियों पर नमी दिख रही है, तो पहले उन्हें सुखा लें और फिर इन सब्जियों को पेपर टॉवल या अखबार में हल्के से लपेट दें। इसके बाद इन्हें किसी एयरटाइट डिब्बे या जिप लॉक बैग में रखकर फ्रिज के वेजिटेबल बॉक्स में रख दें। पेपर टॉवल अतिरिक्त नमी को सोख लेता है, जिससे सब्जियां लंबे समय तक हरी और ताजा बनी रहती हैं। इस तरीके से परवल और भिंडी लगभग 5-7 दिन तक फ्रेश रह सकती हैं।

2- कॉटन कपड़ा

कॉटन के कपड़े में सब्जियों को लपेटकर रखने वाला तरीका काफी पुराना है। पहले लोग सब्जियों-फलों को फ्रेश और ठंडा रखने के लिए कपड़े में लपेटने वाला तरीका अपनाते थे। साफ कॉटन का कपड़ा लें और उसमें परवल या भिंडी को हल्के से लपेटकर बांध दें। इसके बाद इस कपड़े को फ्रिज के वेजिटेबल सेक्शन में रख दें। कॉटन का कपड़ा हवा का संतुलन बनाए रखता है और नमी को नियंत्रित करता है। इससे सब्जियां जल्दी सड़ती नहीं हैं और उनका रंग भी हरा बना रहता है।

स्टोर करने से पहले खास टिप्स

परवल-भिंडी को कभी भी धोकर पन्नी में स्टोर न करें। ऐसा करने से ये सब्जियां फौरन सड़ने लगेंगी। फ्रिज में रखने से पहले सब्जियों को अच्छे से सुखा लें। इन पर पानी नहीं लगा रहना चाहिए। अन्य नमी वाली सब्जियां जैसे टमाटर, लौकी के साथ इन्हें स्टोर न करें।

एक मिनट भी बर्बाद नहीं करना

RCB कैंप में विराट ने भरा जोश

महानगर नेटवर्क

बेंगलुरू

करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के अपने साथी खिलाड़ियों से 'स्विच आन' करने का आग्रह किया और कहा कि आईपीएल खिताब बरकरार रखने की तैयारी में अब उन्हें अभ्यास सत्र का एक मिनट भी बर्बाद नहीं करना है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले अभ्यास सत्र के दौरान कोहली ने कहा कि उसी जज्बे को बरकरार रखना है जिसके दम पर उन्होंने पिछले साल खिताब जीता था।

तीन सत्र में काफी मेहनत की है जिसके दम पर पिछले साल यह उपलब्धि हासिल कर सके। अब रास्ता और कठिन होगा क्योंकि बाकी टीमें भी पूरी चुनौती देंगी।'' आरसीबी को 28 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है । आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विराट कोहली ने कहा,'' हमें समय बर्बाद नहीं करना है। हमें आगे रहना है तो स्विच आन कर लीजिये। किसी भी सत्र का एक मिनट भी व्यर्थ नहीं करना है। हमें अगले ढाई महीने में अपना 120 प्रतिशत देना होगा।'' आरसीबी ने टीम में वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, जोर्डन कॉक्स, विकी ओस्तवाल और सात्विक देसवाल को शामिल किया है। मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा ,'' नीलामी काफी रोचक थी और हमारी टीम बेहतर हुई है । हमने कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों को लिया है । विराट और रजत की अगुवाई में स्थापित खिलाड़ियों के साथ उन्हें आरसीबी का हिस्सा बनाना रोमांचक होगा।'' उन्होंने यह भी कहा ,'' इस साल बात अलग होगी क्योंकि अब हम खिताब जीत चुके हैं । आरसीबी के सभी प्रशंसकों के लिये यह गर्व की बात है । लेकिन अब पिछला सत्र बीत गया है और नयी चुनौती सामने है ।यह काफी रोमांचक है और हम आईपीएल जीतने आये हैं ।'' विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा ,'' सभी एक दूसरे से मिलकर बहुत खुश हैं । सभी कोचों से फिर मिलकर और अभ्यास करके बहुत अच्छा लग रहा है ।''

खिलाड़ियों को दी ये सलाह

आयरलैंड दौरे पर जाएगी भारतीय टीम

BCCI ने जारी किया शेड्यूल

नई दिल्ली। India national cricket team इस साल जून में आयरलैंड दौरे पर जाएगी। Board of Control for Cricket in India ने शनिवार को इस दौरे का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया है। इस दौरे पर भारत और आयरलैंड के बीच टी20 इंटरनेशनल सीरीज खेली जाएगी, जिसकी शुरुआत 26 जून से होगी। भारत और Ireland cricket team के बीच दो मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज खेली जाएगी। सीरीज के दोनों मुकाबले बेलफास्ट में खेले जाएंगे। भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार बेलफास्ट में मैच खेलेगी। इससे पहले भारतीय टीम 2018, 2022 और 2023 में आयरलैंड का दौरा कर चुकी है। भारत और आयरलैंड के बीच टी20 इंटरनेशनल में हेड टू हेड रिकॉर्ड में टीम इंडिया का दबदबा रहा है। दोनों टीमों के बीच 2009 से 2024 के बीच 8 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं और सभी मैच भारत ने जीते हैं। आयरलैंड टीम अभी तक भारत को टी20 इंटरनेशनल में हरा नहीं पाई है। आयरलैंड दौरे के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इस दौरान भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। यानी भारतीय टीम 16 दिनों के अंदर 7 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेगी। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे को मिलाकर भारतीय टीम का शेड्यूल काफी व्यस्त रहने वाला है।

मियामी ओपन

अल्काराज की शानदार जीत, फोंसेका को सीधे सेटों में हराया

नई दिल्ली। Carlos Alcaraz और Joo Fonseca के बीच मुकाबला जोरदार रहा, लेकिन स्पेनिश स्टार ने अनुभव के दम पर मैच अपने नाम कर लिया। Miami Open में खेले गए इस मुकाबले में अल्काराज ने फोंसेका को 6-4, 6-4 से हराया। स्टेडियम में ब्राज़ीलियन खिलाड़ी फोंसेका के समर्थन में भारी भीड़ मौजूद थी, लेकिन अल्काराज ने दबाव में भी शानदार खेल दिखाया। मैच के बाद अल्काराज ने कहा कि उन्होंने महत्वपूर्ण मौकों पर बेहतरीन खेल दिखाया और पूरे मैच में फोकस बनाए रखा। उन्होंने मैच में आए तीनों ब्रेक प्वाइंट बचाए और अपनी सर्विस को सबसे बड़ा हथियार बताया। अल्काराज ने पहली सर्विस के बाद 80 प्रतिशत (35/44) अंक जीते, जो उनकी जीत की बड़ी वजह बनी। भले ही फोंसेका मैच हार गए,

लेकिन उन्होंने कई मौकों पर अल्काराज को चुनौती दी। इससे पहले भी फोंसेका को इस महीने इंडियन वेल्स में Jannik Sinner के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। लगातार बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने से फोंसेका को काफी अनुभव मिल रहा है और उन्हें भविष्य का स्टार माना जा रहा है। इस जीत के साथ अल्काराज का इस सीजन में रिकॉर्ड 17-1 हो गया है। पिछले साल मियामी में शुरुआती हार के बाद से उनका रिकॉर्ड 73-6 का हो गया है। पिछले 14 टूर्नामेंट में से 13 में वह कम से कम सेमीफाइनल तक पहुंचे हैं, जो उनकी शानदार फॉर्म को दर्शाता है। अब अल्काराज का अगला मुकाबला तीसरे राउंड में Sebastian Korda से होगा। कोर्डा ने अपने मैच में कैमिलो उगो काराबेली को 6-0, 6-3 से हराकर शानदार शुरुआत की।

आईपीएल के शुरुआती चरण में नहीं खेलेंगे मथीशा पथिराना

KKR के मुख्य कोच ने किया कंन्फर्म

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना के अप्रैल मध्य से उपलब्ध होने की संभावना जताई है। पिंडली में खिंचाव के कारण टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हुए पथिराना इस समय श्रीलंका क्रिकेट की देखरेख में रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। टूर्नामेंट में पथिराना केवल तीन मैच ही खेल पाए थे और ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ मुक़ाबले के दौरान उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। जिसके चलते आईपीएल 2026 के शुरुआत में उनकी उपलब्धता को लेकर उनकी चिंताएं बढ़ गई थीं।

केकेआर के प्री सीज़न प्रेस कॉन्फ़्रेंस के दौरान नायर ने कहा, ₹हमें जो ताज़ा जानकारी मिली है उसके अनुसार वह श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के साथ हैं और उन्होंने उनका रिहैब शुरू कर दिया है। हमें जो सबसे नई जानकारी मिली है उसके अनुसार वह अप्रैल के मध्य तक मैच खेलने के लिए फ़िट हो जाएंगे। फ़िलहाल हमें इतना पता है।₹इस समयावधि को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि पथिराना आईपीएल 2026 के शुरुआती दौर से बाहर रहेंगे, जिसके चलते केकेआर की गेंदबाज़ी योजनाओं को बड़ा झटका लगेगा। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) द्वारा रिलीज किए जाने के बाद केकेआर ने नीलामी में पथिराना को 18 करोड़ में ख़रीदा था। हर्षित राणा की अनुपस्थिति की वजह से भी केकेआर को झटका लगा है। घुटने की चोट के चलते राणा इस समय बाहर चल रहे हैं जो कि पिछले कुछ सीज़न में केकेआर के तेज़ गेंदबाज़ी आक्रमण के मुख्य स्तंभ रहे हैं। हालांकि राणा औपचारिक रूप से टूर्नामेंट से बाहर घोषित हो चुके हैं। राणा को टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच के दौरान घुटने में चोट लग गई थी जिसके बाद वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। नायर ने कहा, ₹सबसे पहले तो यह बड़ा झटका है। क्योंकि ख़िताबी सीज़न को जोड़ते हुए हर्षित पिछले कुछ सीजन से टीम का अहम हिस्सा रहे हैं। इन वर्षों में एक क्रिकेटर के तौर पर उन्होंने काफ़ी विकास किया है इसलिए उन्हें रिप्लेस करना आसान नहीं है।

बढ़ती जा रही केकेआर की परेशानी

हर्षित राणा के बाद आकाश दीप आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। हर्षित राणा पहले ही चोट की वजह से सीजन से बाहर हो चुके हैं। मथीशा पथिराना के खेलने पर भी स्थिति अभी तक साफ नहीं है। वह टी20 विश्व कप के दौरान चोटिल हुए थे और अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हैं। अब एक और तेज गेंदबाज आकाश दीप आईपीएल 2026 से बाहर हो गए हैं। नीलामी में केकेआर ने बंगाल के इस तेज गेंदबाज को एक करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था।आकाश दीप के आईपीएल 2026 से बाहर होने का दावा क्रिकबज की रिपोर्ट में किया गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स का कैंप 18 मार्च से ही चल रहा है। इसमें 29 साल के आकाश दीप शामिल नहीं हुए हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वह बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। उन्हें किस प्रकार की इंजरी है, इसे लेकर स्थिति साफ नहीं है। आकाश दीप ने अभी तक आईपीएल में सिर्फ 14 ही मुकाबले खेले हैं। उन्होंने 2022 में डेब्यू किया था। 14 मैचों में उनके नाम 10 विकेट हैं। इस दौरान उन्होंने 11.83 की इकोनॉमी से रन दिए हैं। पिछले सीजन वह लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा थे। उससे पहले आकाश आरसीबी के लिए भी खेल चुके थे। बिहार में जन्मे आकाश बंगाल के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। वह भारत के लिए 10 टेस्ट खेल चुके हैं और इसमें उनके नाम 28 विकेट हैं। तीन बार की आईपीएल चैंपियन केकेआर 2026 सीजन में अपना पहला मुकाबला मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलेगी। 29 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम पर दोनों टीमों की टक्कर होगी। इसके बाद 2 अप्रैल को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगी। फिर 6 अप्रैल को कोलकाता में ही पंजाब किंग्स से केकेआर की टक्कर होगी।

'अगले 2 साल में 2 और ट्रॉफी!'

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए आईपीएल 2026 की शुरुआत एक नई उम्मीद और डिफेंडिंग चैंपियन के टैग के साथ हो रही है। 18 साल के लंबे इंतजार के बाद पिछला खिताब जीतने वाली आरसीबी को लेकर अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बड़ी भविष्यवाणी की है। अश्विन का मानना है कि आरसीबी का मौजूदा स्क्वाड इतना संतुलित है कि वे अगले दो सालों में दो और खिताब अपने नाम कर सकते हैं।अपने यूट्यूब चैनल पर बात करत हुए अश्विन ने आरसीबी के नए और संशोधित स्क्वाड की जमकर तारीफ की। अश्विन ने कहा, 'आरसीबी इस टीम के साथ अगले दो वर्षों में एक और खिताब जोड़ सकती है। आईपीएल जीतना आसान नहीं है, लेकिन उनके पास जो बिल्डिंग ब्लॉक्स और एक-से-एक रिप्लेसमेंट हैं, वे कमाल के हैं। उन्होंने अपनी टीम के कॉम्बिनेश की कमियों को बहुत अच्छे से दूर किया है और यह टॉप-2 में फिनिश करने के लिए एक बेहतरीन पैकेज है।' आईपीएल 2024 के बाद आरसीबी ने केवल विराट कोहली, यश दयाल और रजत पाटीदार को रिटेन कर एक बड़ा जोखिम लिया था। मोहम्मद सिराज और ग्लेन मैक्सवेल जैसे बड़े नामों को रिलीज करने के बाद, 2025 के मेगा ऑक्शन में टीम ने पूरी तरह से कायाकल्प किया। टीम में फिल साल्ट, जितेश शर्मा, जोश हेजलवुड, टिम डेविड और भुवनेश्वर कुमार जैसे खिलाड़ियों के आने से संतुलन बना, जिसने पिछले सीजन में खिताबी सूखा खत्म करने में मदद की। आरसीबी 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने

अभियान की शुरुआत करेगी, लेकिन जोश हेजलवुड की उपलब्धता पर संशय बना हुआ है। हेजलवुड फिलहाल चोट से उबर रहे हैं और शुरुआती मैचों से बाहर रह सकते हैं। अश्विन इसे आरसीबी के लिए एक छलावा मानते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर हेजलवुड नहीं हैं, तो आरसीबी फिल साल्ट और जैकब बेथेल दोनों को खिला सकती है। जब हेजलवुड वापस आएंगे, तब तक टीम की स्थिति और भी स्पष्ट हो जाएगी।'

प्रेस कॉन्फ्रेंस में ड्वेन ब्रावो की फिसली जुबान

2 गर्लफ्रेंड का जिक्र करने पर अजिंक्य रहाणे ने टोका

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटॉर ड्वेन ब्रावो से शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बड़ी भूल हो गई। आईपीएल 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने अन्य फ्रेंचाइजी की तरह अपनी टीम की तैयारियों को बताने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान टीम के नए मुख्य कोच अभिषेक नायर, शेन वॉटसन, कप्तान अजिंक्य रहाणे और ड्वेन ब्रावो मौजूद थे। हालांकि इवेंट शुरू होने से पहले ड्वेन ब्रावो सहायक कोच वॉटसन से बात कर रहे थे और इस दौरान उन्होंने कहा अपनी गर्लफ्रेंड का जिक्र किया, हालांकि उन्हें पता नहीं था कि माइक ऑन है और उनकी आवाज सब सुन रहे हैं। ड्वेन ब्रावो ने शेन वॉटसन से बात करते हुए कहा, "जब इन लोगों ने मुझे फोन किया, मैं मेरे घर पर दो लड़कियों (गर्लफ्रेंड) के साथ था।" वह वॉटसन से अपनी स्टोरी शेयर करते हुए नायर की तरफ इशारा कर रहे थे। ब्रावो ने ये जानबूझकर नहीं कहा लेकिन उन्हें पता नहीं था कि माइक ऑन है। हालांकि उनके कुछ और कहने से पहले अजिंक्य रहाणे ने उन्हें टोका और बताया कि माइक ऑन हैं। जिसके बाद वह हैरान रह गए। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम 29 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुंबई में अपने अभियान की शुरुआत करेगा। पिछले सत्र में केवल पांच जीत दर्ज करके आठवें स्थान पर रहने वाली केकेआर को रहमानुल्लाह गुरबाज और क्विंटन डीकॉक की अनुपस्थिति में नई सलामी जोड़ी के साथ मैदान में उतरना होगा। केकेआर को तेज गेंदबाजी विभाग में झटके लगे हैं क्योंकि हर्षित राणा चोट के कारण बाहर हो गए हैं, जबकि पथिराना की उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। लेकिन गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो ने सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती के नेतृत्व वाले स्पिन आक्रमण पर भरोसा जताया।

अंगकृष रघुवंशी का ईडन गार्डन्स में तूफान

जड़ा 55 गेंदों में शतक, उमरान मलिक और रहाणे हुए बुरी तरह फ्लॉप

महानगर नेटवर्क

कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स के खेमे से आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले बड़ी खबरें आ रही हैं। ईडन गार्डन्स में शुक्रवार, 20 मार्च को खेले गए इंट्रा-स्क्वाड प्रैक्टिस मैच में युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी ने अपने बल्ले से कोहराम मचाते हुए शतकीय पारी खेली। हालांकि, कप्तान अजिंक्य रहाणे और रफ्तार के सौदागर उमरान मलिक के खराब प्रदर्शन ने टीम मैनेजमेंट की चिंताएं बढ़ा दी हैं। अभी कुछ समय पहले तक अपनी बैटिंग पोजीशन को लेकर सस्पेंस बनाए रखने वाले अंगकृष रघुवंशी ने साफ संकेत दे दिए हैं कि वे ईडन गार्डन्स में नंबर 3 पर खेलने के लिए तैयार हैं। 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए रघुवंशी ने महज 55 गेंदों में शानदार शतक जड़ा। शुरुआत में संभलकर खेलने के बाद

उन्होंने मिडिल ओवर्स में गियर बदला और टीम को जीत दिलाई। फिन एलन (23 रन) और अनुकूल रॉय (17 गेंदों में 28 रन) ने उनका अच्छा साथ दिया। केकेआर के लिए इस मैच में कुछ चिंताजनक पहलू भी रहे। कप्तान अजिंक्य रहाणे केवल 2 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं, सबसे ज्यादा निराशा उमरान मलिक ने हाथ लगी। उमरान ने अपने 3.2 ओवर के स्पेल में 47 रन लुटाए और उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। खास बात यह रही कि रघुवंशी ने उमरान के एक ही ओवर में 23 रन कूट डाले। हर्षित राणा की सर्जरी के बाद उनकी अनुपस्थिति में उमरान और कार्तिक त्यागी से काफी उम्मीदें हैं, लेकिन उमरान की यह फॉर्म टीम के लिए खतरे की घंटी है। हर्षित राणा की जगह भरने की रेस में कार्तिक त्यागी सबसे आगे नजर आ रहे हैं। उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 30 रन देकर 3 विकेट झटके। उनके अलावा वैभव अरोड़ा और वरुण चक्रवर्ती ने 2-2 विकेट लिए, जबकि ब्लेसिंग मुजरबानी को 1 सफलता मिली। पहली पारी में टिम सीफर्ट (47) और रिंकू सिंह (40) ने अच्छी बल्लेबाजी की, वहीं सार्थक रंजन ने 16 गेंदों में 37 रनों की कैमियो पारी खेलकर प्रभावित किया।

किसी ने 8000 रन बनाए इसका मतलब ये नहीं कि वे मुझसे बेहतर: डिविलियर्स

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाजों में से एक और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने सलामी बल्लेबाजों को मिलने वाले फायदों के बारे में बात की है। अक्सर टॉप रन स्कोरर की उनके साथ तुलना की जाती है, जिसे उन्होंने अपने लिए परेशानी का सबब माना है। डिविलियर्स ने कहा है कि जब कोई मेरी तुलना आपीएल के टॉप रन स्कोरर से करता है तब मुझे इससे काफी परेशानी होती है। डिविलियर्स ने सीधे शब्दों में कहा कि अगर किसी ने आठ हजार से ज्यादा रन बनाए हैं तो इसका मतलब यह कतई नहीं है कि वह मुझसे बेहतर हो सकता है। मैं उससे बेहतर हूं इस मामले में। उसके पक्ष में सिर्फ एक ही बात अच्छी है कि उसने मुझसे ज्यादा गेंदें खेली हैं। मबांगवा मीडिया के यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए, एबी डिविलियर्स ने आईपीएल के शीर्ष रन-स्कोररों के साथ अपनी तुलना को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा ₹इसलिए मुझे तब बहुत गुस्सा आता है जब आईपीएल में मेरे रनों की तुलना दूसरे खिलाड़ियों से की जाती है, क्योंकि तब मुझे लगता है कि मैंने सलामी बल्लेबाजों जितनी गेंदें तो नहीं खेली हैं। उन्होंने आगे अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि ₹इससे मुझे बहुत चिढ़ होती है।₹ उन्होंने बिना कोई नाम लिए कहा कि "इस खिलाड़ी ने 8,000 रन बनाए हैं, वो अब तक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं। मैं सोचता हूं, नहीं, मैं उनसे बेहतर हूं, उन्होंने ज्यादा गेंदें खेली हैं।" बता दें कि आईपीएल के इतिहास में अब तक सिर्फ विराट कोहली ने ही 8000 से अधिक रन बनाए हैं और वे अपनी टीम के लिए सलामी बल्लेबाजी करते हैं। ऐसे में कई फैंस यह मान रहे हैं कि एबी डिविलियर्स ने यह बयान विराट कोहली को टारगेट करते हुए दिया है। एबी डिविलियर्स ने बातचीत के दौरान उसी पॉडकास्ट में आगे कहा कि ₹वे सलामी बल्लेबाज हैं।

श्रीलंकाई खिलाड़ियों पर गिरी गाज

फिटनेस टेस्ट पास करने पर ही मिलेगी NOC

नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट ने आईपीएल 2026 में शामिल होने वाले अपने खिलाड़ियों के लिए कड़े तेवर अपना लिए हैं। बोर्ड ने साफ कर दिया है कि वानिंदु हसरंगा और मथीशा पथिराना जैसे स्टार खिलाड़ियों को आईपीएल के लिए NOC तभी मिलेगा, जब वे फिटनेस टेस्ट पास कर लेंगे। श्रीलंका के खेल मंत्रालय और नई चयन समिति के इस फैसले ने कई आईपीएल फ्रेंचाइजियों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। श्रीलंका क्रिकेट वर्तमान में अपने अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए आठ सप्ताह का विशेष शारीरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है। बोर्ड का कहना है कि आईपीएल 2026 के लिए एनओसी केवल उन्हीं खिलाड़ियों को दी जाएगी जो अनिवार्य फिजिकल परफॉर्मेंस टेस्ट (जिसमें 2 किमी की दौड़ भी शामिल है) में सफल होंगे। श्रीलंका का अगला अंतरराष्ट्रीय मैच मई के अंत में है, इसलिए बोर्ड इस समय का उपयोग खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर को सुधारने के लिए करना चाहता है। यह उन खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती है जो हाल ही में संपन्न हुए टी20 वर्ल्ड कप के दौरान या उससे पहले चोटिल हो गए थे। बोर्ड की रिलीज के अनुसार, कई बड़े खिलाड़ी अभी भी चोटों से उबर रहे हैं और उन्हें टेस्ट देना बाकी है। लखनऊ सुपर जायंट्स के वानिंदु हसरंगा अभी रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं, वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स के मथीशा पथिराना भी चोटिल हैं और उनके अप्रैल के मध्य तक ही उपलब्ध होने की उम्मीद है। इसके अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नुवान तुषारा और सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान मलिंगा की एनओसी भी फिटनेस टेस्ट के नतीजों पर टिकी है।

कमेंट्री से बाहर होने पर भारतीय कमेंटेटर ने तोड़ी चुप्पी

BCCI कर्मचारी से विवाद का किया खुलासा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय लेग स्पिनर और कमेंटेटर Laxman Sivaramakrishnan ने BCCI की कमेंट्री से अपने बाहर होने पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर बताया कि वह अब BCCI के लिए कमेंट्री नहीं करेंगे। उनके इस पोस्ट के बाद क्रिकेट जगत में बड़ा विवाद खड़ा हो गया और सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई। शिवरामकृष्णन ने बाद में सफाई देते हुए कहा कि उनका विवाद BCCI प्रशासन या ICC चेयरमैन Jay Shah से नहीं है। उन्होंने कहा कि यह मामला BCCI के एक कर्मचारी के साथ व्यक्तिगत विवाद का है। उन्होंने साफ कहा कि इस मामले में Board of Control for Cricket in India प्रशासन को बीच में नहीं लाना चाहिए। उन्होंने अपने बयान में कहा कि वह अब अपनी जिंदगी का फैसला खुद लेना चाहते हैं और उन्हें

ऐसा करने का पूरा अधिकार है। शिवरामकृष्णन ने आरोप लगाया कि 23 साल तक कमेंट्री पैनल का हिस्सा रहने के बावजूद उन्हें कभी टॉस, प्रेजेंटेशन या पिच रिपोर्ट जैसे बड़े रोल नहीं दिए गए, जबकि नए कमेंटेटर्स को ये मौके मिलते रहे। उन्होंने कहा कि यहां तक कि Ravi Shastri के कोच रहते हुए भी नए लोगों को मौके मिलते रहे। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कई लोगों ने इसे कमेंट्री में भेदभाव और पक्षपात से जोड़कर देखा। हालांकि बाद में शिवरामकृष्णन ने फिर कहा कि उनका मुद्दा किसी व्यक्ति विशेष से है, न कि पूरे बोर्ड से। 60 साल के शिवरामकृष्णन का क्रिकेट करियर भी शानदार रहा है। उन्होंने 1984-85 में ऑस्ट्रेलिया में खेले गए बेन्सन एंड हेजेस वर्ल्ड चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया था।

शिल्पा के देसी अवतार ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

बॉलीवुड की फैशन आइकॉन शिल्पा शेट्टी अपने ग्लैमरस लुक से इंटरनेट पर तहलका मचाती रहती हैं। शिल्पा शेटटी को 'साड़ी क्वीन' भी कहा जाता है। एक बार फिर उन्होंने अपने साड़ी तस्वीरों से फैंस के दिल की धड़कने बढ़ा दी है। शिल्पा शेट्टी ने मेटैलिक सिल्वर साड़ी में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है,जिसे उन्होंने कंटेम्परेरी ब्लाउज और मैचिंग एक्सेसरीज़ के साथ पेयर किया है।

साड़ी के साथ एक्ट्रेस ने स्लीवलेस ब्लाउज कैरी किया है, जो उनके लुक में बोल्डनेस का तड़का लगा रहा है। इसके साथ ही उन्होंन गले में स्टेटमेंट चोकर और मैचिंग ईयररिंग्स कैरी किए हैं। शिल्पा शेट्टी ने ग्लोइंग मेकअप,स्मोकी आई और न्यूड लिप्स के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है। साथ ही खुले सॉफ्ट वेव्स हेयरस्टाल उनके लुक को और भी ग्रेसफुल बना रहा है। तस्वीरों में शिल्पा एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। कभी वह हर एक पोज़ में उनकी आत्मविश्वास और सौंदर्य की झलक दिखाई देती है।

ऑस्कर विनिंग फिल्म के डायरेक्टर को बेहद पसंद आई धुरंधर 2

19 मार्च को धमाकेदार रिलीज के बाद, 'धुरंधर 2: द रिवेंज' को ऑस्कर विनिंग डायरेक्टर एसएस राजामौली की भरपूर सराहना मिली है। 2025 की रिकॉर्ड तोड़ ब्लॉकबस्टर फिल्म के इस सीक्वल ने न केवल दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है बल्कि अपनी भव्यता और कहानी कहने की गहराई के लिए फिल्म जगत के दिग्गजों से भी प्रशंसा बटोर रहा है। 'आरआरआर' के निर्देशक ने अपने X पर फिल्म की प्रशंसा करते हुए लिखा कि हालांकि उन्हें पहली फिल्म बहुत पसंद आई थी, लेकिन सीक्वल मूल फिल्म से कहीं बेहतर है।

क्या बोले डायरेक्टर राजामौली?

राजामौली ने कहा, 'लेखन, कास्टिंग, तकनीकी रूप से मजबूत, संगीत, दुनिया का निर्माण और निर्देशन त्रुटिहीन हैं।' उन्होंने विशेष रूप से इस विशाल निर्माण को आधार देने वाले भावनात्मक पहलुओं पर प्रकाश डाला। राजामौली ने निर्देशक आदित्य धर की चार घंटे लंबी फिल्म रिलीज करने के उनके साहस की सराहना की। फिल्म की लंबी अवधि के बावजूद, राजामौली ने कहा कि दर्शक आखिरी दृश्य तक अपनी सीट से चिपके रहते हैं जिसका श्रेय पटकथा को जाता है जो वास्तविक तनाव को भावनात्मक मोड़ों के साथ खूबसूरती से पिरोती

है। उन्होंने लिखा, लेखन ने ऐसे कथानक मोड़ बुने हैं जो वास्तविक तनाव और भावनाओं का संगम पैदा करते हैं। आदित्य धर आपने कमाल कर दिया। चार घंटे लंबी फिल्म बनाना और रिलीज़ करना हिम्मत का काम है। दर्शक आखिरी दृश्य तक अपनी सीट से चिपके रहते हैं।

श्रुति हासन की लव लाइफ क्यों पटरी से उतरी?

बोलीं- 'हमारी इंडस्ट्री में सबका यही हाल है'

श्रुति हासन का नाम अब तक कई एक्टर्स के साथ जोड़ा गया,लेकिन किसी भी रिश्ते को मंजिल नहीं मिली। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी लव लाइफ को लेकर कई बातें साझा की हैं। क्यों उनके प्यार की गाड़ी चल नहीं रही है?

लव लाइफ के बारे में श्रुति हासन ने क्या कहा?

मैशेबल इंडिया को दिए गए हालिया इंटरव्यू में श्रुति ने कहा, 'मेरी लव लाइफ लॉन्ग डिटेंस होती है। कभी गाने की, कभी फिल्मों की शूटिंग होती है। जब कभी ब्रेक मिलता है तो सामने वाले शख्स को अपनी जिंदगी जीनी होती है। देखिए, हमारी इंडस्ट्री में लगभग सबका यही हाल है।'

श्रुति को तेलुगु अच्छे से बोलने नहीं आती है तो वह इंटरव्यू में कहती हैं कि किसी तेलुगु लड़के को डेट कर लेती हूं, उसके साथ बात करूंगी तो लैंग्वेज सीख जाऊंगी।

खुद को बताया घरेलु लड़की

श्रुति हासन ने आगे इंटरव्यू में बताया कि वह जब वह प्यार में होती हैं तो बिल्कुल घरेलु लड़की बन जाती हैं। वह कहती हैं, 'मैं अपने पार्टनर को पहले खाना खिलाती हूं, उस पर बहुत प्यार लुटाती हूं। अगर उसे बुखार आता है तो उसकी केयर करती हूं। लेकिन यह सब उस शख्स के लिए करती हूं, तो मेरी इन फीलिंग्स को इंपॉर्टेंस देता है।' यह सब बातें बताने के बाद भी श्रुति ने यह नहीं बताया कि वह किसे डेट कर रही हैं।

इस साल कई फिल्मों में नजर आएंगी श्रुति हासन

श्रुति हासन के करियर फ्रंट की बात करें तो वह पिछले साल रजनीकांत की फिल्म 'कुली' में नजर आई थीं। इस साल वह फिल्म 'ट्रेन' और 'सालार 2' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी। 'सालार 2' में वह प्रभास के अपोजिट दिखाई देंगी।

अब ऋषभ शेट्टी से भिड़ेगा 'धुरंधर' का ये खूंखार विलेन

इस वक्त सिर्फ एक ही पिक्चर की गूंज है, वो है DHURANDHAR: THE REVENGE. फिल्म के हीरो से ज्यादा विलेन छाए हुए हैं. फर्स्ट फिल्म में अक्षय खन्ना ने गर्दा उड़ाया था, इस बार अर्जुन रामपाल और संजू बाबा ने अपने काम से इम्प्रेस किया।

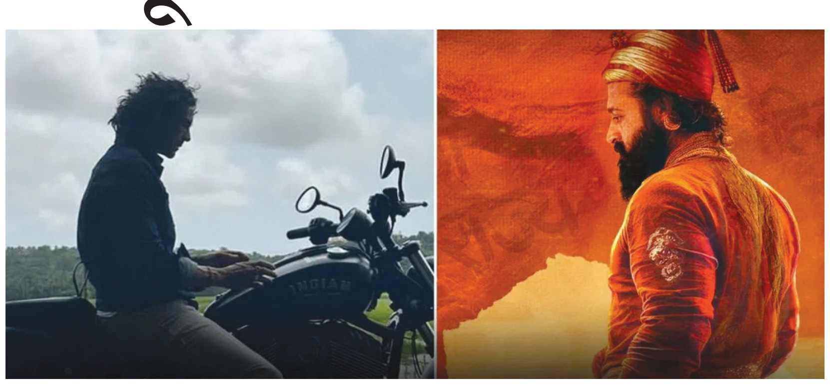

अबतक अकेले भारत से ही 260 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है। वहीं, फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स भी मिल रहा है। इसी बीच फिल्म के विलेन की एंट्री ऋषभ शेट्टी की फिल्म में हो गई है। "The Pride of Bharat: Chhatrapati Shivaji Maharaj" में 'धुरंधर' का खूंखार विलेन क्या करने वाला है। जानिए फिल्म को लेकर क्या अपडेट मिल गया है? दरअसल ऋषभ शेट्टी के लिए साल 2025 बेहद जबरदस्त रहा, जब उनकी 'कांतारा-चैप्टर 1' बॉक्स ऑफिस पर आई और 800 करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार कर लिया। हालांकि, एक्टर के खाते में इस समय 'जय हनुमान' भी है, जिसका काम शुरू हो चुका है। एक्टर का पूरा फोकस ही इसी फिल्म की तरफ है। हालांकि, अब फिल्म पर क्या अपडेट आ गया है, जानिए पता लगा कि अर्जुन रामपाल, 'द प्राइड ऑफ भारतः छत्रपति शिवाजी महाराज' में एंट्री लेने के लिए तैयार हैं।

अब क्योंकि यह एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट है, तो इसमें ऋषभ शेट्टी महान मराठा राजा का किरदार निभाने वाले हैं। 'धुरंधरः द रिवेंज' में अपनी जबरदस्त एक्टिंग से अर्जुन रामपाल ने सबका ध्यान खींच लिया है। अब इस फिल्म में विलेन के रोल के लिए एक्टर को चुना गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ,वो ऑन-स्क्रीन ऋषभ शेट्टी का सामना करेंगे। दरअसल उम्मीद है कि यह फिल्म साल 2027 तक रिलीज कर दी जाएगी।

फिल्म फॉरेस्ट रेंजर की जोरदार तैयारी में जुटी कृष्णा गौतम

अपनी आने वाली फिल्म फॉरेस्ट रेंजर के लिए एक्ट्रेस कृष्णा गौतम जोरदार तैयारी में जुटी हुई हैं। यह फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन चरण में है। अपने किरदार को पूरी तरह वास्तविक और प्रभावशाली बनाने के लिए अभिनेत्री इन दिनों कड़ी ट्रेनिंग ले रही हैं और खास तौर पर मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) सीख रही हैं। जानकारी के अनुसार, कृष्णा गौतम अपने एक्शन अवतार को विश्वसनीय बनाने के लिए लंबे समय तक ट्रेनिंग सेशन्स में हिस्सा ले रही हैं। इन सत्रों में वह अपनी ताकत, फुर्ती और कॉम्बैट तकनीकों को बेहतर बनाने पर खास ध्यान दे रही हैं। इस कठोर अभ्यास से साफ झलकता है कि वह अपने किरदार को पर्दे पर पूरी मजबूती और वास्तविकता के साथ प्रस्तुत करना चाहती हैं।

अभिनेत्री अपनी एमएमए ट्रेनिंग की झलकियां समय-समय पर सोशल मीडिया पर भी साझा कर रही हैं। इन वीडियोज और तस्वीरों के जरिए उनके प्रशंसकों को यह देखने का मौका मिल रहा है कि किसी एक्शन आधारित किरदार को निभाने के लिए कलाकारों को कितनी मेहनत और तैयारी करनी पड़ती है। उनके ट्रेनिंग सेशन्स में हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट, फाइटिंग मूव्स और स्टैमिना बढ़ाने वाले अभ्यास शामिल हैं। कृष्णा गौतम को अपने किरदारों के साथ नए-नए प्रयोग करने के लिए जाना जाता है। इसी कड़ी में 'फॉरेस्ट रेंजर' उनके करियर का एक अलग और चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट माना जा रहा है। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार पूरी तरह एक्शन जॉनर को एक्सप्लोर करती नजर आएंगी। फिल्म में तेज रफ्तार एक्शन और रोमांचक घटनाओं की भरमार होने की उम्मीद है, जिसके लिए अभिनेत्री का नया ट्रांसफॉर्मेशन पहले ही दर्शकों और फिल्म इंडस्ट्री के लोगों के बीच उत्सुकता पैदा कर चुका है। फिल्म के निर्माताओं की योजना इसे वर्ष 2027 में रिलीज करने की है। हालांकि अभी फिल्म से जुड़ी कई अन्य जानकारियां सामने आना बाकी हैं, लेकिन प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा अभी से तेज हो गई है।

अक्षय कुमार की 'बॉस' ने बनाया अनोखा रिकॉर्ड

अपने करियर में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने कई हिट फिल्मों के साथ कुछ फ्लॉप फिल्मों का भी सामना किया है। अक्षय की एक फिल्म ऐसी रही जिसने बॉक्स ऑफिस पर भले ही निराश किया, मगर एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। यह फिल्म है 'बॉस', जिसने रिलीज के समय खास कमाई नहीं की, लेकिन अपने प्रमोशन के चलते इतिहास रच दिया। फिल्म 'बॉस' में अक्षय कुमार के साथ मिथुन चक्रवर्ती, शिव पंडित, रोनित रॉय और असिन जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। हालांकि फिल्म को दर्शकों से उम्मीद के मुताबिक प्रतिक्रिया नहीं मिली।

दरअसल, अक्षय कुमार के फैन क्लब द्वारा इस फिल्म के प्रमोशन के लिए एक खास पोस्टर तैयार किया गया था। इस पोस्टर को बनाने में करीब चार महीने का समय लगा। जब यह तैयार हुआ, तो इसका आकार इतना बड़ा था कि इसने दुनिया के सबसे बड़े पोस्टर का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस उपलब्धि को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्डस में भी दर्ज किया गया। इससे पहले यह रिकॉर्ड यूनाइटेड किंगडम के लिटल ग्रांसडेन एयरफील्ड में बने एक पोस्टर के नाम था, जिसे मैक्रो आर्ट्स कंपनी ने तैयार किया था। यही कंपनी पॉप स्टार माइकल जेक्सन का विशाल पोस्टर बनाने के लिए भी जानी जाती है। लेकिन 'बॉस' के पोस्टर ने इस रिकॉर्ड को करीब 15 से 20 प्रतिशत के अंतर से पीछे छोड़ दिया। अगर इस पोस्टर के आकार की बात करें तो यह लगभग 58 .87 मीटर चौड़ा और 54 .94 मीटर लंबा था। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम ने मौके पर पहुंचकर इसका मापन किया और आधिकारिक तौर पर इसे दुनिया का सबसे बड़ा पोस्टर घोषित किया। यह उपलब्धि फिल्म के फ्लॉप होने के बावजूद उसे एक अलग पहचान दिलाने में सफल रही। वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार आने वाले समय में कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। वह जल्द ही भूत बंगला में दिखाई देंगे, जो एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है।

ईद 2027 में धमाका करने लौटेंगे सलमान खान

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान अपनी अगली फिल्म कब रिलीज करने वाले हैं? फिलहाल तो हर किसी का सवाल यही है, क्योंकि एक्टर ने पहले अप्रैल का महीना चुना था, लेकिन फिर फिल्म का शूट बढ़ गया और अब फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवान' से बदलकर 'मातृभूमि' कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि काफी कुछ फिल्म में बदला जाएगा, अब एक चाइनीज गाना भी रखा जाएगा। वैसे अगस्त विंडो पर सलमान और अपूर्व लाखिया की निगाहें हैं, पर बड़ा सवाल यह है कि क्या वो अगली फिल्म साउथ डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली और प्रोड्यूसर दिल राजू के साथ करने वाले हैं।

फिल्म को लेकर क्या बड़े अपडेट मिल गए हैं।वैसे तो बॉलीवुड के 'सुल्तान' सलमान खान का पूरा फोकस अगली फिल्म 'मातृभूमि' रिलीज होगी। पर बड़ा सवाल यह है कि उसके बाद क्या? उनका नाम कई फिल्मों से जुड़ रहा है, साथ ही यहां तक कहा जा रहा है कि वो साउथ मेकर्स के साथ ही कुछ प्लान कर रहे हैं। इसी बीच एक रिपोर्ट से पता लगा कि, सलमान एक बार फिर अपनी उस रिलीज विंडो पर कब्जा करने की तैयारी में हैं, जो कभी उनके सुपरस्टारडम की पहचान बन गई थी। क्या मातृभूमि के बाद ईद 2027 में व वापसी होने जा रही है। हाल ही में एक रिपोर्ट के मुताबिक पता लगा कि सलमान खान ने ईद 2027 के लिए एक बड़े बजट की कमर्शियल एंटरटेनर फिल्म लॉक कर ली है। पहला बड़ा अपडेट है कि इस प्रोजेक्ट के लिए सलमान खान ने साउथ प्रोड्यूसर दिल राजू से हाथ मिलाया है। साथ ही नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली उनकी फिल्म डायरेक्ट करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, यह फिल्म एक बड़े पैमाने पर बनाई जाने वाली एक्शन एंटरटेनर होगी। जिसकी कहानी में एक मजबूत इमोशनल स्पाइन होगा। फिल्म को सलमान खान की 'मास अपील' और फेस्टिवल के दौरान बॉक्स ऑफिस पर उनके दबदबे को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जा रहा है। फिल्म के टाइटल का फिलहाल ऐलान नहीं किया गया है। पर यह एक 'इवेंट फिल्म' के तौर पर पेश किया जा रहा है।

'मिस्टर एंड मिसेज परशुराम' के महामिलन ने बढ़ाई फैंस की धड़कनें

स्टार प्लस हमेशा अपने शानदार महासंगम इवेंट्स के जरिए परिवारों को करीब लाता रहा है, और इस बार यह और भी बड़ा, धमाकेदार और हाई-वोल्टेज ड्रामे से भरपूर होने वाला है!

'देशमुख महासंगम' के लिए, दो अलग-अलग कहानियाँ एक ही छत के नीचे टकराने वाली हैं। इसमें 'उड़ने की आशा' से सचिन और साइली, 'मिस्टर एंड मिसेज परशुराम' के शिवप्रसाद और शालिनी के साथ नज़र आएंगे। देशमुख कजिन्स होने के नाते ये दोनों परिवार एक-दूसरे से जुड़े तो हैं, लेकिन इनका साथ आना इतना आसान नहीं होने वाला।जो शुरुआत में एक प्यारा सा फैमिली रीयूनियन लग रहा था, वह जल्द ही एक अनपेक्षित मोड़ ले लेता है। प्रोमो में इस आने वाले तूफान की एक झलक दिखाई गई है, जहाँ सिर्फ बातें नहीं हो रही हैं, बल्कि एक-दूसरे को उकसाया जा रहा है।

इस तनावपूर्ण माहौल के बीच एक बहुत ही दिलचस्प पल सामने आता है। शिवप्रसाद और सचिन को तैयार होते देखा जा रहा है, और शालिनी और साइली उनके साथ रहकर उन्हें तैयार कर रही हैं, लेकिन आखिर किसलिए? क्या यह कोई मुकाबला है? ईगो की जंग है? या फिर कुछ और भी ज़्यादा गंभीर।उनकी हर नज़र में एक चुनौती है और हर बात में एक गहरे टकराव का इशारा। हर पल एक ऐसे आमने-सामने के मुकाबले की तरफ बढ़ रहा है जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगा।जब इतने मज़बूत व्यक्तित्व वाले लोग एक साथ आते हैं, तो शांति की उम्मीद करना नामुमकिन है।

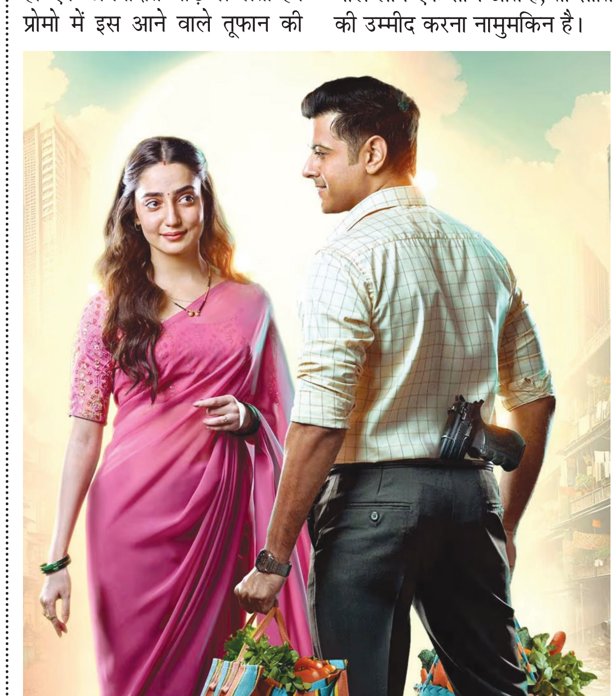

125 मिनट की खौफनाक फिल्म

हॉरर फिल्मों और सीरीज का क्रेज इन दिनों लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। कुछ लोग हल्की-फुल्की हॉरर कॉमेडी पसंद करते हैं तो कुछ ऐसे हैं, जिन्हें डर, अचानक आने वाले सीन, खौफनाक कहानी और रोंगटे खड़े कर देने वाला माहौल देखना अच्छा लगता है। डरावनी कहानी की यही खूबी होती है कि वो इंसान को स्क्रीन से बांधे रखती हैं और खत्म होने के बाद उसका हर एक सीन दिमाग में घूमता रहता है। कुछ फिल्में इतनी खतरनाक होती है कि देखने के बाद रात में नींद भी नहीं आती और दर्शक लंबे समय तक उस डर को भूल नहीं पाते हैं। 2025 में आई इस फिल्म का हर सीन बहुत ही खौफनाक है, जिसे देख आपके होश उड़ जाएंगे।

2025 में रिलीज़ हुई थी ये धांसू फिल्म

ओटीटी पर रिलीज हुई इस हॉरर फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसे आप अपने परिवार वालों और दोस्तों के साथ देख सकते हैं, लेकिन आपने अगर इस शानदार हॉरर फिल्म को मिस कर दिया है तो आपके लिए खुशखबरी है। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, वो फिल्म 12 सितंबर, 2025 को रिलीज हुई थी। ये एक तेलुगु हॉरर थ्रिलर फिल्म है, जिसने रिलीज होते ही दर्शकों का ध्यान खींच लिया था। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, उसका नाम 'किष्किंधापुरी' है, जिसकी कहानी ऐसा माइंड गेम खेलती है कि आखिरी सीन तक सस्पेंस बना रहता है और हर ट्विस्ट होश उड़ाने वाला है।

फिल्म का अंत देखने के बाद घूम जाएगा दिमाग

'किष्किंधापुरी' का डायरेक्शन कौशिक पेगल्लापति ने किया था। फिल्म में बेल्लमकोंडा साईं श्रीनिवास, अनुपमा परमेश्वरन, करंद देशपांडे और तनिकेला भारणी जैसे बेहतरीन कलाकार है।